डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram Channel
Search rojgaraurnirman

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 15.02.2021 से 21.02.2021

मध्यप्रदेश में मिलावट के विरुद्ध पूरी ताकत से जारी रहेगा अभियान - मुख्यमंत्री

भोपाल, अधिकारी-कर्मचारी पूरी क्षमता, समर्पण, ईमानदारी और परिश्रम से कार्य कर प्रदेश की जनता के कल्याण को सुनिश्चित करें। कलेक्टर्स, विभागीय अधिकारी और उनका अमला प्रदेश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ दें। विकास के लिए हम सब एक हैं। यदि हमारे प्रयासों में कोई कमी रह जाती है, तो यह प्रदेश का अहित होने का पाप भी होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के जिलों के कलेक्टर्स और सभी कमिश्नर्स, आई.जी. और एस.पी. स्तर के अधिकारियों से प्रथम सत्र के संवाद में कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कलेक्टर, कमिश्नर, आईजी और एसपी स्तर के अधिकारियों के साथ संवाद करते हुये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि निर्धारित एजेंडा के अनुसार मासिक समीक्षा होगी। माह में 29 दिवस काम और एक दिन समीक्षा होगी। श्री चौहान ने कहा कि यह मासिक समीक्षा सु-शासन का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने मिलावटियों के विरुद्ध पूरी ताकत से अभियान जारी रखने को कहा।

माफिया के विरुद्ध जारी रहे कार्यवाही

मुख्यमंत्री ने कहा कि माफिया के विरुद्ध पूरी सख्ती से कार्यवाही जारी रहे। चिन्हित अपराधों पर अच्छी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के लिए 3 जिलों बैतूल, सतना और रीवा को मुख्यमंत्री ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुमशुदा बच्चों को तलाशने का कार्य अच्छा हुआ है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी ने जानकारी दी कि 12 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं के साथ हुए बलात्संग के प्रकरणों में गत चार वर्ष में 25 मामलों में मृत्यु-दण्ड की सजा सुनाई गई है। इन मामलों में आरोपियों ने न्यायालयों में अपील की है जिसकी मॉनीटरिंग की जा रही है। महिला अपराध और आदतन अपराधियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। बालिकाओं के अपहरण प्रकरणों की समीक्षा की गई। जनवरी 2021 में संचालित ऑपरेशन मुस्कान के फलस्वरूप कुल 2632 बालक-बालिकाओं की जानकारी प्राप्त कर उन्हें उनके परिवार तक पहुंचाने का कार्य किया गया।

एक माह में तोड़े 137 बड़े अतिक्रमण

कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि प्रदेश में भूमाफिया, गुंडा, बदमाश, अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध प्रभावी कदम उठाने वाले जिलों में देवास, छतरपुर, सिवनी, झाबुआ और निवाड़ी शामिल हैं। एक जनवरी से 31 जनवरी तक 695 गुंडों पर कार्रवाई की गई जिसमें 37 पर एनएसए लगाया गया। कुल 137 बड़े अतिक्रमण तोड़े गए। कुल 13 करोड़ 94 लाख रुपये की भूमि मुक्त करवाई गई। माफिया के खिलाफ कार्यवाही के दौरान गरीब और कानून का पालन करने वालों को कहीं परेशान न होना पड़े, यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

मिलावटखोरों पर दर्ज किये गये एनएसए प्रकरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध संचालित अभियान पूरी ताकत से जारी रखा जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि प्रदेश में एक माह में 48 प्रकरण दर्ज हुए हैं। कुल 46 दोषी व्यक्ति गिरफ्तार किए गए। कुल 1.36 करोड़ रुपये की लागत का मिलावटी पदार्थ जप्त किया गया। कुल 10 प्रकरण एनएसए (रासुका) के दर्ज किए गए हैं।

उपार्जन और उपभोक्ता कल्याण

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में हुए धान उपार्जन कार्य और किसानों को किए गए भुगतान की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने मुरैना कलेक्टर से बाजरा खरीदी संबंधित शिकायतों पर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसान हित सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कलेक्टरों से खाद्यान्न उपार्जन में अनियमितता पर दर्ज मामलों की जानकारी प्राप्त की।

पी.एम. स्व-निधि योजना में प्रथम रहे मध्यप्रदेश

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना लोगों की जिंदगी बदलने वाली योजना है। उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में रेहड़ी लगाने वाले और छोटे व्यवसायियों (स्ट्रीट वेंडर्स) को ब्याज मुक्त ऋण दिलवाकर सहायता देने वाली स्व-निधि योजना की प्रगति की जिलावार जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि अलीराजपुर, निवाड़ी, इंदौर और सिंगरौली जिले योजना के क्रियान्वयन में आगे हैं। श्री चौहान ने संबंधित जिला कलेक्टर को बधाई दी।

स्व-सहायता समूह को समर्थ बनाना प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के लिए स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सम्पन्न और आत्मनिर्भर बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों का कार्य बेहतर चल रहा है। इसकी निरंतर प्रगति के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि समूहों को प्रदेश में बैंक और मार्केट लिंकेज के प्रयास सफल हुए हैं। लोकल को वोकल बनायें। जिलों में नवाचार करें। यह कार्य मिशनरी भाव से करें।

जनजातीय वर्ग

विद्यार्थियों के शैक्षणिक सुधार के लिये विशिष्ट आवासीय विद्यालय

भोपाल, मध्यप्रदेश में जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षणिक सुधार के लिये 126 विशिष्ट आवासीय विद्यालय संचालित किये जा रहे हैं। इन विद्यालयों में 64 हजार से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के पढ़ाई करने के इंतजाम हैं। जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित इन विशिष्ट आवासीय विद्यालयों के संचालन के लिये स्पेशल रेसिडेंसियल एवं एकेडेमिक सोसायटी का गठन किया गया है।

जनजातीय क्षेत्रों में संचालित इन आवासीय विद्यालयों में 64 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 54 कन्या शिक्षा परिसर और 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा पिछले वर्ष चयनित 12 एकलव्य आवासीय विद्यालयों में सीबीएसई मापदण्ड अनुसार प्रति शिक्षण संस्था को दो करोड़ चार लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। प्राप्त राशि से 32 एकलव्य विद्यालयों में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से शिक्षा दिये जाने के लिये एक-एक स्मार्ट कक्ष का निर्माण किया गया है।

प्रदेश के 118 विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सुविधा को बढ़ाये जाने के उद्देश्य से 116 निर्माण कार्य मंजूर किये गये हैं। इनमें से 72 निर्माण कार्य पूरे कर लिये गये हैं। निर्माणाधीन 44 कार्यों को विभाग द्वारा समय-सीमा में पूरा किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में संचालित 64 एकलव्य आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने के मकसद से प्रति छात्र करीब 48 हजार रुपये की राशि प्रति वर्ष उपलब्ध करायी जा रही है।

ऑडीटोरियम का निर्माण

प्रदेश के 30 एकलव्य आवासीय विद्यालयों में ऑडीटोरियम भवन का निर्माण किया जा रहा है। भवन निर्माण को निश्चित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

खास खबर

अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को आवास सहायता

भोपाल, मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के 55 हजार विद्यार्थियों को आवास सहायता के रूप में 60 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। विभाग यह योजना उन विद्यार्थियों के लिये संचालित कर रहा है, जिन्हें छात्रावास में स्थानाभाव के कारण प्रवेश नहीं मिल पाता है। इस योजना में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर एवं ग्वालियर में अध्ययन करने वाले महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को दो हजार रुपये दिये जाते हैं।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

मध्यप्रदेश में 2023 तक जल क्रांति

प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मिलेगा घरेलू नल कनेक्शन - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को वर्ष 2023 तक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। यह प्रदेश में जल क्रांति होगी। इससे सबसे बड़ी राहत हमारी बहनों को मिलेगी। उन्हें हैंडपंप से मुक्ति मिल सकेगी। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल से स्वास्थ्य की स्थिति में भी सुधार होगा। कुल एक करोड़ 21 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार लाभान्वित होंगे। इस पर 44 हजार 260 करोड़ रुपये का व्यय होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में जल-जीवन मिशन के प्रस्तुतीकरण के बाद मंत्रीगण को संबोधित करते हुये कहीं।

श्री चौहान ने कहा कि जल-जीवन मिशन के संचालन में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और जिस भी ग्राम की परियोजना पूर्ण होगी, वहां उसका प्रारंभ उत्सव के रूप में किया जायेगा। गांव के प्रत्येक घर को नल से जल उपलब्ध कराना ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मंत्रिपरिषद के सम्मुख हुए जल-जीवन मिशन के 'हर घर जल' पर प्रस्तुतीकरण में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को मिशन की घोषणा की गई थी। मध्यप्रदेश में जून, 2020 से मिशन का क्रियान्वयन आरंभ हुआ। मिशन के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल और स्वच्छता मिशन तथा राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति विद्यमान है। जिला स्तरीय समिति में जिला कलेक्टर अध्यक्ष तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष हैं। ग्राम स्तर पर स्व-सहायता समूह के सहयोग से ग्रामवासियों की जन-भागीदारी और योजना के सतत संचालन और संधारण के लिए क्रियान्वयन सहायता संस्था की व्यवस्था है। नल-जल योजनाओं के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसी की व्यवस्था भी विद्यमान है। जल एवं स्वच्छता समिति लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहयोग से योजना का निर्माण करेगी।

सिंचाई अधोसंरचना विस्तार में कृषकों की सहमति महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नर्मदा नियंत्रण मंडल की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, सिंचाई अधोसंरचना विस्तार में कृषकों की सुविधा और सहमति को ध्यान में रखा जाए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और वरिष्ठ अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों का निरंतर निरीक्षण सुनिश्चित करें। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में नर्मदा नियंत्रण मंडल की 69वीं बैठक को संबोधित करते हुये कही।

योजनावार कार्यों की समीक्षा

बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा योजनावार कार्यों की समीक्षा की गई। छैगांवमाखन उद्वहन सिंचाई परियोजना, अलीराजपुर उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना, इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत बड़वानी जिले में टनल निर्माण, बरगी व्यपवर्तन परियोजना की स्लीमनाबाद टनल के कार्य, ढीमरखेड़ा उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना की समीक्षा की गई।

कई परियोजनाओं के कार्य पूर्ण

आत्मनिर्भर भारत के परिप्रेक्ष्य में तैयार कार्य-योजना में नर्मदा-मालवा-गंभीर लिंक, हरसूद माइक्रो सिंचाई परियोजना, अपर बेदा दार्यी तट नहर, ओंकारेश्वर नहर चरण-4 सिंचाई तथा उज्जैनी-देवास-उज्जैन पाइप लाइन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इससे 1 लाख 50 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विस्तार होगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

तथागत

अंग्रेजी एवं हिन्दी की पृथक बैच

I.A.S. एवं M.P.P.S.C. के लिये सर्वश्रेष्ठ संस्थान

Effort is important, but knowing where to make an effort makes all the difference.

UPSC / MPPSC

■ Target & Foundation Batch ■ Digital Class Room

टीम तथागत

विश्वास सर (अनुभव 12 वर्ष) | प्रतीक सर (अनुभव 5 वर्ष) | अमित सर (अनुभव 5 वर्ष) | विशाल सर (अनुभव 5 वर्ष) | शिवम सर (अनुभव 5 वर्ष)

- समसामायिक विषयों पर साप्ताहिक चर्चा – योजना, कुरूक्षेत्र, पीआईबी एवं फ्रन्टलाईन पर
- प्रतिदिन समाचार पत्रों पर चर्चा – द हिन्दू, इंडियन एक्सप्रेस,
- उत्तर लेखन पर विशेष मार्गदर्शन
- प्रतिदिन क्लास टेस्ट (पिछली क्लास लेक्चर पर आधारित)

125+ Students qualify for MPPSC Mains-2019

अपनी सफलता सुनिश्चित करें

Registration Open

Vedant ADVT

टॉप फ्लोर, आरेंज बिजनेस पार्क, एप्पल हॉस्पिटल के पास, भंवरकुआँ, इन्दौर

Mob.: 8839177961, 8435181328 https://t.me/tathagatias

R-45199/2021

आजाद पी 3 एकेडमी

सपनों की उड़ान आप भरें , उन्हे साकार हम करें।

UPSC | MPPSC | MPSI | PATWARI | SAMVIDA 1,2,3

प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट सेवा हेतु सम्मानित संस्थान

UPSC

3 YEARS PROGRAM SPECIAL BATCH

(HINDI MEDIUM)
START FROM : 22 FEB'21

(ENGLISH MEDIUM)
START FROM : 25 FEB'21

OPTIONAL SUBJECT AVAILABLE
HISTORY & GEOGRAPHIC

15 FEB'21
MPPSC PRE + MAINS (HINDI MEDIUM)
NEW BATCH START

MPSI NEW BATCH STARTED
NEW BATCH START

SSC | BANK

GANGA

हेड ऑफिस : वेदा बिल्डिंग द्वितीय मंजिल, एप्पल हॉस्पिटल के पास, भंवरकुंआ, इंदौर

0731-4966653 / 54, 97559-16644, 70244-86260, 91092-57973

R-45197/2021

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक-03, थाने के पीछे 1558, ऋषि काटेज, रतन कालोनी, गोरखपुर, जबलपुर (म.प्र.)-482003
फोन : 0761-4927003, ई-मेल : mpphcjabalpur3@gmail.com

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्रमांक-03 के अंतर्गत बरघाट नगर मुख्यालय में इंडोर स्टेडियम हेतु आरक्षित भूमि पर बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-13/2020-21 (ऑनलाइन निविदा क्र.-2021_MPPHC_128282) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 22.02.2021 समय सायं 17.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सबमिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किये जावेंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/99877/45192/2021 परियोजना यंत्री

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक एवं म.प्र. की विभिन्न परीक्षाओं की सफल तैयारी करें

प्रतियोगिता निर्देशिका

ऑनलाइन, मासिक पत्रिका

आज ही खरीदें एवं प्रिंट करें

विख्यात शिक्षाविद् डॉ. जयंतीलाल भण्डारी के मार्गदर्शन में

मात्र ₹15

लॉग-इन करें : www.pratiyogitanirdeshika.com

111, गुमाश्ता नगर, इन्दौर ☎ 0731- 2482060, 2480090

R-45198/2021

Shri Gujarati Samaj, Indore

1, Nasia Road, Indore Phone : 0731-2706468

P.M.B. Gujarati Commerce College

(Affiliated to DAVV, Indore)
1, Nasia Road, Indore Ph.: 0731-2701203, 2701205
e-mail : pmbgujcom@yahoo.co.in

Faculty Requirements (Under College Code-28)

Associate Professors / Professors

- Commerce
- Computer
- Hindi
- Management
- English

Qualification : As per UGC / AICTE norms.

Salary : As per Shri Gujarati Samaj norms.

Application complete in all respect with full details alongwith all necessary documents, should reach the College Office within 10 days from the date of publication of this advertisement during 8 am to 12.30 pm. Incomplete application will not be considered.

Pankajbhai Sanghvi, Hon. Gen. Secretary
Govindbhai Patel, Chairman - E.B. (College)
Bhavneshbhai Patel, Chairman - Governing Body
Dr. Kamlesh Bhandari, Principal

VIGILANCE

R-45196/2021

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan, Arera Hills, Bhopal (M.P.) - 462011

SQC CONSULTANCY OF BRIDGES

(E-Procurement Notice)

No. 2473/22/D-12/SQC-Brg./2020-21 Bhopal, Dated : 08.02.2021

Online Bids are invited through e-procurement portal **http://mptenders.gov.in** from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Bridge works being constructed on Rural Roads for the following packages.

- **No. of Packages - 01**
- **No. of Bridges - 35**

Total Estimated Construction Cost (in Rs.) - Rs. 442760000/-

- **Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.**

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from **17:00 hrs. on 09.02.2021.**
2. Last date of Submission of bid is **date 26.02.2021 upto 17.30 hrs.**

Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Bridge works November, 2016 on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/99871/45191/2021 (T & e-G)

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, बालाघाट (म.प्र.)-481001
फोन : 07632-247289, ई-मेल : mpphcbalaghat01@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग बालाघाट में **'बाह्य विद्युतीकरण कार्य अंतर्गत 36वीं भारत रक्षित वाहिनी विसबल ग्राम कनकी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में 33 KV/11 KV, उच्च दाब लाइन एवं (1x3.15MVA) उपकेन्द्र का निर्माण कार्य'** हेतु निविदा क्रमांक 17/2020-21(ऑनलाइन निविदा क्रमांक **MPPHCL/TENDER No. 2020_MPPHC_128915_1)** आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.02.2021 तक** ऑनलाइन खरीद कर समय 18:00 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत (सबमिट) किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/99910/45194/2021 परियोजना यंत्री

Yash college of Education

Petlawad Road Badnawar, 454660
E-Mail :- yashcollege08@gmail.com
Cont.No. 07295-232361,9827222333, 9926976011
(Affiliated by DAVV Indore & Recognized by M.P. Govt.)

REQUIREMENTS

We are urgently required following with in 7 Days with updated CV and Testimonials.

Assistant Professor :-
Commerce-04
Political Science-01
Sociology-01
Computer Science-02

All the appointments shall be done after selection of college code - 28. Educational Qualification and Pay scale as per UGC/State Govt. norms.

SECRETARY
YASH SHIKSHAN SANSTHAN AVAM GRAMIN VIKAS SAMITI, BADNAWAR DIST- DHAR (M.P)

R-45195/2021

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.)-462004

No. 2569/IT/D-12/MPRRDA Dated : 10.02.2021

NOTICE INVITING TENDER FOR ANNUAL MAINTENANCE CONTRACT OF COMPUTERS

Madhya Pradesh Rural Road Development Authority is 83 Computers, 17 Laptops & 59 Printers (Laser/Inkjet) at Head office, Bhopal. Sealed tenders are invited from reputed firms having required expertise and manpower for comprehensive maintenance of Computers/Printers and its peripherals. The AMC would be **comprehensive, i.e., including replacement of parts** of Computers & printers except cartridge/Ribbon of the Printer. The firms fulfilling the criteria as given in the tender document, may submit their bids superscribed as **'TENDER FOR COMPREHENSIVE AMC OF COMPUTERS & PRINTERS** in M.P. Rural Road Development Authority and addressed to the Chief General Manager (Administration), MPRRDA, 5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Arera Hill, Bhopal upto 3 P.M on **24.02.2021**. The tender shall be opened on the same day at 3:30 P.M. in the presence of tenderers who may like to be present. Financial bid of technically qualified firms shall be opened on 02.03.2021 at 3:30 P.M. in the presence of bidders who may like to be present.

Tender document and other details can be seen/download from our website **www.mprrda.com.**

M.P.M./99887/45193/2021 CHIEF GENERAL MANAGER (ADMINISTRATION)

सम्पादकीय

जलाभिषेकम् राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम

जलाभिषेकम् स्थानीय ही नहीं राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम है। जल ही जीवन है और जगत के अस्तित्व का आधार भी है। किसानों की आय को दोगुना करना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जनभागीदारी से किये जा रहे जल संरक्षण कार्य इस लक्ष्य को प्राप्त करने तथा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सहायक हैं। जलाभिषेकम् के कार्य गांव, गली और किसान की बेहतरी में सहायक सिद्ध होंगे। मनरेगा दुनिया की सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है और कोविड काल में इसका महत्व और बढ़ा है। उपरोक्त बातें रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने जलाभिषेकम् अभियान के अंतर्गत प्रदेश में निर्मित 57 हजार से अधिक जल संरचनाओं के वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं। इस कार्यक्रम में भोपाल से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित थे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश नेतृत्व, प्रबंधन और कई योजनाओं में देश में प्रथम है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के गांव, गरीब और विकास के प्रति संवेदनशीलता के परिणामस्वरूप ही यह उपलब्धि संभव हो पायी है। प्रदेश में आवास उपलब्ध कराने, सड़क निर्माण के साथ-साथ कोरोना नियंत्रण में भी अच्छा कार्य हुआ। सभी जरूरतमंद श्रमिकों को रोज़गार देकर राहत दी गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में उपयोगी संरचनाओं का निर्माण संभव हो पाया। जलवायु परिवर्तन के कारण बदलते मौसम चक्र को देखते हुये बूंद-बूंद पानी को रोकना जरूरी है। जलाभिषेकम् अभियान में बनीं जल संरचनाएं इस कार्य में सहायक होंगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जलाभिषेकम् के अंतर्गत महात्मा गांधी नरेगा और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत की 57 हजार जल संरचनाओं का वर्चुअल लोकार्पण हुआ है। इन जल संरचनाओं से प्रदेश की 2.50 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी और वह भी बिना एक इंच जमीन डुबाए। इन छोटी-छोटी जल संरचनाओं ने ऐसा काम कर दिया जो बड़े डैम नहीं कर पाये। कोरोना के कठिन काल में मनरेगा योजना ताकत बन कर उभरी है। हमारे गांवों में लौटे प्रवासी श्रमिकों को इस माध्यम से रोज़गार उपलब्ध कराया गया, निर्माण कार्य हुये और बड़े क्षेत्र में जल सुविधा का विस्तार हुआ। इन सब गतिविधियों के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खजाना खोल कर राज्य को भरपूर सहयोग दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना काल में 57 हजार 653 जल संरचनाओं का निर्माण हुआ। इनमें से 53 हजार 517 मनरेगा में और 4136 वाटरशेड क्षेत्रों में बनीं। इन पर 2 हजार करोड़ से अधिक की राशि व्यय की गई। इन जल संरचनाओं में 17 हजार 604 व्यक्तिगत खेत तालाब हैं, 2 हजार 365 सामुदायिक खेत तालाब हैं, 5 हजार 119 तालाब, 1 हजार 972 परक्यूलेशन टैंक, 5 हजार 773 स्टॉप डैम, चेक डैम, 19 हजार 8 कपिलधारा कूप और 5 हजार 288 सामुदायिक कूप हैं। अभियान में 864 बावड़ियों का जीर्णोद्धार भी किया गया। इन जल संरचनाओं से लगभग ढाई लाख हेक्टेयर भूमि में कृषि सिंचाई सुविधा विकसित हुई है और भूमिगत जल स्तर बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति ही जल संस्कृति है। उन्होंने रहीम और तुलसीदासजी का संदर्भ देते हुये कहा कि बुंदेलखंड में महाराज छत्रसाल द्वारा व्यापक स्तर पर तालाबों का निर्माण कराया गया। बुंदेलखंड में निर्मित चंदेलकालीन ऐतिहासिक तालाबों को चिन्हित कर उनके जीर्णोद्धार का कार्य भी आरंभ किया जा रहा है। प्रदेश में नदियों के पुनर्जीवन का काम भी चल रहा है। मध्यप्रदेश में चलाया गया जलाभिषेकम् अभियान एक ऐसा अभियान है, जिससे प्रदेश में मौजूद जल संरचनाओं को नया जीवनदान मिला है। इस अभियान से विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में पानी मुहैया कराने का प्रयास सफल होता दिख रहा है। ऐसे अभियान आम आदमी के लिये वरदान सिद्ध होते हैं।

मशीन पढ़ेगी मन की बात

आदमी क्या सोच रहा है। उसके मन में क्या विचार चल रहा है। इसके बारे में जानकारी हासिल करना बेहद दुष्कर काम है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है, जिससे इसके बारे में जानकारी हासिल की जा सके। यह तकनीक है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। इस तकनीक में वायरलेस सिग्नल का उपयोग कर मन की बात पढ़ी जायेगी। क्वीन मेरी यूनिवर्सिटी में यांग हाओ के नेतृत्व में अध्ययन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन के जरिये हृदयगति में आने वाले बदलाव को समझा गया। इसके आधार पर यह तय किया गया कि आदमी किस समय कैसा महसूस कर रहा है। इस स्टडी में भाग लेने वाले लोगों को कई वीडियो दिखाये गये। इसमें विभिन्न भावनाओं को शामिल किया गया। इनमें गुस्सा, शोक और प्रसन्नता शामिल है। इस दौरान राडार और वाई-फाई की तरफ भेजी जाने वाली रेडियो तरंगों को प्रयोग में भाग ले रहे व्यक्तियों की तरफ भेजा गया। उनसे टकराकर वापस आने पर सिग्नल में आये बदलाव को जांचा गया। इसमें यह ज्ञात हुआ कि यह मशीन हृदय और सांस की गति के आधार पर 71 प्रतिशत तक सटीक तरीके से यह बताने में सफल है कि व्यक्ति क्या विचार कर रहा है।

- देवेश तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व सामाजिक न्याय दिवस **20 फरवरी**

सामाजिक न्याय की स्थापना के क्षेत्र में चुनौतियां

'जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता हासिल नहीं कर लेते, तब तक आपको कानून चाहे जो भी स्वतंत्रता देता है वह आपके लिए बेमानी है।' भारतीय समाज से छुआछूत को मुक्त करने के लिए अपना पूरा जीवन देने वाले भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का यह कथन आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि व्यक्ति कानून से मिले अपने अधिकारों का प्रयोग भी समाज में रहकर ही करता है। इसलिए समाज में स्वतंत्र होकर रहना हर व्यक्ति की जरूरत और अधिकार है।

सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया जाता है। यह दिवस विभिन्न सामाजिक मुद्दों, जैसे- बहिष्कार, बेरोज़गारी तथा ग़रीबी से निपटने के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों, जैसे संयुक्त राष्ट्र एवं अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा लोगों से सामाजिक न्याय करने की अपील की जाती है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सामाजिक न्याय देशों के बीच समृद्ध और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के लिए एक अंतर्निहित सिद्धांत है। सामाजिक न्याय का अर्थ है- लिंग, आयु, धर्म, अक्षमता तथा संस्कृति की भावना को भूलकर समान समाज की स्थापना करना।

कोरोना ने बढ़ाई आर्थिक असमानता की खाई

पूरे विश्व में एक त्रासदी के रूप में उभरी कोरोना महामारी ने संपूर्ण विश्व को हर स्तर पर क्षति पहुंचाई है। इसकी वजह से आर्थिक असमानता में भी बहुत ज्यादा इजाफा हुआ है। कोविड की वजह से देश के अरबपतियों और करोड़ों बेरोज़गार, अकुशल रोज़गार वालों, गरीब पुरुषों और महिलाओं के बीच के आय की असमानता की खाई को और गहरा कर दिया है। नॉन-प्रॉफिट ग्रुप ऑक्सफैम ने हाल ही में पेश की अपनी एक रिपोर्ट में इससे जुड़े आंकड़े पेश किए हैं। द इनइक्वेलिटी वायरस नामक इस रिपोर्ट में बताया गया है कि कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान भारत के अरबपतियों की संपत्ति 35 फीसदी ज्यादा बढ़ गई है, जबकि देश के 84 फीसदी घरों को आर्थिक समस्याओं से गुजरना पड़ा। वहीं, अकेले अप्रैल, 2020 में हर घंटे 1.7 लाख लोगों की नौकरी जा रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना वायरस महामारी पिछले सौ वर्षों का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट है और इसके चलते 1930 की महामंदी के बाद सबसे बड़ा आर्थिक संकट पैदा हुआ। इसने समाज में आर्थिक विषमताओं को बढ़ा दिया है। आर्थिक असमानता की वजह से हर व्यक्ति के पास समान अवसर नहीं होते हैं कि वह अपना या अपने परिजनों का बेहतर इलाज करा सके। एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की हर साल सामने आती है, जो आर्थिक अभाव की वजह से इलाज के अभाव में अपना दम तोड़ देते हैं।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस की शुरुआत

मजदूरों के लिए काम करने वाले संगठन अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने 10 जून 2008 को निष्पक्ष न्याय के लिए सामाजिक न्याय पर ILO की घोषणा को स्वीकार किया। यह अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन द्वारा अपनाए गए प्रमुख सिद्धांतों और नीतियों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने माना कि शांति और सुरक्षा प्राप्त करने और उसे बनाए रखने के लिए, सामाजिक विकास और सामाजिक न्याय महत्वपूर्ण हैं।

मार्च 1995 में, कोपेनहेगन, डेनमार्क में सामाजिक विकास के लिए विश्व शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। कई सरकारों ने लोगों को विकास के केंद्र में

रखने की आवश्यकता पर एक नई सहमति बनाई। 10 वर्ष बाद 2005 में न्यूयॉर्क में हुई सभा में विश्व के नेताओं ने सामाजिक एकीकरण के लिए पूर्ण रोज़गार और समर्थन प्राप्त करने के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। 26 नवंबर 2007 को, यूएनजीए ने हर साल 20 फरवरी को सामाजिक न्याय के विश्व दिवस को मनाने की घोषणा की गई। विश्व सामाजिक न्याय दिवस पहली बार 2009 में मनाया गया था।

सामाजिक न्याय का अर्थ यह है कि मनुष्य-मनुष्य के बीच में सामाजिक स्थिति के आधार पर किसी प्रकार का भेद न माना जाए और प्रत्येक व्यक्ति को आत्म-विकास के पूर्ण अवसर प्राप्त हों। सामाजिक न्याय की धारणा में यह बात निहित है कि अच्छे जीवन के लिए व्यक्ति को आवश्यक परिस्थितियां मिलनी चाहिए और इस सन्दर्भ में समाज की राजनीतिक सत्ता से यह आशा की जाती है कि वह अपने विधायी तथा प्रशासनिक कार्यक्रमों द्वारा एक ऐसे समाज की स्थापना करेगा जो समानता पर आधारित हो।

2021 की थीम

2021 की विश्व सामाजिक न्याय दिवस की थीम - "A Call For Social Justice In the Digital Economy" है। डिजिटल इकोनॉमी के आने से भुगतान में पारदर्शिता, काम में आसानी और हर एक को समान अवसर मिले हैं। कोरोना के दौर में जो व्यक्ति जहां था, वह वहीं रहकर इसका पूरा उपयोग कर सका। ऐसे में अब जिम्मेदार बनती है कि हर व्यक्ति डिजिटल इकोनॉमी का पूरा और सही ढंग से उपयोग कर सके, क्योंकि अभी भी एक बड़ी आबादी उन लोगों की है, जो इसका पूरा उपयोग करने में असमर्थ हैं। इस असमानता को दूर करके इसमें सामाजिक न्याय को लाने की जिम्मेदारी शासन और संपूर्ण समाज की है।

सामाजिक न्याय की स्थिति

सामाजिक न्याय के संबंध में जब हमारे देश की बात होती है तो हम पाते हैं कि हमारे संविधान की प्रस्तावना और अनेकों प्रावधानों के द्वारा इसे सुनिश्चित करने की बात कही गई है। जाति प्रथा और इस पर आधारित भेदभाव को रोकने में सामाजिक न्याय एक अहम कारक सिद्ध होता है। भारत में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास आयोग जैसी कई सरकारी तंत्र एवं लाखों स्वयं सेवी संगठन हमेशा इस बात की कोशिश करते हैं कि समाज में भेदभाव से कोई आम इंसान पीड़ित न हो। हमारे देश में आज भी एक बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है जो अपनी कई मूल जरूरतों के लिए न्याय प्रकिया को नहीं जानते, जिसके अभाव में कई बार उनके मानवाधिकारों का हनन होता है और उन्हें अपने अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है। ऐसे में उन्हें जब अपने अधिकार ही नहीं पता हैं, तो उनका शोषण होना स्वाभाविक है। अशिक्षा, गरीबी, बेरोज़गारी, महंगाई और आर्थिक असमानता की खाई बहुत गहरी है। इन भेदभाव और असमानता को देखते हुए भारत में सामाजिक न्याय एक बेहद ही महत्वपूर्ण विचारणीय विषय है।

हाथ में खिलौनों और किताबों की जगह काम

8 साल का साहिल एक मुक्त कराया गया बाल मजदूर है जो एक चूड़ी पॉलिस करने वाले कारखाने में लाया गया था। नुकसानदेह रसायनों पर दिन में तेरह घंटे काम करने के बावजूद बहुत कम खाना खाकर गुजारा करने को मजबूर साहिल को हर तरह की हिंसा और प्रताड़ना सहनी पड़ती थी। उस उम्र में जब साहिल को स्कूल जाना चाहिए था तब साहिल बद से बदतर स्थितियों में जीवन यापन करने को मजबूर था। क्राई (चाइल्ड राइट एंड यू) द्वारा किए गए जनगणना के विश्लेषण से ये बात सामने आई है कि साहिल की तरह ही देश में कई ऐसे मजदूर हैं जो या तो निरक्षर हैं या जिनकी पढ़ाई-लिखाई मजदूरी करने की वजह से प्रभावित हो रही है। ऐसे में समाज में समानता लाने के लिए हर बच्चे के हाथ में किताबें और खिलौने होने चाहिए न कि छोटी उम्र में परिवार को संभालने का बीड़ा।

पितृसत्ता की समाप्ति में ही स्त्री और समाज का विकास

एक अमेरिकन लेखिका ने कहा था कि, समाज की वास्तविक शिल्पकार महिलाएं ही होती हैं। यह सच भी है लेकिन देश-दुनिया में अभी भी महिलाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर नहीं मिलते हैं। इसके पीछे यदि कोई सबसे ज्यादा जिम्मेदार है तो वह पितृसत्ता और पितृसत्तात्मक सोच। पितृसत्तात्मक व्यवस्था की यह खासियत रही है कि यह समाज के हर सदस्य को एक बराबर न मानकर ऊंचा या नीचा मानता है। इसमें जाति, लिंग, वर्ण, वर्ग और धर्म जैसे भेद से ऊपर 'एक व्यक्ति, एक मत' के सिद्धांत को अपनाकर मानवीय गरिमा को सबसे ऊपर माना गया है। पितृसत्ता में महिलाएं दोयम दर्जे की नागरिक होती हैं, जहां एक तरफ उन्हें घर के ज्यादा से ज्यादा काम का जिम्मा लेना होता है। वहीं दूसरी ओर, घरेलू व्यवस्था में उनका प्रभाव और सम्मान उतना ही कम होता है। साथ ही उन्हें आर्थिक शोषण के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से अधीनता, दमन और उत्पीड़न का भी शिकार होना पड़ता है। उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर भी नहीं मिलते हैं। उनकी शिक्षा, उनके विकास पर खास ध्यान नहीं दिया जाता है, पुत्र और पुत्री के बीच में भेदभाव होता है। इस तरह आधी आबादी और पूरे समाज के विकास के लिए स्त्रियों का विकास जरूरी है, जो पितृसत्तात्मक सोच को खत्म करके ही संभव है। यह महिलाओं के साथ सामाजिक न्याय के लिए आवश्यक है।

वैश्विक शांति में छिपा सामाजिक न्याय का संदेश

आतंकवाद की वजह से पूरी दुनिया में करोड़ों लोग शरणार्थियों का जीवन बिता रहे हैं। ऐसे में उन्हें अपने आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक अधिकारों से वंचित होना पड़ता है। इसलिए वैश्विक शांति और समरसता हो तभी सामाजिक न्याय की अवधारणा को धरातल पर उतारा जा सकता है। सभी को सामाजिक न्याय सहजता से मिल सके, मानवाधिकारों का संरक्षण हो, भावी पीढ़ी को सम्पूर्ण मानव जाति की सेवा के लिए तैयार किया जा सके, यही कारण है समभाव, विश्व मानवता की सेवा, विश्व बन्धुत्व व विश्व एकता के सद्प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। इसके लिए कानून को न्यायालय की चार दीवारी से बाहर आना होगा। जो व्यक्ति अशिक्षा, आर्थिक अभाव या किसी भी अन्य कारणों से न्यायालय तक नहीं पहुंच पाता है, उसे भी न्याय मिले इस बात को सभी को मिलकर सुनिश्चित करना है।

सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

(फोटो गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी एरिया - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 17/07/2017, दिनांक 08.02.2021

सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2017

सहायक प्राध्यापक के पदों का दिव्यांगजन आरक्षण के संदर्भ में पुनरीक्षित विवरण

01 आयोग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन हेतु विभिन्न विषयों के सहायक प्राध्यापकों के पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन क्रमांक 07/2017, दिनांक 12.12.2017 आयोग की वेवसाइट तथा 'रोज़गार और निर्माण' समाचार पत्र के दिनांक 18.12.2017 के अंक में प्रकाशित किया गया है।

02 उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के पत्र क्रमांक एफ-1-45/2019/38/1, दिनांक 05.02.2021 द्वारा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिव्यांगजन आरक्षण के संदर्भ में प्रस्तुत याचिका क्रमांक 19393/2019 में पारित निर्णय दिनांक 29.04.2020 के अनुपालन में सहायक प्राध्यापक संवर्ग में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित कोटे के अंतर्गत विज्ञापित पदों को cadre strength में उपलब्ध रिक्तियों तथा पूर्व विज्ञापन के carry forward पदों को शामिल करते हुए पुनरीक्षित किया गया है। तदनुसार सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2017 की रिक्ति विवरण को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:-

क्रमांक	विषय	रिक्त पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश के मूल निवासी निःशक्त अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या			
		UR	SC	ST	OBC	कुल	UR	SC	ST	OBC	कुल	अ.बा.	दृ.बा.	श्र.बा.	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
1	जीव रसायन	2	0	1	0	3	1	0	0	0	1	0	0	0	0
2	वनस्पति शास्त्र	82	22	59	51	214	27	7	19	17	70	5	5	5	15
3	रसायन शास्त्र	111	43	94	77	325	37	14	31	25	107	10	8	10	28
4	रसायन ऑर्गेनिक	3	1	1	1	6	1	0	0	0	1	0	0	0	0
5	रसायन भौतिक	1	0	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	वाणिज्य	90	60	88	46	284	30	20	29	15	94	7	6	7	20
7	अपराध शास्त्र	2	0	0	0	2	1	0	0	0	1	0	0	0	0
8	नृत्य	1	1	2	1	5	0	0	1	0	1	0	0	0	0
9	चित्रकला	1	0	4	4	9	0	0	1	1	2	0	0	0	0
10	अर्थशास्त्र	64	45	89	56	254	21	15	29	18	83	6	5	5	16
11	अंग्रेज़ी	72	52	96	73	293	24	17	32	24	97	9	8	8	25
12	भूगोल	36	13	18	17	84	12	4	6	6	28	2	2	2	6
13	भूगर्भशास्त्र	0	5	6	5	16	0	2	2	2	6	1	0	0	1
14	हिंदी	58	53	65	66	242	19	17	21	22	79	5	5	5	15
15	इतिहास	80	19	31	45	175	26	6	10	15	57	4	4	4	12
16	इतिहास (प्राचीन)	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
17	गृह विज्ञान	0	24	31	20	75	0	8	10	7	25	2	2	2	6
18	ज्योतिष	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
19	विधि	80	22	37	19	158	26	7	12	6	51	3	3	3	9
20	मराठी	4	1	2	1	8	1	0	1	0	2	0	0	0	0
21	गणित	74	31	68	32	205	24	10	22	11	67	5	4	4	13
22	सैन्य विज्ञान	0	2	3	3	8	0	1	1	1	3	0	0	0	0
23	संगीत	0	0	3	5	8	0	0	1	2	3	0	0	0	0
24	संगीत (वोकल)	0	2	2	2	6	0	1	1	1	3	0	0	0	0
25	दर्शनशास्त्र	1	3	6	4	14	0	1	2	1	4	1	0	0	1
26	भौतिक शास्त्र	122	37	76	57	292	40	12	25	19	96	9	8	9	26
27	राजनीति शास्त्र	64	51	72	62	249	21	17	24	20	82	5	5	5	15
28	मनोविज्ञान	3	5	8	7	23	1	2	3	2	8	1	0	0	1
29	लोक प्रशासन	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
30	संस्कृत	14	0	0	12	26	5	0	0	4	9	0	1	1	2
31	संस्कृत ज्योतिष	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
32	संस्कृत प्राच्य	1	1	1	1	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0
33	संस्कृत साहित्य	0	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0
34	संस्कृत व्याकरण	2	0	1	0	3	1	0	0	0	1	0	0	0	0
35	समाजशास्त्र	43	48	67	44	202	14	16	22	15	67	4	4	4	12
36	सांख्यिकी	0	1	3	2	6	0	0	1	1	2	0	0	0	0
37	उर्दू	9	7	9	3	28	3	2	3	1	9	0	1	1	2
38	वेद	1	0	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0
39	प्राणी शास्त्र	83	29	54	59	225	27	10	18	19	74	6	6	6	18
	योग	**1107**	**579**	**1001**	**775**	**3462**	**362**	**189**	**327**	**255**	**1133**	**85**	**77**	**81**	**243**

03 दिव्यांगजनों के लिए जिस विषय/श्रेणी में कुल मांग शून्य थी, उसमें आवेदन आमंत्रित नहीं होने से अभी भी मांग शून्य ही रखी गयी है तथा इस प्रकार के आरक्षित पदों को शासन द्वारा आगामी मांग/विज्ञापन में समायोजित किया जाएगा।

04 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

आर-45190/2021 **सचिव**

जब तक कोरोना की दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी एरिया - इंदौर

सामाजिक न्याय तथा निःशक्तजन कल्याण विभाग-मध्यप्रदेश शासन हेतु सहायक संचालक संवर्ग के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

विज्ञापन क्रमांक	ऑनलाइन आवेदन करने की	आयोग कार्यालय में अभिलेखों सहित आवेदन-पत्र जमा
02/2021/08.02.2021	अंतिम तिथि 14.03.2021	करने की अंतिम तिथि 26.03.2021

महत्वपूर्ण

1. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सामाजिक न्याय तथा निःशक्तजन कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन के हेतु सहायक संचालक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक अर्हता निम्नानुसार है:-
   अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता
   किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एम.एस.डब्ल्यू. (सामाजिक कार्य में मास्टर) अथवा मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि।
   अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
2. आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जायेंगे आवेदन पत्र दिनांक 15.02.2021 (दोपहर 12:00 बजे) से दिनांक 14.03.2021 (रात्रि 12:00 बजे) तक **www.mponline.gov.in**, **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर भरे जा सकते हैं।
3. आवेदक ऑनलाइन आवेदन करने तथा आवेदन शुल्क का भुगतान करने के पश्चात ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंट आउट प्राप्त करें तथा आवेदन पत्र में उल्लेखित भुगतान विवरण से यह सुनिश्चित कर लें कि शुल्क भुगतान हो चुका है। उक्त ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ अपनी अर्हता से संबन्धित सभी अभिलेखों तथा अनुप्रमाणन पत्रक, व्यक्तिगत विवरण पत्रक एवं उपस्थिति पत्रक (आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर उपलब्ध) की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न कर आयोग कार्यालय में दिनांक 26.03.2021 तक जमा करायें। **आवेदन पत्र भरने के संदर्भ में विस्तृत जानकारी हेतु परिशिष्ट-2 का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें एवं तदानुसार पर्याप्त समय पूर्व आवेदन पत्र भरें।**
4. आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। ऑनलाइन आवेदन पत्रों में दिनांक 20.02.2021 से दिनांक 16.03.2021 तक त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। इस हेतु प्रति सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटिसुधार शुल्क देय होगा। आवेदक त्रुटि सुधार हेतु एमपी ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा तथा श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक समस्त आवेदन सरसरी तौर पर अमान्य किए जाएंगे तथा आयोग द्वारा इस सन्दर्भ में आवेदक से कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जायेगा।
5. विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनायें, ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** में प्रकाशित किया जाएगा साथ ही आवश्यक होने पर अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिये गए e-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर e-mail तथा SMS Alert भी प्रेषित किए जाएंगे। अतः आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करें।
6. **आयोग की परीक्षा और चयन प्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। किसी एक व्यक्ति द्वारा इस प्रणाली को विफल कर किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की संभावना नहीं है। अतः किसी व्यक्ति द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से लाभ पहुंचाने का दावा किया जाता है तो ऐसा व्यवहारिक रूप से असंभव है। अतः ऐसे व्यक्ति के बहकावे में न आयें और उस व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सूचना अविलंब आयोग को दें, ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले का नाम, पता गोपनीय रखा जाएगा।**
7. उक्त विज्ञापन का अंतिम चयन परिणाम याचिका क्रमांक 25181/2019 के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्याधीन रहेगा।

एक- भारत के नागरिकों तथा भारत के संविधान के तहत मान्य अन्य श्रेणियों के आवेदकों से सामाजिक न्याय तथा निःशक्तजन कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, के निम्नलिखित पद हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :-

क्र.	पद का नाम	रिक्त पदों की संख्या						रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी दिव्यांगजन अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या/ दिव्यांगता का प्रकार
		UR	SC	ST	OBC	EWS	कुल	UR	SC	ST	OBC	EWS	
1.	सहायक संचालक संवर्ग	6	3	3	5	2	19	2	1	1	2	1	01 बहरे और कम सुनने वाले

दो पद का विवरण

01 पद का नाम : सहायक संचालक संवर्ग
विभाग का नाम : सामाजिक न्याय तथा निःशक्तजन कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन
श्रेणी : राजपत्रित द्वितीय श्रेणी
पद स्थिति : अस्थायी
वेतनमान : रुपये 15600-39100+5400 ग्रेड पे (छठे वेतन आयोग अनुसार। सातवें वेतनमान में तत्स्थानी वेतनमान प्राप्त होंगे।
पद के मुख्य कर्तव्य : विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का सुचारु रूप से क्रियान्वयन, शासन/विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सौंपे गए कार्यों को उनके द्वारा निर्धारित समय सीमा में संपादित करना।

तीन शैक्षणिक अर्हता : **अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता**
किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एम.एस.डब्ल्यू. (सामाजिक कार्य में मास्टर) अथवा मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि।
अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।

विशेष :

(1) उक्त अर्हतायें विज्ञापन में उल्लेखित ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 14.03.2021 तक अर्जित होनी चाहिए। उक्त तिथि के बाद में अर्हता धारित करने वाले आवेदक पद हेतु अनर्ह माने जायेंगे।

(2) यदि अभ्यर्थी की अर्हकारी परीक्षा की अंकसूची में पूर्णांक तथा प्राप्तांक का उल्लेख न होते हुये ग्रेड/पाइंट स्केल का उल्लेख है तो उन्हें अपने ग्रेड/पाइंट स्केल के समतुल्य प्रतिशत के निर्धारण विषयक सूत्र/ सिद्धांत के आधार पर प्रतिशत की गणना करते हुये शपथ-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। शपथ-पत्र के साथ प्रतिशत निर्धारण हेतु अपनाए गए सूत्र/सिद्धांत के अनुसमर्थन हेतु सम्बन्धित विश्वविद्यालय के सुसंगत अभिलेख संलग्न करना भी अनिवार्य है।

टीप-

(1) शासन द्वारा पदों की संख्या का पुनरीक्षण करने पर इस पद संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। पदों की संख्या में वृद्धि केवल साक्षात्कार द्वारा चयन की स्थिति में साक्षात्कार कार्यक्रम के प्रकाशन तिथि तक तथा ऑनलाइन परीक्षा की स्थिति में ऑनलाइन परीक्षा के परिणाम की तिथि तक की जा सकेगी। बढ़े हुये पदों हेतु अतिरिक्त आवेदन पत्र प्राप्त नहीं किए जाएंगे। पदों की संख्या में कमी चयन के किसी भी स्तर पर की जा सकेगी।

(2) चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति दो वर्ष की परिवीक्षा पर की जायेगी।

(3) किसी भी प्रवर्ग में मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिलाओं के लिये आरक्षित पद उपयुक्त महिला अभ्यर्थी के अभाव में उसी प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों के चयन द्वारा भरे जा सकेंगे।

(4) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आरक्षित पद केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आरक्षित हैं। छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों के मूल निवासी ऐसे अभ्यर्थी जो अपने मूल निवास के राज्य में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के रूप में मान्य है, आरक्षण हेतु पात्र नहीं है। उन्हें अनारक्षित पदों हेतु विचारित किया जायेगा। अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) के अभ्यर्थियों को यह घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा की वे क्रीमीलेयर में नहीं आते।

(5) मध्यप्रदेश के बाहर के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी (गैर क्रीमीलेयर) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थी अपना वर्ग अनारक्षित लिखें।

(6) मध्यप्रदेश के मूल निवासी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के अभ्यर्थियों को आवेदन तथा परीक्षा शुल्क में विहित छूट तथा यात्रा व्यय प्रतिपूर्ति का लाभ देय होगा।

चार मध्यप्रदेश सिविल सेवायें (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के अंतर्गत अनर्हता :-

अ. कोई भी उम्मीदवार जिसे महिलाओं के विरुद्ध किसी अपराध का सिद्ध-दोष ठहराया गया हो, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा। परंतु जहां किसी भी उम्मीदवार के विरुद्ध न्यायालय में ऐसे मामले लंबित हों तो उनकी नियुक्ति का मामला आपराधिक मामले का अंतिम विनिश्चय होने तक लंबित रखा जायेगा।

ब. कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा। परंतु कोई भी उम्मीदवार जिसकी पहले से एक जीवित संतान है तथा आगामी प्रसव 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, जिसमें दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये निरर्हित नहीं होगा।

पांच महत्वपूर्ण :- यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि, वे अपने आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन करने के पहले अभ्यर्थी अपनी अर्हता की जांच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन पत्र भरें। लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी करने अथवा साक्षात्कार के लिये आमंत्रित करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि अभ्यर्थी को अर्ह मान लिया गया है। चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाये जाने पर उसका आवेदन पत्र निरस्त कर उसकी अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।

छः आयु सीमा :- 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो किन्तु 40 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो।

सात आयु संगणना तिथि- 01.01.2022
आयु सीमा में दी गयी अन्य छूटों के लिए **परिशिष्ट-1** देखें।

आठ अधिवार्षिकी आयु :- 62 वर्ष

नौ चयन प्रक्रिया :-

चयन साक्षात्कार के आधार पर होगा। अर्हकारी परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर प्रत्येक श्रेणियों/उप श्रेणियों हेतु विज्ञापित पदों के 5 गुना अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा बशर्ते कि पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध हों।

साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर अंतिम चयन सूची घोषित की जाएगी। साक्षात्कार हेतु पूर्णांक 100 होगा। अनारक्षित श्रेणी/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु 41 प्रतिशत तथा मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी हेतु 31 प्रतिशत न्यूनतम उत्तीर्णांक होंगे।

टीप :-

(1) आवश्यक होने पर लिखित परीक्षा ऑनलाइन पद्धति से आयोजित की जाएगी। लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न श्रेणियों/उप श्रेणियों हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना तथा समान अंक अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। अंतिम चयन लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर किया जाएगा। लिखित परीक्षा की स्थिति में साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक नहीं होंगे।

(2) लिखित परीक्षा की स्थिति में परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम यथासमय "**रोज़गार और निर्माण**" समाचार पत्र तथा आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर प्रकाशित किया जाएगा। लिखित परीक्षा की स्थिति में आवेदकों को परीक्षा शुल्क का पृथक से भुगतान करना होगा।

चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि ध्यान में आती है तो आयोग का चयन परिणाम को सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।

दस आवेदन प्रक्रिया :- उक्त पद हेतु आवेदन पत्र इन्टरनेट के माध्यम से ऑनलाइन जमा किये जा सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी हेतु **परिशिष्ट-2** का अवलोकन करें।

ग्यारह विज्ञापन के संदर्भ में आवश्यक सूचनायें, प्रारंभिक परीक्षा तथा मुख्य परीक्षा के परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in**, **www.mppscdemo.in** तथा **www.mppsc.com** एवं रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र में प्रकाशित किये जाएंगे। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिये गए E-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर E-mail तथा SMS द्वारा आवश्यक होने पर सूचना दी जा सकेगी। आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेबसाइट का निरंतर अवलोकन करते रहें।

बारह आवेदक विस्तृत जानकारी हेतु निम्न **परिशिष्ट** देखे :-
(1) आयु सीमा की छूटें **परिशिष्ट-1**
(2) आवेदन पत्र भरने के तथा अन्य निर्देश एवं जानकारियां **परिशिष्ट-2**

सचिव

परिशिष्ट-1

(एक) मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में अनुज्ञेय छूट

(1) मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी.3-8/2016/1/3, दिनांक 24 जुलाई 2019 अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित)/दिव्यांगजन आदि के लिए अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी तथा **उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष रहेगी।**

(2) ऐसा अभ्यर्थी जो भूतपूर्व सैनिक हो, उसे अपनी आयु में से उसके द्वारा पहले की गयी सम्पूर्ण प्रतिरक्षा सेवा की अवधि कम करने के लिए अनुज्ञात किया जावेगा, किन्तु उसके परिणामस्वरूप जो आयु निकले वह अधिकतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

स्पष्टीकरण :-

भूतपूर्व सैनिक से अभिप्रेत है 'मध्यप्रदेश के भूतपूर्व सैनिक (राज्य की सिविल सेवाओं तथा पदों, तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी में रिक्तियों का आरक्षण) नियम 1985' के नियम 2 (ग) में यथा परिभाषित भूतपूर्व सैनिक।

(दो) प्रोत्साहन स्वरूप दी गयी छूटें

(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत दंपतियों के सवर्ण सहभागी को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक सी-3/10/85/3/1, दिनांक 29.06.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जायेगी।

(2) विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3/18/85/3/1 दिनांक 03.09.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जायेगी।

टीपः- (1) परिशिष्ट -1 (दो) के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप अधिकतम आयु सीमा में विभिन्न कार्यों/योजनाओं के अंतर्गत दी गयी छूटों में से यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूट का आधार रखता है तो उसे आयु सीमा में अधिकतम लाभ वाले किसी एक आधार (प्रोत्साहन वाले) के लिए देय छूट मिलेगी।

नोट :-(01) उपरोक्त परिशिष्ट-1 (एक) (1 से 2) (दो) (1 एवं 2) में उल्लेखित आयु सीमा की छूट की पात्रता सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही देय होगी।
(02) आवेदकों को उपरोक्त सभी छूटें देय होंगी किन्तु समस्त छूटों को शामिल करते हुये भी किसी भी स्थिति में किसी भी प्रवर्ग हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात जिन आवेदकों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

परिशिष्ट-2

ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में निर्देश एवं अन्य जानकारी

1- ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार हैं :-

1. उपरोक्त पदों हेतु आवेदन पत्र निम्न वेबसाइटों पर भरे जा सकेंगे
   1. www.mponline.gov.in
   2. www.mppsc.com
   3. www.mppsc.nic.in
2. आवेदक mponline के स्थापित अधिकृत कियोस्कों के माध्यम से ऑनलाइन फार्म भरकर कियोस्क पर ही आवेदन/परीक्षा शुल्क का नगद भुगतान कर रसीद आवश्यक रूप से प्राप्त करें तथा आवेदन पत्र की भलीभांति जांचकर सुनिश्चित कर लें की भुगतान हो चुका है। mponline के अधिकृत कियोस्कों की सूची **www.mponline.gov.in, www.mppsc.com** तथा **www.mppsc.nic.in** पर पता एवं फोन नंबर सहित उपलब्ध है।
3. आवेदक अपने घर पर या इंटरनेट कैफे के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म भरकर आवेदन/परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नेट बैंकिंग सुविधा धारक आवेदक नेट बैंकिंग द्वारा भी शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।
4. आवेदक फार्म भरने के पूर्व अपने नवीनतम फोटोग्राफ की पासपोर्ट साइज की तथा हस्ताक्षर की स्केन फाइलें तैयार रखें, जिन्हें उन्हें ऑनलाइन फार्म भरते समय अपलोड करना होगा। mponline के अधिकृत कियोस्क पर स्केनिंग की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है जिसका उपयोग किया जा सकता है।

   फोटो स्केनिंग के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश :-

   1. स्केनिंग हेतु पासपोर्ट साइज की नवीनतम रंगीन फोटो का प्रयोग करें।
   2. फोटो खिंचवाते समय रिलेक्स स्थिति में सीधे कैमरे में देखें।
   3. यदि आप चश्में का प्रयोग करते हैं तो यह सुनिश्चित करें कि कोई रिफ़्लेक्सन न हो तथा आपकी आंखें स्पष्टतः दिख रही हों।
   4. टोपी हैट तथा डार्क चश्में स्वीकार्य नहीं हैं। सर पर पहने जाने वाले धार्मिक परिधान स्वीकार्य हैं किन्तु उनसे आपका चेहरा नहीं ढंकना चाहिए।
   5. यह सुनिश्चित करें कि फोटो का बैकग्राउंड हल्के रंग या आदर्श रूप में सफेद हो।
   6. किसी और से अपनी फोटो खिंचवाएं। कृपया सेल्फी का प्रयोग न करें।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय ध्यान रखना चाहिये कि, वह उक्त वेबसाइट पर दिये गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रत्येक जानकारी अच्छी तरह समझकर सावधानीपूर्वक सही रूप में जिस प्रकार चाहा गया है उसी प्रकार जानकारी भरें। आवेदन पत्र भरने के संदर्भ में अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध अनुदेशों तथा निर्देशों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर तदनुसार ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरें।
6. आयोग द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया में यह माना जाएगा कि, आवेदक द्वारा जो जानकारी ऑनलाइन फार्म में अंकित की जा रही है वही प्रमाणिक जानकारी है अतः ऑनलाइन आवेदन पत्र submit करने के पूर्व आवेदक अपना आवेदन पत्र सावधानीपूर्वक भलीभांति पढ़ एवं समझकर तथा भरी गयी जानकारी से स्वयं को संतुष्ट करने के पश्चात ही आवेदन submit करें।
7. आवेदन पत्र submit करने के बाद खुलने वाले popup window में आवेदक को उसके द्वारा आवेदन पत्र में उल्लिखित आधारभूत सूचनाएं अर्थात उसका नाम, माता पिता का नाम, जन्म तिथि, श्रेणी लिंग आदि की जानकारी दी जाएगी, जिसमें त्रुटि परिलक्षित होने पर अभ्यर्थी Cancel बटन दबाकर पुनः फार्म में वापस जाकर अपेक्षित सुधार कर सकेंगे। Popup window में OK बटन दबाकर फार्म सब्मिट करने पर आवेदन पत्र के सफलतापूर्वक जमा होने की सूचना मिलेगी जिसमें उसके आवेदन पत्र क्रमांक का उल्लेख होगा किन्तु यह Unpaid होगा।
   अभ्यर्थी कृपया ध्यान रखें कि आवेदन पत्र submit होने के बाद proceed for payment बटन दबाकर भुगतान की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात अभ्यर्थी को उसका आवेदन पत्र प्राप्त होगा, जिसमें भुगतान का विवरण भी होगा जिसमें भुगतान राशि तथा Payment Done स्पष्टतः उल्लेखित होगा। आवेदक उक्त सूचना को प्रिंट करके अपने पास रखें तथा भविष्य में आयोग से किए जाने वाले पत्र व्यवहार में आवेदन पत्र क्रमांक का उल्लेख करें।

8. **त्रुटि सुधार सुविधा :-** अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र सावधानीपूर्वक भरें। आवेदन पत्र में कोई त्रुटि होने पर दिनांक 20.02.2021 से 16.03.2021 तक प्रति त्रुटि सुधार सत्र रुपये 50/- त्रुटि सुधार शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन पत्र में अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन ही त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। नियत अवधि में त्रुटि सुधार नहीं करने पर कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुये नस्तीवद्ध किया जायेगा। **मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमी लेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु शुल्क रु. 250 तथा अन्य श्रेणियों हेतु रु. 500 निर्धारित है अतः छूट वाली श्रेणियों के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा गैर छूट श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि रुपये 250 त्रुटि सुधार शुल्क के अतिरिक्त देय होगा, किन्तु गैर छूट श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा छूट श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जाएगी।**
ऑनलाइन आवेदन पत्रों में भरी गयी श्रेणी/वर्ग (अनारक्षित/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग)/लिंग (महिला/पुरुष)/शासकीय सेवक/दिव्यांगजन आदि के आधार पर ही परिणाम घोषित किया जाता है। अतः त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुये नस्तीवद्ध किया जायेगा।

9. **आवेदन पत्र प्रेषण के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश :-**
   (1) आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** के Download Formate लिंक से अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण पत्रक, एवं उपस्थिति पत्रक डाउनलोड करके उनकी पूर्ति करें। पूर्ति पश्चात उक्त प्रपत्रों की क्रमशः तीन, छः तथा एक छाया प्रति करायें।
   (2) ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने तथा शुल्क भुगतान के पश्चात प्राप्त ऑनलाइन आवेदन में उल्लेखित भुगतान विवरण की जांच कर यह सुनिश्चित कर लें कि शुल्क का भुगतान हो चुका है। यह भी जांच कर लें कि समस्त प्रविष्टियां सही हैं (त्रुटि होने पर विहित अवधि मे त्रुटि सुधार कर लें (देखें बिन्दु-8)। ऑनलाइन आवेदन पत्र में विहित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें। उक्त हस्ताक्षरित ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ अपने सभी अभिलेखों की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें तथा साथ ही अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण पत्रक, एवं उपस्थिति पत्रक की एक एक प्रति संलग्न करें। (प्रपत्रों की शेष प्रतियां अपने पास सुरक्षित रखें क्योंकि उन्हें आपको साक्षात्कार के समय अपने मूल अभिलेखों के साथ प्रस्तुत करना होगा)
   (3) एक बड़े लिफाफे पर निम्न विवरण अंकित कर उक्त सेट (आवेदन पत्र तथा समस्त अभिलेख) इस बड़े लिफाफे में रखकर पंजीवद्ध डाक या स्पीड पोस्ट से आयोग को प्रेषित करें।

विज्ञापन क्रमांक 02/2021 दिनांक 08.02.2021
सहायक संचालक संवर्ग, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग
के पद हेतु आवेदन पत्र
प्रति,
सचिव

प्रेषक :	**मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,**
आवेदक का नाम	**रेसीडेंसी एरिया**
तथा पता	**इंदौर (मध्यप्रदेश) पिन-452001**

(लिफाफे पर विज्ञापन क्रमांक, पद/विभाग का नाम अंकित न होने पर उस पर विचार नहीं किया जाएगा)

   (4) ध्यान रखें अभिलेखों सहित उक्त आवेदन पत्र **दिनांक 26.03.2021 को सायंकाल 5:30 बजे तक** आयोग कार्यालय में पहुंचने पर ही समयावधि में प्राप्त माना जायेगा। आवेदन पत्र उक्त दिनांक तथा समय तक समस्त कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय (प्रातः 10:30 बजे से सायंकाल 5:30 बजे तक) आयोग कार्यालय में भी प्राप्त किए जाएंगे तथा प्राप्ति की रसीद दी जायेगी। आवेदक आयोग को प्रेषित आवेदन पत्र तथा अभिलेखों का एक सेट अपने पास सुरक्षित रखें।

10. विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र निरस्त किए जायेंगे तथा जमा शुल्क वापस नहीं किया जायेगा। अतः आवेदक अंतिम तिथि की प्रतीक्षा करने के बजाय पर्याप्त समय पूर्व ऑनलाइन आवेदन कर अभिलेखों सहित आवेदन पत्र आयोग को प्रेषित करें।
11. आवेदक यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा आवेदन पत्र में दर्ज हस्ताक्षर ही वे साक्षात्कार की उपस्थिति सूची, तथा आयोग के समस्त पत्र व्यवहार में करें। विभिन्न अभिलेखों के हस्ताक्षरों में समानता न होने पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।

2- आवेदन शुल्क

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी अभ्यर्थियों हेतु
रु. 250/-	रु. 500/-

उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त रु. 40/- (जीएसटी सहित) पोर्टल शुल्क देय होगा

- ऑनलाइन परीक्षा की स्थिति में परीक्षा शुल्क का भुगतान पृथक से करना होगा।
- **शुल्क वापसी :-** अपरिहार्य कारणों से विज्ञापन निरस्त होने की स्थिति मे अभ्यर्थियों से ऑनलाइन शुल्क वापसी आवेदन प्राप्त कर आवेदन शुल्क की राशि वापस की जाएगी किन्तु पोर्टल शुल्क की राशि किसी भी स्थिति मे वापस नहीं की जाएगी।

आवेदन शुल्क तथा पोर्टल शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य किसी राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्कधारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो mponline से निम्न दूरभाष पर संपर्क कर शिकायत दर्ज़ करा सकते हैं :-

हेल्पलाइन नम्बर 0755-6720200

नोट : यदि आपको ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने में कोई समस्या आती है तो नीचे दर्शाये गए दूरभाष नंबरों पर संपर्क करें :-
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी क्षेत्र, इंदौर (0731) 2701624, 2701983
एम.पी.ऑनलाइन लिमिटेड, (मध्यप्रदेश शासन तथा टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज का संयुक्त उपक्रम)
ऑफिस ब्लाक OB-14 से 17, चतुर्थ तल, डी.बी. सिटी कार्पोरेट पार्क,
अरेरा हिल्स, ज़ोन-1 के सामने, एम.पी. नगर,
भोपाल-462011 हेल्पलाइन नं. 0755-6720200

3. आवेदन की अंतिम तिथि

ऑनलाइन आवेदन करने की **अंतिम तिथि 14.03.2021** है। अंतिम तिथि को रात्रि 12:00 बजे के बाद आवेदन पत्र जमा करने की सुविधा बंद कर दी जायेगी।

4. अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ निम्न प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियां आवश्यक रूप से संलग्न करें:-
   आयु संबंधी प्रमाण के लिए :- केवल हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी अथवा मेट्रीक्यूलेशन की अंकसूची/प्रमाण-पत्र जिसमें जन्म तिथि का स्पष्ट उल्लेख हो।
   रोज़गार कार्यालय में पंजीयन का प्रमाण पत्र :- मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन से सम्बन्धित पंजीकरण प्रमाण-पत्र संलग्न करें।
   दिव्यांगता प्रमाण-पत्र :- जिला चिकित्सा मण्डल या उच्चतर प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र संलग्न करें जिसमें 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता प्रमाणित की गयी हो। सहायक संचालक संवर्ग के पदों हेतु 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले बहरे तथा कम सुनने वाले दिव्यांगजन ही आरक्षण तथा छूटों हेतु पात्र हैं।
   शैक्षणिक अर्हताओं के प्रमाण पत्र :- हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी तथा उसके बाद की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता सहित उन समस्त परीक्षाओं की जिन्हें आवेदक ने उत्तीर्ण किया है के समस्त वर्षों/सेमेस्टर्स की अंक सूचियां एवं उपाधि।
   शासकीय सेवक होने का प्रमाण पत्र :- यह प्रमाण-पत्र नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जारी किया होना चाहिए। इस प्रमाण पत्र में धारित पद तथा विभाग का स्पष्टः उल्लेख होना चाहिए।
   जाति के प्रमाण-पत्र :- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) का स्थायी जाति प्रमाण-पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जो कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा जाति प्रमाण-पत्र देने के अधिकृत है द्वारा जारी किया गया हो आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें। साक्षात्कार के समय स्थायी जाति

(शेष अगले पृष्ठ पर)

मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन

क्रमांक 101/ए-12/एमपीएसडीएमए/16/प्रशा भोपाल, दिनांक : 10.02.2021

प्रतिनियुक्ति से भर्ती हेतु विज्ञापन

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन किया गया है। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 2020 के अंतर्गत प्राधिकरण में नीचे दर्शाये गये पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरे जाने हेतु केन्द्र सरकार, राज्य शासन एवं अर्द्धशासकीय संगठनों में कार्यरत नियमित अधिकारियों/कर्मचारियों के आवेदन उनके पैतृक विभाग के माध्यम से आमंत्रित किये जाते हैं।

अनुक्रमांक	पद का नाम	प्रतिनियुक्ति द्वारा भरे जाने वाले पदों की संख्या
1.	**उप संचालक** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 15600-39100 पे-बैंड-3 (ग्रेड वेतन-6600) पुनरीक्षित : एल-13-67300-206900	02
2.	**सहायक संचालक** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 15600-39100 पे-बैंड-3 (ग्रेड वेतन-5400) पुनरीक्षित : एल-12-56100-177500	02
3.	**सहायक लेखा अधिकारी** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 9300-34800 पे-बैंड-2 (ग्रेड वेतन-3600) पुनरीक्षित : एल-9-36200-114800	01
4.	**स्टेनोग्राफर** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 9300-34800 पे-बैंड-2 (ग्रेड वेतन-3600) पुनरीक्षित : एल-9-36200-114800	01
5.	**कार्यालय सहायक सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 5200-20200 पे-बैंड-1 (ग्रेड वेतन-1900) पुनरीक्षित : एल-4-19500-62000	07
6.	**भृत्य** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 4440-7440 पे-बैंड-एस-1 (ग्रेड वेतन-1300) पुनरीक्षित : एल-1-15500-49000	01
	कुल	**14**

नोट : प्रतिनियुक्ति पदों के लिए शैक्षणिक अर्हताएं एवं अनुभव हेतु विस्तृत विज्ञापन, प्राधिकरण की वेबसाइट **www.mpsdma.mp.gov.in** पर देखें।

शर्तें :

1. विज्ञापित पदों की संख्या, प्राधिकरण द्वारा आवश्यकतानुसार बढ़ाई/घटाई जा सकती है।
2. अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति हेतु अधिकतम आयु 55 वर्ष होगी।
3. संबंधित अधिकारी/कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर वही वेतन तथा भत्ते प्राप्त करेगा जो कि वह उसके पैतृक (मूल) विभाग में प्राप्त कर रहा था।
4. प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों पर म.प्र. शासन के प्रतिनियुक्ति नियम एवं मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम 2020 लागू होंगे।
5. चयनित उम्मीदवारों की मेरिट सूची (प्रतीक्षा सूची सहित) एक वर्ष तक वैध रहेगी जिसके विरुद्ध भर्ती की जा सकेगी।

भर्ती की तरीका :

नियम एवं शर्तें तथा भर्ती हेतु आवेदन प्रपत्र प्राधिकरण की वेबसाइट **www.mpsdma.mp.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं। केन्द्र सरकार, राज्य शासन एवं अर्धशासकीय संगठनों में कार्यरत इच्छुक लोक सेवक अपने आवेदन परिशिष्ट **II** में उल्लेखित दस्तावेजों के साथ केवल पैतृक (मूल) विभाग के माध्यम से स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक द्वारा समन्वयक, म.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल-462016 को प्रेषित करें। लिफाफे पर आवेदित पद का नाम भी अंकित किया जाए। केवल शासकीय विभागों/अर्धशासकीय संगठनों से (उचित माध्यम से) प्राप्त आवेदन ही प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किए जाएंगे। यह भर्ती, अशासकीय कार्यालयों के कर्मचारी एवं केन्द्र सरकार, राज्य शासन एवं अर्धशासकीय संगठनों में संविदा/आउटसोर्स आधार पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए नहीं है। यदि किसी आवेदक द्वारा आवेदन पत्र सीधे प्राधिकरण को भेजे जाते हैं तो ऐसे आवेदन मूलतः निरस्त कर दिये जाएंगे। अतः इच्छुक उम्मीदवार केवल अपने पैतृक विभाग के माध्यम से ही आवेदन प्रस्तुत करें, अन्य किसी माध्यम से नहीं।

जी-18767/45183/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, भोपाल

लिंक रोड नं. 2, माता मंदिर चौराहा के समीप, हर्षवर्धन नगर के सामने, भोपाल
Tel. : (0755) 4906088, E-Mail : eephbpl@mp.nic.in

क्र. 598/तक./का.यं./लो.स्वा.यां. खंड/भोपाल/2020-21 दिनांक 10.02.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर देखा जा सकता है।

सिस्टम जनरेट आई.डी. क्र.	खण्ड	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र की राशि रु.	ठेके की अनु. राशि रु.	अमानत राशि रु.	निविदा ऑनलाइन क्रय करने की अंतिम तिथि	1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण क्रमांक
2021_PHED_128474_1	भोपाल	भोपाल जिले के विकासखण्ड फंदा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम बगरोदा, अमरावतकलां, चंदूखेड़ी, तारासेवनिया, पृथ्वीपुरा एवं पिपलिया छापरबंद में विभिन्न कार्य।	15000/-	20630000/-	206300/-	18.02.2021	1. 09 माह 2. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। 3. तृतीय आमंत्रण।
2021_PHED_128486_1	भोपाल	भोपाल जिले के विकासखण्ड फंदा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम बंगरसिया में विभिन्न कार्य।	10000/-	7378000/-	73780/-	18.02.2021	1. 09 माह 2. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। 3. सातवां आमंत्रण।

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा। यह पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-18795/45186/2021 लो.स्वा.यां. खण्ड, भोपाल

(पिछले पृष्ठ का शेष)

प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जायेगी जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। इस संदर्भ में अभ्यर्थी का कोई वचन-पत्र अथवा अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुये उसे नस्तीबद्ध किया जावेगा एवं आयोग इस संदर्भ में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। विवाहित महिलाओं का उनके नाम के साथ पिता का नाम उल्लेखित जाति प्रमाण-पत्र ही मान्य किया जायेगा। विवाहित महिलायें विवाहोपरांत नाम/उपनाम परिवर्तन का शपथ पत्र संलग्न करें। अन्य किसी राज्य में जारी किया गया प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा। **अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमीलेयर में न आने का प्रमाणन भी आवश्यक है अर्थात अन्य पिछड़ा वर्ग के जिन प्रमाण-पत्रों में क्रीमीलेयर में न आने संबंधी कंडिका कटी होगी या नहीं होगी वे मान्य नहीं होंगे।** इस संदर्भ में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को निम्नानुसार घोषणा-पत्र संलग्न करना होगा :-

घोषणा-पत्र (Declaration) का प्रारूप

मैं ..... आयोग के विज्ञापन क्रमांक 02/2021 दिनांक 08.02.2021 के अंतर्गत आवेदन पत्र आयोग को प्रस्तुत कर रहा/रही हूं। मैं निम्नानुसार घोषणा करता/करती हूं।

1. मैं ..... पुत्र/पुत्री श्री ..... निवासी ग्राम/कस्बा/शहर/..... जिला ....., मध्यप्रदेश का/की मूल निवासी हूं। यह घोषणा करता/करती हूं कि मैं ..... जाति का/की सदस्य हूं जो शासन द्वारा शासकीय सेवा में (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी में आरक्षण के लिए अधिसूचित है।
2. मैं शपथपूर्वक यह भी घोषणा करता/करती हूं कि आवेदन की अंतिम तिथि तक मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा निर्धारित अद्यतन मापदंडों के अनुसार, मैं सम्पन्न वर्ग अर्थात क्रीमीलेयर की श्रेणी के अंतर्गत नहीं आता/आती हूं।

दिनांक :- .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
आवेदन पत्र क्रमांक .....

(उक्त घोषणा-पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र की स्केन्ड प्रति ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें)

तदर्थ रूप से शासन की सेवा में कार्यरत आवेदकों को तत्संबंधी प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक हेतु :- नियोक्ता अधिकारी/सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट-1 की कंडिका-(दो-1) के अधीन उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट-1 की कंडिका-(दो-2) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु विक्रम पुरस्कार प्राप्त होने का प्रमाण-पत्र।

5. जो व्यक्ति पहले से शासकीय सेवा में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहा हो या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त कर्मचारी अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हो, उनको यह परिवचन (Undertaking) प्रस्तुत करना होगा कि, उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस विज्ञापन के संदर्भ में आवेदन किया है। उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिये कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने अथवा परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने के संदर्भ में अनुमति रोकते हुये कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।
6. **अनुशासनिक निर्देश :- (ऑनलाइन परीक्षा संबंधी अनुदेश ऑनलाइन परीक्षा की स्थिति में)**

यदि आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित में से किसी के लिए दोषी है :-

01 जिसने अपनी उम्मीदवारी के लिये साक्षात्कार में किसी भी तरीके से समर्थन अभिप्राप्त किया हो; या
02 प्रतिरूपण किया हो; या
03 किसी व्यक्ति से प्रतिरूपण कराया हो; या
04 कूटरचित अभिलेख या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किए हों, जिनमें फेरबदल किया गया हो; या
05 ऐसे कथन दिये हों जो गलत और झूठे हों या जिसने चयन के किसी भी प्रक्रम पर सारभूत जानकारी छुपाई हो; या
06 परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाया हो; या
07 परीक्षा कक्ष में अथवा अन्यत्र अनुचित साधनों का उपयोग किया हो या करने का प्रयास किया हो; या
08 परीक्षा संचालन में लगे कर्मचारीवृंद को परेशान किया हो या धमकाया हो या शारीरिक छति पहुंचाई हो; या
09 उनके द्वारा प्रवेश पत्र में उम्मीदवारों के लिये दिये गए किसी भी अनुदेशों या निर्देशों जिसमें परीक्षा संचालन में लगे केंद्र पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारीवृंद द्वारा मौखिक रूप से दिये गए अनुदेश सम्मिलित हैं, अतिक्रमण किया हो; या
10 परीक्षा कक्ष में या साक्षात्कार में किसी अन्य तरीके से किया गया दुर्व्यवहार,
11 परीक्षा कक्ष में परीक्षा हेतु प्राप्त उत्तरपुस्तिका परीक्षा के समाप्त होने पर परीक्षा कक्ष के वीक्षक/परीक्षक को न जमा करते हुये अपने साथ ले गया हो।

तब आयोग द्वारा :-

(क) उसे उस परीक्षा के लिए, जिसके लिए वह उम्मीदवार है निरर्ह ठहराया जा सकेगा
और/या
उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा से या उनके द्वारा किए जाने वाले किसी चयन से विवर्जित कर सकेगा।

(ख) यदि वह शासन के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनिक कार्यवाही हेतु पैतृक विभाग को अनुशंसा की जाएगी।

(ग) इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक अभियोजन भी दर्ज किया जा सकेगा।

एवं तब शासन द्वारा :-

उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए उसके अधीन नियोजन से विवर्जित किया जा सकेगा।

7. **अनर्हतायें**:- ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने किसी भी चयन संस्था द्वारा विशिष्ट कालावधि हेतु भर्ती परीक्षा हेतु विवर्जित किया गया है उस कालावधि हेतु आवेदन करने हेतु अपात्र रहेंगे।
8- **यात्रा व्यय का भुगतान :-**

मध्यप्रदेश हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थियों को जो कहीं सेवारत नहीं हैं, मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन यात्रा व्यय का भुगतान आयोग कार्यालय द्वारा किया जायेगा। आवेदकों को इसके लिये वांछित घोषणा-पत्र भरकर देना होगा तथा यात्रा भत्ते की पात्रता से सम्बन्धित निम्न अभिलेख प्रस्तुत करना होंगे :-

(01) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रति।

(02) यात्रा टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गयी है तथा किराये की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो।

अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों के परीक्षण के बाद यात्रा व्यय का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से अभ्यर्थी के खाते में किया जाएगा। इस हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्या पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में विहित स्थान पर अपने बैंक का नाम स्वयं के बैंक खाते का नम्बर एवं बैंक का आई.एफ.एस.सी. कोड का उल्लेख करना तथा साथ ही अपने बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की स्केन प्रति आवेदन पत्र के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा।

जी-18749/45182/2021

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी एरिया - इंदौर

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग - मध्यप्रदेश शासन हेतु चिकित्सा अधिकारी के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

विज्ञापन क्रमांक	ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि	आयोग कार्यालय में अभिलेखों सहित आवेदन-पत्र जमा करने की अंतिम तिथि
01/2021/08.02.2021	14.03.2021	26.03.2021

महत्वपूर्ण

1. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग हेतु चिकित्सा अधिकारी के पदों की पूर्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक अर्हता निम्नानुसार है:-
   अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता
   एम.बी.बी.एस. या भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समतुल्य अर्हता।
   समतुल्य अर्हता :-
   भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा अर्हता प्राप्त विदेशी उपाधिधारी।
   वांछनीय अर्हता :-
   मध्यप्रदेश चिकित्सा परिषद् में स्थायी पंजीयन।
   अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
2. आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे आवेदन पत्र दिनांक 15.02.2021 (दोपहर 12:00 बजे) से दिनांक 14.03.2021 (रात्रि 12:00 बजे) तक **www.mponline.gov.in**, **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर भरे जा सकते हैं।
3. आवेदक ऑनलाइन आवेदन करने तथा आवेदन शुल्क का भुगतान करने के पश्चात ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंट आउट प्राप्त करें तथा आवेदन पत्र में उल्लेखित भुगतान विवरण से यह सुनिश्चित कर लें कि शुल्क भुगतान हो चुका है। उक्त ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ अपनी अर्हता से संबन्धित सभी अभिलेखों तथा अनुप्रमाणन पत्रक, व्यक्तिगत विवरण पत्रक एवं उपस्थिति पत्रक (आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर उपलब्ध) की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न कर आयोग कार्यालय में दिनांक 26.03.2021 तक जमा कराएं। **आवेदन पत्र भरने के संदर्भ में विस्तृत जानकारी हेतु परिशिष्ट-2 का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें एवं तदानुसार पर्याप्त समय पूर्व आवेदन पत्र भरें।**
4. आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। ऑनलाइन आवेदन पत्रों में दिनांक 20.02.2021 से दिनांक 16.03.2021 तक त्रुटि सुधार किया जा सकेगा। इस हेतु प्रति सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटि सुधार शुल्क देय होगा। आवेदक त्रुटि सुधार हेतु एम.पी. ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। त्रुटि सुधार अवधि समाप्त होने के बाद किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा तथा श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक समस्त आवेदन सरसरी तौर पर अमान्य किए जाएंगे तथा आयोग द्वारा इस सन्दर्भ में आवेदक से कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जाएगा।
5. विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनाएं, ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** में प्रकाशित किया जाएगा साथ ही आवश्यक होने पर अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिए गए e-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर e-mail तथा SMS Alert भी प्रेषित किए जाएंगे। अतः आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करें।
6. **आयोग की परीक्षा और चयन प्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। किसी एक व्यक्ति द्वारा इस प्रणाली को विफल कर किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की संभावना नहीं है। अतः किसी व्यक्ति द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से लाभ पहुंचाने का दावा किया जाता है तो ऐसा व्यवहारिक रूप से असंभव है। अतः ऐसे व्यक्ति के बहकावे में न आयें और उस व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सूचना अविलंब आयोग को दें, ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले का नाम पता गोपनीय रखा जाएगा।**
7. उक्त विज्ञापन का अंतिम चयन परिणाम याचिका क्रमांक 25181/2019 के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

एक भारत के नागरिकों तथा भारत के संविधान के तहत मान्य अन्य श्रेणियों के आवेदकों से लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निम्नलिखित पद हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :-

क्र.	पद का नाम	रिक्त पदों की संख्या						रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी दिव्यांगजन अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या
		UR	SC	ST	OBC	EWS	कुल	UR	SC	ST	OBC	EWS	
1.	चिकित्सा अधिकारी	0	0	253	401	73	727	0	0	83	132	24	44 लोकोमोटर डिसेबिलिटी

टीप :- लोकोमोटर डिसेबिलिटी में अस्थिबाधित अभ्यर्थियों के साथ सम्मिलित है - सेरेब्रल पाल, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी।

दो **पद का विवरण**

01	पद का नाम	: चिकित्सा अधिकारी (Medical Officer)
	विभाग का नाम	: लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन
	श्रेणी	: राजपत्रित द्वितीय श्रेणी
	पद स्थिति	: अस्थायी
	वेतनमान	: रुपये 15600-39100+5400 ग्रेड पे (छठे वेतन आयोग अनुसार) सातवें वेतनमान में तत्स्थानी वेतनमान प्राप्त होंगे।
	पद के मुख्य कर्तव्य	: मरीजों की देखभाल एवं उपचार

तीन **शैक्षणिक अर्हता** : **अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता**
एम.बी.बी.एस. या भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समतुल्य अर्हता।
समतुल्य अर्हता :-
भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा अर्हता प्राप्त विदेशी उपाधिधारी।
वांछनीय अर्हता :-
मध्यप्रदेश चिकित्सा परिषद में स्थायी पंजीयन।
अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।

विशेष :

(1) उक्त अर्हताएं विज्ञापन में उल्लेखित ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 14.03.2021 तक अर्जित होनी चाहिए। उक्त तिथि के बाद में अर्हता धारित करने वाले आवेदक पद हेतु अनर्ह माने जाएंगे।

(2) यदि अभ्यर्थी की अर्हकारी परीक्षा की अंकसूची में पूर्णांक तथा प्राप्तांक का उल्लेख न होते हुए ग्रेड/पाइंट स्केल का उल्लेख है तो उन्हें अपने ग्रेड/पाइंट स्केल के समतुल्य प्रतिशत के निर्धारण विषयक सूत्र/सिद्धांत के आधार पर प्रतिशत की गणना करते हुए शपथ-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। शपथ-पत्र के साथ प्रतिशत निर्धारण हेतु अपनाए गए सूत्र/सिद्धांत के अनुसमर्थन हेतु संबन्धित विश्वविद्यालय के सुसंगत अभिलेख संलग्न करना भी अनिवार्य है।

टीप-

(1) शासन द्वारा पदों की संख्या का पुनरीक्षण करने पर इस पद संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। पदों की संख्या में वृद्धि केवल साक्षात्कार द्वारा चयन की स्थिति में साक्षात्कार कार्यक्रम के प्रकाशन तिथि तक तथा ऑनलाइन परीक्षा की स्थिति में ऑनलाइन परीक्षा के परिणाम की तिथि तक की जा सकेगी। बढ़े हुए पदों हेतु अतिरिक्त आवेदन पत्र प्राप्त नहीं किए जाएंगे। पदों की संख्या में कमी चयन के किसी भी स्तर पर की जा सकेगी।

(2) चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जाएगी।

(3) किसी भी प्रवर्ग में मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिलाओं के लिए आरक्षित पद उपयुक्त महिला अभ्यर्थी के अभाव में उसी प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों के चयन द्वारा भरे जा सकेंगे।

(4) उक्त पद हेतु केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा दिव्यांगजन हेतु आरक्षित है। इन पदों हेतु केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा दिव्यांगजन ही आवेदन कर सकेंगे। छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों के मूल निवासी ऐसे अभ्यर्थी जो अपने मूल निवास के राज्य में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के रूप में मान्य है अथवा दिव्यांगजन है, आवेदन हेतु पात्र नहीं है। अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) के अभ्यर्थियों को यह घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा की वे क्रीमीलेयर में नहीं आते।

(5) मध्यप्रदेश के मूल निवासी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के अभ्यर्थियों को आवेदन तथा परीक्षा शुल्क में विहित छूट तथा यात्रा व्यय प्रतिपूर्ति का लाभ देय होगा।

चार **मध्यप्रदेश सिविल सेवायें (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के अंतर्गत अनर्हता :-**

अ. कोई भी उम्मीदवार जिसे महिलाओं के विरुद्ध किसी अपराध का सिद्ध-दोष ठहराया गया हो, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा। परंतु जहां किसी भी उम्मीदवार के विरुद्ध न्यायालय में ऐसे मामले लंबित हों तो उनकी नियुक्ति का मामला आपराधिक मामले का अंतिम विनिश्चय होने तक लंबित रखा जाएगा।

ब. कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा। परंतु कोई भी उम्मीदवार जिसकी पहले से एक जीवित संतान है तथा आगामी प्रसव 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, जिसमें दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए निरर्हित नहीं होगा।

पांच **महत्वपूर्ण** :- यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि, वे अपने आवेदित पद के लिए निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन करने के पहले अभ्यर्थी अपनी अर्हता की जांच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन पत्र भरें। लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी करने अथवा साक्षात्कार के लिए आमंत्रित करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि अभ्यर्थी को अर्ह मान लिया गया है। चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाए जाने पर उसका आवेदन पत्र निरस्त कर उसकी अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।

छः **आयु सीमा** :- 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो किन्तु 40 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो।

सात **आयु संगणना तिथि 01.01.2022**
आयु सीमा में दी गयी अन्य छूटों के लिए **परिशिष्ट-1** देखें।

आठ **अधिवार्षिकी आयु :- 65 वर्ष**

नौ **चयन प्रक्रिया :-**
चयन साक्षात्कार के आधार पर होगा। अर्हकारी परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर प्रत्येक श्रेणियों/उप श्रेणियों हेतु विज्ञापित पदों के 5 गुना अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा वशर्ते कि पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध हों।
साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर अंतिम चयन सूची घोषित की जाएगी। साक्षात्कार हेतु पूर्णांक 100 होगा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु 41 प्रतिशत तथा मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी हेतु 31 प्रतिशत न्यूनतम उत्तीर्णांक होंगे।

टीप :-

(1) आवश्यक होने पर लिखित परीक्षा ऑनलाइन पद्धति से आयोजित की जाएगी। लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न श्रेणियों/उप श्रेणियों हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना तथा समान अंक अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। अंतिम चयन लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर किया जाएगा। लिखित परीक्षा की स्थिति में साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक नहीं होंगे।

(2) लिखित परीक्षा की स्थिति में परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम यथासमय '**रोज़गार एवं निर्माण**' समाचार पत्र तथा आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर प्रकाशित किया जाएगा। लिखित परीक्षा की स्थिति में आवेदकों को परीक्षा शुल्क का पृथक से भुगतान करना होगा।
चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि ध्यान में आती है तो आयोग का चयन परिणाम को सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।

दस **आवेदन प्रक्रिया** :- उक्त पद हेतु आवेदन पत्र इन्टरनेट के माध्यम से ऑनलाइन जमा किए जा सकेंगे।

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी हेतु **परिशिष्ट-2** का अवलोकन करें।

ग्यारह विज्ञापन के संदर्भ में आवश्यक सूचनायें, प्रारंभिक परीक्षा तथा मुख्य परीक्षा के परिणाम केवल आयोग की वेवसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** एवं रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र में प्रकाशित किए जाएंगे। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिए गए E-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर E-mail तथा SMS द्वारा आवश्यक होने पर सूचना दी जा सकेगी। आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेवसाइट का निरंतर अवलोकन करते रहें।

बारह **आवेदक विस्तृत जानकारी हेतु निम्न परिशिष्ट देखें :-**

(1) आयु सीमा की छूटें परिशिष्ट-1

(2) आवेदन पत्र भरने के तथा अन्य निर्देश एवं जानकारियां परिशिष्ट -2

सचिव

परिशिष्ट -1

(एक) मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में अनुज्ञेय छूट

(1) मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी.3-8/2016/1/3, दिनांक 24 जुलाई 2019 अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित)/दिव्यांगजन आदि के लिए अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी तथा उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष रहेगी।

(2) ऐसा अभ्यर्थी जो भूतपूर्व सैनिक हो, उसे अपनी आयु में से उसके द्वारा पहले की गयी सम्पूर्ण प्रतिरक्षा सेवा की अवधि कम करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, किन्तु उसके परिणामस्वरूप जो आयु निकले वह अधिकतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

स्पष्टीकरण :-

भूतपूर्व सैनिक से अभिप्रेत है 'मध्यप्रदेश के भूतपूर्व सैनिक (राज्य की सिविल सेवाओं तथा पदों, तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी में रिक्तियों का आरक्षण) नियम 1985' के नियम 2 (ग) में यथा परिभाषित भूतपूर्व सैनिक।

(दो) प्रोत्साहन स्वरूप दी गई छूटें

(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत दंपतियों के सवर्ण सहभागी को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक सी-3/10/85/3/1, दिनांक 29.06.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

(2) विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3/18/85/3/1 दिनांक 03.09.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

टीपः- (1) परिशिष्ट -1 (दो) के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप अधिकतम आयु सीमा में विभिन्न कार्यों/योजनाओं के अंतर्गत दी गई छूटों में से यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूट का आधार रखता है तो उसे आयु सीमा में अधिकतम लाभ वाले किसी एक आधार (प्रोत्साहन वाले) के लिए देय छूट मिलेगी।

(तीन) मध्यप्रदेश के चिकित्सालयों में संविदा पर कार्यरत या कार्य कर चुके संविदा चिकित्सा अधिकारियों हेतु विशेष छूट

1. सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के परिपत्र क्रमांक सी-5-2/2018/1/3, दिनांक 05.06.2018 में प्रदत्त अनुदेशों के अनुसार मध्यप्रदेश के चिकित्सालयों में संविदा पर कार्यरत या कार्य कर चुके संविदा चिकित्सा अधिकारियों को जिन्होंने न्यूनतम 5 वर्ष की संविदा सेवा की है, उनके द्वारा समकक्ष अथवा उच्चतर श्रेणी के संविदा पद पर जितने वर्ष की सेवा की गई है, उतने वर्ष की छूट अधिकतम आयु सीमा में दी जाएगी किन्तु उक्त छूट को सम्मिलित करते हुए उनकी आयु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि तक 55 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

2. उक्त छूट हेतु अभ्यर्थी को उसकी संविदा सेवा की अवधि के प्रमाणन हेतु विहित अधिकारी द्वारा अनुभव प्रमाण-पत्र आयोग को प्रेषित किए जाने वाले अभिलेखों के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। प्रमाण-पत्र में धारित पद तथा अनुभव अवधि का स्पष्ट उल्लेख आवश्यक होगा (दिनांक से दिनांक तक प्रारूप में)। अपेक्षित प्रमाण-पत्र/पत्रों के अभाव में अभ्यर्थी का आवेदन पत्र निरस्त किया जाएगा।

नोटः- (01) उपरोक्त परिशिष्ट-1 (एक) (1 से 2), (दो) (1 एवं 2) तथा (तीन) में उल्लेखित आयु सीमा की छूट की पात्रता सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही देय होगी।
(02) आवेदकों को उपरोक्त सभी छूटें देय होंगी किन्तु समस्त छूटों को शामिल करते हुए भी किसी भी स्थिति में किसी भी प्रवर्ग हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात जिन आवेदकों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं है। (मध्यप्रदेश के चिकित्सालयों में संविदा पर कार्यरत या कार्य कर चुके संविदा चिकित्सा अधिकारियों को देय छूट को छोड़कर)

परिशिष्ट-2

ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में निर्देश एवं अन्य जानकारी

1. **ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार है :-**
   1. उपरोक्त पदों हेतु आवेदन पत्र निम्न वेवसाइटों पर भरे जा सकेंगे
   1. www.mponline.gov.in
   2. www.mppsc.com
   3. www.mppsc.nic.in
2. आवेदक mponline के स्थापित अधिकृत कियोस्कों के माध्यम से ऑनलाइन फार्म भरकर कियोस्क पर ही आवेदन/परीक्षा शुल्क का नगद भुगतान कर रसीद आवश्यक रूप से प्राप्त करें तथा आवेदन पत्र की भलीभांति जांचकर सुनिश्चित कर लें की भुगतान हो चुका है। mponline के अधिकृत कियोस्कों की सूची **www.mponline.gov.in, www.mppsc.com** तथा **www.mppsc.nic.in** पर पता एवं फोन नंबर सहित उपलब्ध है।
3. आवेदक अपने घर पर या इंटरनेट कैफे के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म भरकर आवेदन/परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नेट बैंकिंग सुविधा धारक आवेदक नेट बैंकिंग द्वारा भी शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।
4. आवेदक फार्म भरने के पूर्व अपने नवीनतम फोटोग्राफ की पासपोर्ट साइज की तथा हस्ताक्षर की स्केन फाइलें तैयार रखें जिन्हें उन्हें ऑनलाइन फार्म भरते समय अपलोड करना होगा। mponline के अधिकृत कियोस्क पर स्केनिंग की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है जिसका उपयोग किया जा सकता है।

फोटो स्केनिंग के संदर्भ में आवश्यक अनुदेशः-

1. स्केनिंग हेतु पासपोर्ट साइज़ की नवीनतम रंगीन फोटो का प्रयोग करें।
2. फोटो खिचवाते समय रिलेक्स स्थिति में सीधे कैमरे में देखें।
3. यदि आप चश्में का प्रयोग करते हैं तो यह सुनिश्चित करें कि कोई रिफ़्लेक्सन न हो तथा आपकी आंखें स्पष्टतः दिख रही हों।
4. टोपी हैट तथा डार्क चश्में स्वीकार्य नहीं है। सर पर पहने जाने वाले धार्मिक परिधान स्वीकार्य है किन्तु उनसे आपका चेहरा नहीं ढंकना चाहिए।
5. यह सुनिश्चित करें कि फोटो का बैकग्राउंड हल्के रंग या आदर्श रूप में सफ़ेद हो।
6. किसी और से अपनी फोटो खिचवाए। कृपया सेल्फी का प्रयोग न करें।

5. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय ध्यान रखना चाहिए कि, वह उक्त वेवसाइट पर दिए गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रत्येक जानकारी अच्छी तरह समझकर सावधानीपूर्वक सही रूप में जिस प्रकार चाहा गया है उसी प्रकार जानकारी भरें। आवेदन पत्र भरने के संदर्भ में अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध अनुदेशों तथा निर्देशों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर तदनुसार ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरें।
6. आयोग द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया में यह माना जाएगा कि, आवेदक द्वारा जो जानकारी ऑनलाइन फार्म में अंकित की जा रही है वही प्रमाणिक जानकारी है अतः ऑनलाइन आवेदन पत्र submit करने के पूर्व आवेदक अपना आवेदन पत्र सावधानीपूर्वक भलीभांति पढ़ एवं समझकर तथा भरी गई जानकारी से स्वयं को संतुष्ट करने के पश्चात ही आवेदन submit करें।
7. आवेदन पत्र submit करने के वाद खुलने वाले popup window में आवेदक को उसके द्वारा आवेदन पत्र में उल्लिखित आधारभूत सूचनाएं अर्थात **उसका नाम, माता पिता का नाम, जन्म तिथि, श्रेणी लिंग आदि की जानकारी दी जाएगी** जिसमें त्रुटि परिलक्षित होने पर अभ्यर्थी Cancel बटन दबाकर पुनः फार्म में वापस जाकर अपेक्षित सुधार कर सकेंगे। Popup window में OK बटन दबाकर फार्म सबमिट करने पर आवेदन पत्र के सफलतापूर्वक जमा होने की सूचना मिलेगी जिसमें उसके आवेदन पत्र क्रमांक का उल्लेख होगा किन्तु यह Unpaid होगा।

अभ्यर्थी कृपया ध्यान रखें कि आवेदन पत्र submit होने के वाद proceed for payment बटन दबाकर भुगतान की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात अभ्यर्थी को उसका आवेदन पत्र प्राप्त होगा जिसमें भुगतान का विवरण भी होगा जिसमें भुगतान राशि तथा 'Payment Done' स्पष्टतः उल्लेखित होगा। आवेदक उक्त सूचना को प्रिंट करके अपने पास रखें तथा भविष्य में आयोग से किए जाने वाले पत्र व्यवहार में आवेदन पत्र क्रमांक का उल्लेख करें।

8. **त्रुटि सुधार सुविधा :-** अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र सावधानी पूर्वक भरें। आवेदन पत्र में कोई त्रुटि होने पर दिनांक 20.02.2021 से 16.03.2021 तक प्रति त्रुटि सुधार सत्र रुपये 50/- त्रुटि सुधार शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन पत्र में अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन ही त्रुटि सुधार किया जा सकेगा। नियत अवधि में त्रुटि सुधार नहीं करने पर कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीवद्ध किया जाएगा। **मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु शुल्क रु. 250 तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु रु. 500 निर्धारित है, अतः छूट वाली श्रेणियों के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा गैर छूट श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि रुपए 250 त्रुटि सुधार शुल्क के अतिरिक्त देय होगा, किन्तु गैर छूट श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा छूट श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जाएगी।**
ऑनलाइन आवेदन पत्रों में भरी गई श्रेणी/वर्ग (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग)/लिंग (महिला/पुरुष)/शासकीय सेवक/दिव्यांगता आदि के आधार पर ही परिणाम घोषित किया जाता है। अतः त्रुटि सुधार अवधि समाप्त होने के वाद श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीवद्ध किया जाएगा।

9. **आवेदन पत्र प्रेषण के संदर्भ में आवश्यक अनुदेशः-**
   (1) आयोग की वेवसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** के Download Formate लिंक से अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण पत्रक, एवं उपस्थिति पत्रक डाउनलोड करके उनकी पूर्ति करें। पूर्ति पश्चात उक्त प्रपत्रों की क्रमशः तीन, छः तथा एक छाया प्रति करायें।
   (2) ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने तथा शुल्क भुगतान के पश्चात प्राप्त ऑनलाइन आवेदन में उल्लेखित भुगतान विवरण की जांच कर यह सुनिश्चित कर लें कि शुल्क का भुगतान हो चुका है। यह भी जांच कर लें कि समस्त प्रविष्टियां सही है (त्रुटि होने पर विहित अवधि में त्रुटि सुधार कर लें (देखें बिन्दु-8)। ऑनलाइन आवेदन पत्र में विहित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें। उक्त हस्ताक्षरित ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ अपने सभी अभिलेखों की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें तथा साथ ही अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण पत्रक, एवं उपस्थिति पत्रक की एक एक प्रति संलग्न करें। (प्रपत्रों की शेष प्रतियां अपने पास सुरक्षित रखें क्योंकि उन्हें आपको साक्षात्कार के समय अपने मूल अभिलेखों के साथ प्रस्तुत करना होगा)
   (3) एक बड़े लिफाफे पर निम्न विवरण अंकित कर उक्त सेट (आवेदन पत्र तथा समस्त अभिलेख) इस बड़े लिफाफे में रखकर पंजीवद्ध डाक या स्पीड पोस्ट से आयोग को प्रेषित करें।

विज्ञापन क्रमांक 01/2021 दिनांक 08.02.2021
चिकित्सा अधिकारी, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पद हेतु आवेदन पत्र

प्रति,
सचिव
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया
इंदौर (मध्यप्रदेश) पिन-452001

प्रेषक:
आवेदक का नाम
तथा पता

(लिफाफे पर विज्ञापन क्रमांक, पद/ विभाग का नाम अंकित न होने पर उस पर विचार नहीं किया जाएगा)

(4) ध्यान रखें अभिलेखों सहित उक्त आवेदन पत्र दिनांक 26.03.2021 को सायंकाल 5:30 बजे तक आयोग कार्यालय में पहुंचने पर ही समयावधि में प्राप्त माना जाएगा। आवेदन पत्र उक्त दिनांक तथा समय तक समस्त कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय (प्रातः 10:30 बजे से सायंकाल 5:30 बजे तक) आयोग कार्यालय में भी प्राप्त किए जाएंगे तथा प्राप्ति की रसीद दी जाएगी। आवेदक आयोग को प्रेषित आवेदन पत्र तथा अभिलेखों का एक सेट अपने पास सुरक्षित रखें।

10. विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र निरस्त किए जायेंगे तथा जमा शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। अतः आवेदक अंतिम तिथि की प्रतीक्षा करने के वजाय पर्याप्त समय पूर्व ऑनलाइन आवेदन कर अभिलेखों सहित आवेदन पत्र आयोग को प्रेषित करें।
11. आवेदक यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा आवेदन पत्र में दर्ज हस्ताक्षर ही वे साक्षात्कार की उपस्थिति सूची, तथा आयोग के समस्त पत्र व्यवहार में करें। विभिन्न अभिलेखों के हस्ताक्षरों में समानता न होने पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।

2- आवेदन शुल्क

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के वाहर के निवासी अभ्यर्थियों हेतु
रु. 250/-	रु. 500/-
उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त रु. 40/- (जीएसटी सहित) पोर्टल शुल्क देय होगा	
● ऑनलाइन परीक्षा की स्थिति में परीक्षा शुल्क का भुगतान पृथक से करना होगा	
● शुल्क वापसी :- अपरिहार्य कारणों से विज्ञापन निरस्त होने की स्थिति में अभ्यर्थियों से ऑनलाइन शुल्क वापसी आवेदन प्राप्त कर आवेदन शुल्क की राशि वापस की जाएगी किन्तु पोर्टल शुल्क की राशि किसी भी स्थिति में वापस नहीं की जाएगी।	

आवेदन शुल्क तथा पोर्टल शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य किसी राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्कधारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो mponline से निम्न दूरभाष पर संपर्क कर शिकायत दर्ज़ करा सकते हैं :-

हेल्पलाइन नम्बर 0755-6720200

नोट : यदि आपको ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने में कोई समस्या आती है तो नीचे दर्शाए गए दूरभाष नंबरों पर संपर्क करें :-
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी क्षेत्र, इंदौर (0731) 2701624, 2701983
एम.पी. ऑनलाइन लिमिटेड, (मध्यप्रदेश शासन तथा टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज का संयुक्त उपक्रम)
ऑफिस ब्लाक OB-14 से 17, चतुर्थ तल, डी.बी. सिटी कार्पोरेट पार्क, अरेरा हिल्स, जोन-1 के सामने, एम. पी. नगर, भोपाल-462011, हेल्पलाइन नं. - 0755-6720200

3. **आवेदन की अंतिम तिथि**
ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 14.03.2021 है। अंतिम तिथि को रात्रि 12:00 बजे के वाद आवेदन पत्र जमा करने की सुविधा बंद कर दी जाएगी।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 01/03/2020, दिनांक 10.02.2021

राज्य सेवा परीक्षा 2020

01 आयोग द्वारा मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के प्रशासनिक पदों की पूर्ति हेतु "राज्य सेवा परीक्षा-2020" का विज्ञापन क्रमांक 03/2020, दिनांक 28.12.2020 आयोग की वेवसाइट **www.mppsc.nic.in** एवं **www.mppsc.com** पर जारी किया गया है तथा **"रोज़गार और निर्माण" समाचार पत्र के दिनांक 04.01.2021** के अंक में भी प्रकाशित किया गया है।

02 उक्त विज्ञापन में उल्लिखित रिक्त विवरण में निम्नानुसार पद संयोजित किए जाते हैं :-

Sr.	पदनाम	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश के मूल निवासी भूतपूर्व सैनिकों हेतु आरक्षित पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश के मूल निवासी दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पदों की संख्या					वेतनमान (वेतनमान छठें वेतन आयोग के अनुसार है। सातवें वेतनमान में तत्वधानी वेतनमान देय होंगे।)
		UR	SC	ST	OBC	EWS	UR	SC	ST	OBC	EWS	UR	SC	ST	OBC	EWS	VH	HH	OH	MD	Total	
	द्वितीय श्रेणी राजपत्रित																					
	वाणिज्यिक कर विभाग																					
1.	वाणिज्यिक कर अधिकारी	0	1	0	3	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	15600-39100 + 5400 ग्रेड पे
	तृतीय श्रेणी कार्यपालिक																					
	वाणिज्यिक कर विभाग																					
2.	वाणिज्यिक कर निरीक्षक	0	4	5	9	2	0	1	2	3	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	20	9300-34800 + 3600 ग्रेड पे
	कुल रिक्तियों की संख्या	0	5	5	12	3	0	1	2	4	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	25	

उक्त 25 पदों के संयोजन के फलस्वरूप राज्य सेवा परीक्षा 2020 की रिक्ति संख्या 260 हो गयी है।

03 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

जी-18801/45187/2021

उप सचिव

(पिछले पृष्ठ का शेष)

4. अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ निम्न प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियां आवश्यक रूप से संलग्न करें:-

आयु संबंधी प्रमाण के लिए :- केवल हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी अथवा मेट्रीक्यूलेशन की अंकसूची/ प्रमाण-पत्र जिसमें जन्म तिथि का स्पष्ट उल्लेख हो।

रोज़गार कार्यालय में पंजीयन का प्रमाण-पत्र :- मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन से संवन्धित पंजीकरण प्रमाण-पत्र संलग्न करें।

दिव्यांगता प्रमाण-पत्र :- जिला चिकित्सा मण्डल या उच्चतर प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र संलग्न करें, जिसमें 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता प्रमाणित की गई हो। चिकित्सा अधिकारी के पदों हेतु 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता वाले लोकोमोटर दिव्यांगजन ही आरक्षण तथा छूटों हेतु पात्र हैं।

शैक्षणिक अर्हताओं के प्रमाण-पत्र :- हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी तथा उसके बाद की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता सहित उन समस्त परीक्षाओं की जिन्हें आवेदक ने उत्तीर्ण किया है के समस्त वर्षों/सेमेस्टर्स की अंक सूचियां एवं उपाधि।

शासकीय सेवक होने का प्रमाण-पत्र :- यह प्रमाण-पत्र नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जारी किया होना चाहिए। इस प्रमाण पत्र में धारित पद तथा विभाग का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।

संविदा सेवा के अनुभव प्रमाण-पत्र :- यह प्रमाण-पत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया होना चाहिए। इस प्रमाण पत्र में धारित पद तथा अनुभव अवधि का स्पष्ट उल्लेख होना आवश्यक है। (दिनांक से दिनांक तक प्रारूप में)

जाति के प्रमाण-पत्र :- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) का स्थाई जाति प्रमाण-पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जो की मध्यप्रदेश शासन द्वारा जाति प्रमाण-पत्र देने के अधिकृत हैं द्वारा जारी किया गया हो आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें। साक्षात्कार के समय स्थाई जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय स्थाई जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। इस संदर्भ में अभ्यर्थी का कोई वचन-पत्र अथवा अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए उसे नस्तीवद्ध किया जाएगा एवं आयोग इस संदर्भ में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। विवाहित महिलाओं का उनके नाम के साथ पिता का नाम उल्लेखित जाति प्रमाण-पत्र ही मान्य किया जाएगा। विवाहित महिलायें विवाहोपरांत नाम/उपनाम परिवर्तन का शपथ पत्र संलग्न करें। अन्य किसी राज्य में जारी किया गया प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा। अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमीलेयर में न आने का प्रमाणन भी आवश्यक है अर्थात अन्य पिछड़ा वर्ग के जिन प्रमाण-पत्रों में क्रीमीलेयर में न आने संबंधी कंडिका कटी होगी या नहीं होगी वे मान्य नहीं होंगे। इस संदर्भ में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को निम्नानुसार घोषणा-पत्र संलग्न करना होगा :-

घोषणा-पत्र (Declaration) का प्रारूप

मैं ..... आयोग के विज्ञापन क्रमांक 01/2021 दिनांक 08.02.2021 के अंतर्गत आवेदन पत्र आयोग को प्रस्तुत कर रहा/रही हूं। मैं निम्नानुसार घोषणा करता/करती हूं

1. मैं ..... पुत्र/पुत्री श्री ..... निवासी ग्राम/कस्बा/शहर/..... जिला ....., मध्यप्रदेश का/की मूल निवासी हूं। यह घोषणा करता/करती हूं कि मैं ..... जाति का/की सदस्य हूं जो शासन द्वारा शासकीय सेवा में (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी में आरक्षण के लिए अधिसूचित है।

2. मैं शपथ पूर्वक यह भी घोषणा करता/करती हूं कि आवेदन की अंतिम तिथि तक मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा निर्धारित अद्यतन मापदंडों के अनुसार, मैं सम्पन्न वर्ग अर्थात क्रीमीलेयर की श्रेणी के अंतर्गत नहीं आता/ आती हूं।

दिनांक :- .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
आवेदन पत्र क्रमांक .....

(उक्त घोषणा-पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र की स्केन्ड प्रति ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें)

तदर्थ रूप से शासन की सेवा में कार्यरत आवेदकों को तत्संबंधी प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक हेतु :- नियोक्ता अधिकारी/सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट -1 की कंडिका-(दो-1) के अधीन उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट -1 की कंडिका-(दो-2) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु विक्रम पुरस्कार प्राप्त होने का प्रमाण-पत्र।

5. जो व्यक्ति पहले से शासकीय सेवा में स्थाई या अस्थाई हैसियत से काम कर रहा हो या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त कर्मचारी अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हो, उनको यह परिवचन (Undertaking) प्रस्तुत करना होगा कि, उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस विज्ञापन के संदर्भ में आवेदन किया है। उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने अथवा परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने के संदर्भ में अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

6. **अनुशासनिक निर्देश :- (ऑनलाइन परीक्षा संबंधी अनुदेश ऑनलाइन परीक्षा की स्थिति में)**

यदि आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित में से किसी के लिए दोषी है :-

1. जिसने अपनी उम्मीदवारी के लिए साक्षात्कार में किसी भी तरीके से समर्थन अभिप्राप्त किया हो; या
2. प्रतिरूपण किया हो; या
3. किसी व्यक्ति से प्रतिरूपण कराया हो; या
4. कूटरचित अभिलेख या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किए हों, जिनमें फेरबदल किया गया हो; या
5. ऐसे कथन दिए हों जो गलत और झूठे हों या जिसने चयन के किसी भी प्रक्रम पर सारभूत जानकारी छुपाई हो; या
6. परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाया हो; या
7. परीक्षा कक्ष में अथवा अन्यत्र अनुचित साधनों का उपयोग किया हो या करने का प्रयास किया हो; या
8. परीक्षा संचालन में लगे कर्मचारीवृंद को परेशान किया हो या धमकाया हो या शारीरिक छति पहुंचाई हो; या
9. उनके द्वारा प्रवेश पत्र में उम्मीदवारों के लिए दिए गए किसी भी अनुदेशों या निर्देशों जिसमें परीक्षा संचालन में लगे केंद्र पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारीवृंद द्वारा मौखिक रूप से दिए गए अनुदेश सम्मिलित हैं, अतिक्रमण किया हो; या
10. परीक्षा कक्ष में या साक्षात्कार में किसी अन्य तरीके से किया गया दुर्व्यवहार,
11. परीक्षा कक्ष में परीक्षा हेतु प्राप्त उत्तरपुस्तिका परीक्षा के समाप्त होने पर परीक्षा कक्ष के वीक्षक / परीक्षक को न जमा करते हुए अपने साथ ले गया हो।

तब आयोग द्वारा :-

(क) उसे उस परीक्षा के लिए, जिसके लिए वह उम्मीदवार है निरर्ह ठहराया जा सकेगा
और/ या
उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा से या उनके द्वारा किए जाने वाले किसी चयन से विवर्जित कर सकेगा।

(ख) यदि वह शासन के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनिक कार्यवाही हेतु पैतृक विभाग को अनुशंसा की जाएगी।

(ग) इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक अभियोजन भी दर्ज किया जा सकेगा।

एवं तब शासन द्वारा :-

उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए उसके अधीन नियोजन से विवर्जित किया जा सकेगा।

7. **अनर्हताएं** :- ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें किसी भी चयन संस्था द्वारा विशिष्ट कालावधि हेतु भर्ती परीक्षा हेतु विवर्जित किया गया है उस कालावधि हेतु आवेदन करने हेतु अपात्र रहेंगे।

8. **यात्रा व्यय का भुगतान** :-

मध्यप्रदेश हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थियों को जो कहीं सेवारत नहीं है, मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन यात्रा व्यय का भुगतान आयोग कार्यालय द्वारा किया जाएगा। आवेदकों को इसके लिए वांछित घोषणा-पत्र भरकर देना होगा तथा यात्रा भत्ते की पात्रता से संवन्धित निम्न अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे :-

(01) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रति।

(02) यात्रा टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गई है तथा किराए की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो।

अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों के परीक्षण के बाद यात्रा व्यय का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से अभ्यर्थी के खाते में किया जाएगा। इस हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में विहित स्थान पर अपने बैंक का नाम स्वयं के बैंक खाते का नम्बर एवं बैंक का आई.एफ.एस.सी. कोड का उल्लेख करना तथा साथ ही अपने बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की स्केन प्रति आवेदन पत्र के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा।

जी-18769/45184/2021

GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH
PUBLIC HEALTH ENGINEERING DEPARTMENT
NOTICE INVITING e-TENDERS

NIT No. 46/EE/PHED/2020-21/ **Satna, Dated : 28.01.2021**

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria :

Name of Work : Retroffitting in Different Villages of Block Majhgawan under District Satna Detailed Tender Information is available online.

NIT No.	E-Tender No.	Block	Name of Village	PAC (in Lakh)	EMD (Rupees)	Document Fee (Rupees)	Time Limit	Tender Invitation
46	2021_PHED_122171_2	Majhgawan	Gujhuwa, Putrichuwa, Mehuti, Telaichuwa, Poslaha (SAG)	329.31	3,30,000/-	15000/-	9 Months Including Rainy Season	First Call

1. Interested bidders can view the NIT on website **http://www.mptenders.gov.in.**
2. Bid Document Can be Seen and downloaded from the website **http://www.mptenders.gov.in upto 15.02.2021 5.30 PM.**
3. The bid can be submitted in electronic format on the website **http://mptenders.gov.in.** The deadline for submission of the bid is up to **15.02.2021 05.30 P.M.**
4. Amendments to NIT, if any, would be published on website **http://www.mptenders.gov.in only.** and not in newspapers.

EXECUTIVE ENGINEER
G-18581/45177/2021 **PHE- Division Satna, Mobile : 9479989357**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, विदिशा - 464001 (म.प्र.)

Mail I.D. :- eephvid@mp.nic.in, Fax : 07592-250663, Telephon : :- 07592-250663

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 32/नि.प्र./खण्ड विदिशा/लो.स्वा.यां.वि./2020-21 विदिशा, दि. : 01.02.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

विदिशा जिले के विकासखण्ड लटेरी के 183 ग्रामों में स्थापित लगभग 1000 हैण्डपम्पों का नियमित निरीक्षण, संधारण, ग्रीसिंग, क्लोरीनेशन, जल नमूनों का संकलन एवं अन्य संबंधित संधारण कार्य 02 वर्ष की अवधि हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 17.02.2021 को सायं 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है :-

स. क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	विकासखण्ड	अनुमानित लागत (PAC) (रु. में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	2021_PHED_126741_1	लटेरी	2400000/-	48000/-	5000/-	02 वर्ष वर्षाऋतु सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार

कार्यपालन यंत्री
जी-18583/45178/2021 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड विदिशा (म.प्र.)**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

ई-मेल sepheprocgwl@gmail.com, दूरभाष क्रमांक : 0751-2365438, 4031502

पानी की टंकी के नीचे, मुरार ग्वालियर (म.प्र.)

क्रमांक 744/नि.प्र./मु.अ./लो.स्वा.यां./20-21 ग्वालियर, दिनांक : 03.02.2021

प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल द्वारा सूचीबद्ध संस्थाओं से निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 23.01.2021 से **दिनांक 16.02.2021 सायं 5.30 बजे तक** क्रय तथा दिनांक 23.01.2021 से दिनांक 16.02.2021 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। बिड खोलने का दिनांक 18.02.2021 है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण - 1. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। **जिला-भिण्ड 4 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 49 ग्राम)।**

नि.आ.सू. क्र./दि.	टेण्डर आई.डी.	अनु. लागत (PAC) (रु. लाख में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	आमंत्रण की संख्या	कार्य पूर्ण करने की अवधि
61/ 22.1.21	2021_PHED_125205_1	89.66 लाख	रु. 89660/-	रु. 10000/-	द्वितीय	15 माह वर्षाकाल छोड़कर

2. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। **जिला-दमोह 2 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 59 ग्राम)।**

62/ 22.1.21	2021_PHED_125206_1	47.53 लाख	रु. 50000/-	रु. 5000/-	द्वितीय	15 माह वर्षाकाल छोड़कर

3. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। **जिला-ग्वालियर 4 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 46 ग्राम)।**

63/ 22.1.21	2021_PHED_125207_1	88.04 लाख	रु. 88040/-	रु. 10000/-	द्वितीय	15 माह वर्षाकाल छोड़कर

4. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। **जिला-मुरैना 4 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 60 ग्राम)।**

64/ 22.1.21	2021_PHED_125208_1	95.60 लाख	रु. 95600/-	रु. 10000/-	द्वितीय	15 माह वर्षाकाल छोड़कर

5. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। **जिला-सागर 6 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 50 ग्राम)।**

65/ 22.1.21	2021_PHED_125209_1	135.30 लाख	रु. 135300/-	रु. 12500/-	द्वितीय	15 माह वर्षाकाल छोड़कर

6. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। **जिला-टीकमगढ़ 4 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 46 ग्राम)।**

66/ 22.1.21	2021_PHED_125210_1	88.04 लाख	रु. 88040/-	रु. 10000/-	द्वितीय	15 माह वर्षाकाल छोड़कर

अधीक्षण यंत्री (प्रोक्योरमेंट), कार्यालय मुख्य अभियंता
जी-18605/45179/2021 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन
लिंक रोड - 3 पत्रकार कॉलोनी, भोपाल - 462004

विज्ञा.क./रा.स्वा.मि./मा.संसा./2021/1958 **भोपाल, दिनांक : 04.02.2021**

विज्ञप्ति

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, म.प्र. के अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय संविदा पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। पद का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पदनाम	पदों की संख्या	अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता	अनिवार्य कार्यानुभव	आयु सीमा	वेतन एवं परिलब्धियां (मासिक)
1.	संविदा विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक	124	एम.बी.ए/पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री (हेल्थ एण्ड हॉस्पिटल मैनेजमेंट/ प्रशासन)/पी.जी.डी.एम./पीजीडीबीए के साथ न्यूनतम एक वर्षीय कम्प्यूटर डिग्री/डिप्लोमा	न्यूनतम 02 वर्ष का कार्यानुभव स्वास्थ्य सेवायें/पब्लिक हेल्थ कार्यक्रम	21-40 वर्ष अधिकतम आयु सीमा में (अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति,अन्य पिछड़ा वर्ग, निःशक्तजन, महिलाओं (अनारक्षित/ आरक्षित) के लिये अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट) (01.01. 2021 की स्थिति में)	20000/- रुपये प्रतिमाह
2.	संविदा विकासखण्ड कम्यूनिटी मोबिलाइजर	90	एम.एस.डब्ल्यू./एम.ए. सॉसोलॉजी/ एम.ए. समाजशास्त्र/ पी.जी. डिग्री/ डिप्लोमा (ग्रामीण विकास) एवं न्यूनतम एक वर्षीय कम्प्यूटर डिग्री/डिप्लोमा	न्यूनतम 02 वर्ष का कार्यानुभव सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा/स्वास्थ्य स्वयंसेवकों या एनजीओ स्वास्थ्य परियोजनाओं में।		15000/- रुपये प्रतिमाह
3.	संविदा विकासखण्ड लेखा प्रबंधक	32	एम.बी.ए. (वित्त)/ एम.कॉम./बी.कॉम./ पीजीडीएम/ पीजीडीबीए (वित्त) के साथ न्यूनतम एक वर्षीय कम्प्यूटर डिग्री/डिप्लोमा	न्यूनतम 02 वर्ष का कार्यानुभव वित्तीय क्षेत्र में जिसमें से एक वर्ष स्वास्थ्य के क्षेत्र से हो।		15000/- रुपये प्रतिमाह
4.	संविदा जिला चिकित्सालय लेखापाल	12				15000/- रुपये प्रतिमाह

आवेदन सेम्स लिमिटेड के वेब पोर्टल **www.sams.co.in** के माध्यम से किया जा सकता है। आवेदन के लिए लिंक दिनांक 10.02.2021 से उपलब्ध किया जायेगा। ऑनलाइन जमा करने की **अंतिम तिथि 25.02.2021 है।** ऑफ लाईन आवेदन किसी भी स्थिति में मान्य/स्वीकार नहीं किया जावेगा।

2. पद हेतु आरक्षण नियमानुसार होगा :-

पद का नाम	संविदा पदों की संख्या	अना-रक्षित M (Open)	अना-रक्षित F	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग 10%	अनु. जाति 16% M (Open)	अनु. जाति 16% F	अनु. जनजाति 20% M (Open)	अनु. जनजाति 20% F	अन्य पिछड़ा वर्ग * 27% M (Open)	अन्य पिछड़ा वर्ग * 27% F	निःशक्तजनों के लिए वी.	निःशक्तजनों के लिए एच.एच.	निःशक्तजनों के लिए ओ.एच.	निःशक्तजनों के लिए एम.डी.
संविदा विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक	124	22	10	11	13	06	16	08	11	05	00	03	03	00
संविदा विकासखण्ड कम्यूनिटी मोबिलाइजर	90	16	07	09	09	04	11	16	07	04	00	02	03	00
संविदा विकासखण्ड लेखा प्रबंधक	32	05	03	02	03	01	04	02	05	02	00	00	01	00
संविदा, जिला चिकित्सालय लेखापाल	12	02	01	01	01	01	01	01	02	01	00	00	00	00

- *अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 27 प्रतिशत पदों में से न्यायालयीन प्रकरण व अतिरिक्त महाधिवक्ता के अभिमत अनुसार 13 प्रतिशत पद अन्य पिछड़ा वर्ग के सुरक्षित रखे गए हैं।
- उपरोक्त संविदा के 33 पद अन्य पिछड़ा वर्ग के जो न्यायालयीन निर्णय उपरांत उस वर्ग की भर्ती प्रक्रिया में उपरोक्त विज्ञापन के पात्र उम्मीदवारों से पूर्ति की जावेगी।
- दिव्यांगजन का आरक्षण क्षैतिजिक (Horizontal) के आधार पर 06 प्रतिशत का प्रस्ताव तैयार किया गया है। निःशक्तजनों के लिए कुल रिक्तियों में से 06 प्रतिशत पद निःशक्तजन के लिए आरक्षित हैं, जिस श्रेणी का निःशक्तजन इन पदों के लिए चयनित होगा उसे श्रेणी हेतु मान्य किया जावेगा। यह पद प्रत्येक श्रेणी की विना वर्ग/ओपन नियुक्तियों में सम्मिलित है। 3. निर्धारित प्रारूप में नहीं किये गए अथवा अपूर्ण आवेदन स्वयमेव निरस्त माने जायेंगे। 4. अंतिम तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। 5. मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश को किसी भी आवेदन को बिना कारण बताए, स्वीकृत/अथवा भर्ती प्रक्रिया को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

जी-18539/45175/2021 **मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म.प्र.)

दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email - eephedbet@mp.nic.in

क्रमांक 511/लेखा/का.यं./लोस्वायांवि. खंड/बैतूल/दिनांक 11.02.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर बैतूल जिले के विकासखण्ड मुलताई के ग्राम खंड आमला एवं बलनी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप लाईन, घरेलु नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन, ग्राम बलनी में 50 कि.ली. 12 मीटर स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय जल संग्रहण टंकी एवं 01 नग आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण कार्य हेतु निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है :-

निविदा क्रमांक/ दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम की संख्या	निविदा की कुल लागत रु. लाख में	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
202/20-21/ Dt. 11.02.2021	128729	मुलताई	2	59.87	59870	10000	6 माह वर्षाऋतु सहित	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की प्रारंभ तिथि	**11.02.2021 16.00** बजे
ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	22.02.2021 17.30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि	22.02.2021 17.30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि	24.02.2021 15.00 बजे

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेबसाइट पर देखें।

कार्यपालन यंत्री
जी-18814/45189/2021 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड- अशोकनगर

क्रमांक 274/व.ले.लि../2020-21/का.यं./लो.स्वा.यां.वि./अशोकनगर **दिनांक : 21.01.2021**

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 128, 129, 130, 131/व.ले.लि./2020-21

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in/nicgep/app** पर अशोकनगर जिले के समस्त विकासखण्ड के हैण्डपम्प को सुधार कार्य करने एवं हैण्डपम्प चालू करने का कार्य मय गॉडी एवं लेवर सहित सम्पूर्ण कार्य हेतु निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित हैं :

स. क्र.	निविदा क्रमांक/ दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	कार्य की मात्रा	निविदा की कुल लागत रु. (लाख में)	धरोहर राशि (EMD)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	128/20.01.2021	2020_PHED_124962_1	ईसागढ़	1434	13.26	26566/-	रु. 2000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
2.	129/20.01.2021	2020_PHED_124967_1	अशोकनगर	1693	15.68	31368/-	रु. 2000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
3.	130/20.01.2021	2020_PHED_124968_1	मुंगावली	1626	15.05	30091/-	रु. 2000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
4.	131/20.01.2021	2020_PHED_124970_1	चन्देरी	1455	13.46	26927/-	रु. 2000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि : 15.02.2021, 17.30 बजे। ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि : 15.02.2021, 17.30 बजे। ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि : 17.02.2021, 11.00 बजे निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेबसाइट पर देखें।
जी-18611/45180/2021 **कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-अशोकनगर, जिला अशोकनगर**

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास विभाग) जिला बड़वानी (म.प्र.)

क्रमांक/1031/आदिम/निर्माण/ITDP-275(1)/2020-21 **बड़वानी, दिनांक : 03.02.2021**

संशोधित निविदा

बड़वानी जिले में आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित निम्नांकित विभागीय संस्थाओं में उनके नाम के सम्मुख अंकित निर्माण कार्य हेतु मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग में नवीन व्यवस्था अंतर्गत "स" श्रेणी या उससे ऊपर पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग (म.प्र.) भोपाल द्वारा जारी भवन कार्य की दर अनुसूची जो कि दिनांक 01.08.2014 से लागू तथा निविदा जारी होने के दिनांक तक जारी संशोधनों के साथ एतद् द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से "प्रपत्र-अ" में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र मध्यप्रदेश शासन की वेबसाइट **https://www.mptender.gov.in** से ऑनलाइन क्रय किये जा सकते हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं अन्य तिथियां उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती हैं।

क्र.	ई-टेण्डर क्रमांक	ग्रुप	विकास-खण्ड	स्थान जहाँ कार्य कराया जाना है	अनु. लागत (लाख में)	प्रतिभूति की राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2020_TAD_122625	Group-A	ठीकरी	शा. आदिवासी बालक उत्कृष्ट छात्रावास ठीकरी में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80	35200/-	5000/-	उपयुक्त	04 Month
2.			ठीकरी	शा. उ.मा.वि. बरुफाटक में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.60				
3.			ठीकरी	शा. उ.मा.वि. हरिबड़ में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80				
			योग		**35.20**				
4.	2020_TAD_122626	Group-B	ठीकरी	शा. आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास मण्डवाड़ा में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.60	44000/-	5000/-	उपयुक्त	04 Month
5.			ठीकरी	शा. आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास अंजड़ में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80				
6.			ठीकरी	शा. कन्या उ.मा.वि. अंजड़ में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.60				
			योग		**44.00**				
7.	2020_TAD_122627	Group-C	बड़वानी	शा. आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास मेणीमाता में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80	35200/-	2000/-	उपयुक्त	04 Month
8.			बड़वानी	शा. आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास तलवाड़ाबुजुर्ग में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80				
			योग		**17.60**				
9.	2020_TAD_122628	Group-D	बड़वानी	शा. उ.मा.वि. भवती में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.60	35200/-	5000/-	उपयुक्त	04 Month
10.			बड़वानी	शा. कन्या हाईस्कूल बड़वानी में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.60				
			योग		**35.20**				
11.	2020_TAD_122629	Group-E	पानसेमल	शा. कन्या उ.मा.वि. निवाली में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80	35200/-	2000/-	उपयुक्त	04 Month
12.			पानसेमल	शा. कन्या उ.मा.वि. खेतिया में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80				
			योग		**17.60**				
13.	2020_TAD_122630	Group-F	पाटी	शा. आदिवासी कन्या आश्रम डोंगरगांव में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80	35200/-	2000/-	उपयुक्त	04 Month
14.			पाटी	शा. आदिवासी बालक उत्कृष्ट छात्रावास पाटी में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80				
			योग		**17.60**				
15.	2020_TAD_122631	Group-G	राजपुर	शा. आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास ओझर में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80	35200/-	2000/-	उपयुक्त	04 Month
16.			राजपुर	शा. आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास नागलवाड़ी में 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	8.80				
			योग		**17.60**				
17.	2020_TAD_122632	Group-H	सेंधवा	शा. उ.मा.वि. बरला में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.60	35200/-	5000/-	उपयुक्त	04 Month
18.			सेंधवा	शा. उ.मा.वि. चाचरियापाटी में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.60				
			योग		**35.20**				
19.	2020_TAD_122633	Group-I	सेंधवा	शा. बालक उत्कृष्ट विद्यालय सेंधवा में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.60	35200/-	2000/-	उपयुक्त	04 Month
			योग		**17.60**				

ऑनलाइन निविदा क्रय करने की **अंतिम तिथि दिनांक 18.02.2021 को सायं 5.30 बजे तक** नियत की गई है।
जी-18721/45181/2021 **सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, बड़वानी**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, देवास (म.प्र.)

सिविल लाईन, मेडकी रोड देवास दूरभाष (07272) 251573, ई-मेल - eepheddew@yahoo.com

क्रमांक/266/लेखा/निविदा/का.यं./खण्ड/2021 **देवास, दिनांक : 08.02.2021**

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम)

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेंडरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देवास जिले के विकासखण्ड टोंकखुर्द एवं सोनकच्छ के विभिन्न ग्रामों में 'जल जीवन मिशन' अंतर्गत विभिन्न शालाओं एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में पेयजल व्यवस्था के कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा क्रमांक/दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकास-खण्ड	ग्रामों की संख्या	निविदा की कुल लागत (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
161 से 165/2020-21, दिनांक 08.02.2021	2020_PHED_127891_1	टोंकखुर्द	26	87.05	87050/-	10000/-	02 माह वर्षाऋतु सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
	2020_PHED_127903_1		31	83.93	83930/-	10000/-		
	2020_PHED_127968_1		27	88.13	88130/-	10000/-		
	2020_PHED_127973_1		11	80.12	80120/-	10000/-		
	2020_PHED_127977_1		10	71.28	71280/-	10000/-		
166 से 173/2020-21, दिनांक 08.02.2021	2020_PHED_127986_1	सोनकच्छ	18	84.79	84790/-	10000/-	02 माह वर्षाऋतु सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
	2020_PHED_137992_1		17	81.14	81140/-	10000/-		
	2020_PHED_128007_1		17	81.76	81760/-	10000/-		
	2020_PHED_128034_1		18	79.38	79380/-	10000/-		
	2020_PHED_128060_1		15	76.54	76540/-	10000/-		
	2020_PHED_128155_1		13	80.63	80630/-	10000/-		
	2020_PHED_128166_1		18	83.31	83310/-	10000/-		
	2020_PHED_128176_1		11	66.47	66470/-	10000/-		

ऑनलाइन निविदा फॉर्म क्रय करने की **अंतिम तिथि 24.02.2021, 17.30 बजे तक।** ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 24.02.2021, 17.30 बजे तक। ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि 26.02.2021, 14.30 बजे। निविदा का विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। यदि निविदा में कोई संशोधन होता है तो वेबसाइट पर देखा जा सकता है, उसका पृथक से प्रकाशन नहीं होगा।
जी-18813/45188/2021 **कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, देवास**

मंत्रिपरिषद के निर्णय

बनी (हरबाखेड़ी) मध्यम सिंचाई परियोजना के लिये प्रशासकीय स्वीकृति

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में बनी (हरबाखेड़ी) मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए 93 करोड़ 75 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी। परियोजना से 3 हजार 50 हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी।

मंत्रिपरिषद ने आदिम जाति कल्याण विभाग का नाम बदलकर जनजातीय कार्य विभाग करने का भी निर्णय लिया।

मंत्रिपरिषद ने राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड छः क्रमांक 4 परिशिष्ट-1 में वन्य-प्राणियों द्वारा भी मकान पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से क्षत्रिग्रस्त होने पर आर्थिक अनुदान सहायता दी जाने का प्रावधान जोड़े जाने की मंजूरी दी। वर्तमान में इस परिशिष्ट में किसी भी प्रकार के प्राकृतिक प्रकोप या आग लगने के कारण मकान पूर्ण/आंशिक रूप से नष्ट होने पर अनुदान सहायता का प्रावधान था।

इसी प्रकार राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड छः क्रमांक 4 परिशिष्ट-1 में वर्तमान में प्राकृतिक प्रकोप या अग्नि दुर्घटना के कारण पीड़ित परिवार के कपड़े, खाद्यान्न एवं बर्तनों की हानि के लिए प्रति परिवार के मान से 5 हजार रुपये का आर्थिक अनुदान, 50 किलोग्राम खाद्यान्न (गेहूं/चावल) एवं 5 लीटर केरोसीन तात्कालिक सहायता के रूप में देने का प्रावधान है। मंत्रिपरिषद ने इसके साथ वन्य-प्राणियों द्वारा हुई क्षति को भी जोड़ने की मंजूरी दी।

आपदाओं के दृष्टिगत, पीड़ितों को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने के लिये एसडीआरएफ (स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फण्ड) से राशि व्यय के संबंध में भारत शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुक्रम में ऐसे मद, जिनके विषय में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, को भी भारत शासन के एस.डी.आर.एफ. के संबंध में जारी निर्देशों के आधार पर शामिल करने का प्रावधान किया गया है।

राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड छः क्रमांक 4 में वर्तमान प्रावधान देय अनुदान सहायता से कम मूल्य की फसल क्षति हुई हो तो अनुदान सहायता उस मूल्य के बराबर देय होगी, किंतु एक कृषक को सभी फसलों के मामलों में राशि देय 5 हजार रुपये से कम नहीं होगी। इसके स्थान पर मंत्रिपरिषद ने उपरोक्तानुसार देय अनुदान सहायता से कम मूल्य की फसल क्षति हुई हो तो अनुदान सहायता उस मूल्य के बराबर देय होगी। प्रत्येक खाते के लिये सभी फसलों के मामले में देय राशि 5 हजार रुपये से कम नहीं होगी। प्रतिस्थापित करने की मंजूरी दी।

राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत वर्तमान प्रावधान के कारण देय फसल हानि की सहायता फसल के मूल्य के कई गुना अधिक है। ऐसे प्रकरण जहां अनुदान सहायता से कम मूल्य की फसल क्षति हुई हो, में उपरोक्तानुसार देय अनुदान सहायता से कम मूल्य की फसल क्षति हुई हो तो अनुदान सहायता उस मूल्य के बराबर देय होगी। मंत्रिपरिषद ने प्रत्येक खाते के लिये सभी फसलों के मामले में देय राशि 5 हजार रुपये से कम नहीं होगी, प्रावधानित करने की भी मंजूरी दी।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग और आईआईएम इंदौर के बीच एमओयू

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह की उपस्थिति में नगरीय निकायों के अधिकारियों और कर्मचारियों के क्षमता संवर्धन और उन्हें तकनीकी सहयोग देने के उद्देश्य से नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आईआईएम, इंदौर के साथ एमओयू किया गया है।

इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा है कि हमारा विभाग आईआईएम के सहयोग से नगरीय विकास के कार्यों में उत्कृष्टता लायेगा। इससे प्रदेश के नागरिक लाभान्वित होंगे।

आईआईएम, इंदौर के डायरेक्टर श्री हिमांशु राय ने कहा कि हमें उद्देश्य, उत्तरदायित्व और उत्कृष्टता पर कार्य करना है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के साथ मिलकर हम मध्यप्रदेश को शहरों के विकास के क्रम में शिखर पर ले जायेंगे।

प्रत्येक जिले में युवाओं को रोज़गार दिलाने के लिये बनायें कार्ययोजना

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कलेक्टर, कमिश्नर, आईजी और एसपी स्तर के अधिकारियों से संवाद करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में प्रति माह एक लाख लोगों को रोज़गार मिले ऐसी व्यवस्था करना आवश्यक है। इसके लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करना जरूरी है, जिससे यहां के विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हो सके। रोज़गार, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का प्रमुख स्तम्भ है। प्रत्येक जिला अपने परिवेश के अनुसार अधिक से अधिक युवाओं को रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना बनायें और उसे समय-सीमा में क्रियान्वित करें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से सभी कमिश्नर, कलेक्टर, आई.जी. तथा एसपी स्तर के अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वितीय सत्र को संबोधित करते हुये कहीं।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2021

मुख्यमंत्री ने कहा कि सफाई कर्मियों के वेतन भुगतान में किसी भी स्थिति में विलंब न हो। उन्होंने कहा कि सभी जिले स्वच्छता के लिये अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों के सहयोग से प्रयास करें। स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाना आवश्यक है। समीक्षा में छतरपुर में चले 168 घंटे के सफाई अभियान और इंदौर में सीवेज सुधार की दिशा में हुये कार्य पर चर्चा हुई।

गौ-सेवा योजना

श्री चौहान ने कहा कि छोटी गौ-शालाओं को मिलाकर बड़ी गौ-शाला का निर्माण किया जाये। प्रत्येक जिले में एक आदर्श गौ-शाला विकसित हो और सभी गौ-शालाओं में पशुधन के लिए चारे व पानी की निरंतर व्यवस्था बनाये रखें। गौ-मूत्र एवं गोबर का उचित उपयोग कर विभिन्न उत्पाद निर्मित किये जायें।

रोज़गार मेले

बैठक में जानकारी दी गई की गत वर्ष 197 रोज़गार मेलों का आयोजन किया गया। इनमें 53 हजार 329 आवेदकों को रोज़गार प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोज़गार सेतु पोर्टल के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों के साथ-साथ अन्य इच्छुक व्यक्तियों के पंजीयन की व्यवस्था की जाये।

वनाधिकार पट्टा

मुख्यमंत्री ने कहा है कि वन भूमियों में काबिज गरीब, अनुसूचित जनजाति और परंपरागत वनवासियों को वन अधिकार पट्टा देने में संवेदनशीलता से कार्य किया जाए। कई परिवारों के पास भूमि में कब्जे का कोई भी दस्तावेज नहीं होता है। ऐसे प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ जांच कर वन अधिकार पट्टे प्रदान किए जाएं।

ग्राम पंचायत में प्रदर्शित की जाए किसानों की सूची

श्री चौहान ने कहा कि गेहूं के उपार्जन की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं। किसानों को परेशानी नहीं हो। उन्हें समय पर भुगतान मिले। उपार्जन के दौरान मौसम खराब होने पर बारिश होती है। ऐसे में गेहूं भीगे नहीं, इसके लिए भी इंतजाम करें।

जल-जीवन मिशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल-जीवन मिशन के अंतर्गत सितंबर 2023 तक मध्यप्रदेश के प्रत्येक गांव के प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य प्राप्त करना है। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम से ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधरेगा और स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोज़गार के अवसर सृजित होंगे। इस समय मिशन के कार्यों में प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। 26 लाख नल कनेक्शन 31 मार्च 2021 तक लग जाएंगे।

अटल भू-जल मिशन

अटल भू-जल मिशन के तहत सागर संभाग के 6 जिलों छतरपुर, दमोह, पन्ना, सागर, निवाड़ी और टीकमगढ़ के 9 विकासखंडों नौगांव, राजनगर, छतरपुर, पथरिया, अजयगढ़, सागर, निवाड़ी, पलेरा और बल्देवगढ़ को शामिल किया गया है। योजना के तहत 1210 ग्रामों का वाटर सिक्योरिटी प्लान बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जन-प्रतिनिधियों के सहयोग से भू-जल स्तर बढ़ाने की इस योजना का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मानव सेवा एवं सद्विचारों का प्रकटीकरण है आरोग्यधाम चिकित्सालय - मुख्यमंत्री

ग्वालियर, दूसरों की भलाई से बढ़कर कोई धर्म नहीं, पूरी पृथ्वी एक परिवार के समान है, हर प्राणी के प्रति सद्भावना और सम्पूर्ण जगत के कल्याण की भावना रखना हमारे देश की संस्कृति और सभ्यता का यह मूलभाव है। आरोग्यधाम चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र इन सभी सद्भावों का प्रकटीकरण है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर में आरोग्यधाम के 11वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने आरोग्यधाम परिसर में नवीन आईसीयू ब्लॉक का लोकार्पण भी किया।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार भी शिक्षा एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार सेवाभावी निजी अस्पतालों के साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में भी काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर भरोसा दिलाया कि आरोग्यधाम की चिकित्सा सेवाओं के विस्तार में मध्यप्रदेश सरकार पूर्ण सहयोग देगी।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री सुरेश सोनी ने कहा कि वर्तमान दौर में टोटल हेल्थ (सम्पूर्ण स्वास्थ्य) की अवधारणा को प्रमुखता दी जा रही है। चिकित्सालयों का दायित्व है कि रोगियों का उपचार करने के साथ-साथ उन्हें जागरूक करें। श्री सोनी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कालखण्ड में भारत ने सारी दुनिया में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। भारत दुनिया के लगभग एक सैकड़ा देशों को कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति करने जा रहा है। साथ ही पड़ोसी देशों को भारत ने निःशुल्क वैक्सीन देकर यह दर्शाया है कि दीन-दुखियों की सेवा भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ग्वालियर में आरोग्यधाम चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुये।

सेवाभावी नागरिकों का किया सम्मान

आरोग्यधाम अस्पताल में निःशुल्क सेवायें देने वाले चिकित्सकों एवं समाजसेवियों को मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इनमें देश के जाने-माने कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश भूरानी, आर्किटेक्चर श्री राजेश गुप्ता तथा डॉ. तरुण मित्तल तथा डॉ. मनीष सिंघल की माताश्री शामिल हैं।

श्रीमती शांति देवी ने अस्पताल को दान की एक करोड़ की राशि

आरोग्यधाम चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में सहयोग के लिये लोग आगे आ रहे हैं। चिकित्सालय के 11वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर श्रीमती शांति देवी सिंघल ने एक करोड़ रुपये की राशि अस्पताल को दान में दी।

नर्सरियों के विकास के लिये नोडल अधिकारियों को दी जायेगी जिम्मेदारी

भोपाल, उद्यानिकी विभाग की नर्सरियों को ए, बी और सी तीन श्रेणियों में रखा जायेगा। नर्सरियों के लिये नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया जायेगा। नोडल अधिकारी निर्धारित मानकों के अनुसार नर्सरियों का विकास करेंगे। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने भोपाल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के रोडमैप में निर्धारित किये गये कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुये कही।

राज्यमंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत मॉडल विकासखण्डों के लिये भी नोडल अधिकारी बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारियों को दायित्व सौंपे जायें, उन्हें नर्सरियों और विकासखण्डों के विकास की योजना को क्रियान्वित करने का अधिकार दिया जाये।

राज्यमंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि नर्सरियों की विकास योजनाओं को स्वीकृति देते समय वरिष्ठ अधिकारी नोडल अधिकारियों द्वारा दी गई अनुशंसाओं को ध्यान में रखें। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलों के उत्पादन से जुड़े किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिये जरूरी है उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में वृद्धि करने के उपाय किये जायें।

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय 134 नये केंद्र खोलेगा

भोपाल, मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 134 शासकीय महाविद्यालयों में नये अध्ययन केंद्र खोले जायेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के नवीन अध्ययन केंद्र स्थापित किये जाने की अनुमति प्रदान की गई है। इन शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं कुल सचिव, मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के मध्य अनुबंध निष्पादन करने के लिये 16 फरवरी को मिंटो हॉल में कार्यक्रम आयोजित होगा।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, आयुक्त, समस्त अतिरिक्त संचालक, भोपाल स्थित विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं कुलसचिव को आमंत्रित किया गया है।

कुलपति डॉ. जयंत सोनवलकर की अध्यक्षता में अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए विभिन्न समितियां गठित कर उनकी जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एसीसी सीमेंट प्लांट से पांच हजार लोगों को मिलेगा रोज़गार - मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश में उद्योगों में 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कटनी जिले में एसीसी सीमेंट के एक प्रोजेक्ट का शिलान्यास करते हुये।

कटनी, हमारा उद्देश्य आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करना है। मुझे प्रसन्नता है कि एसीसी के लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की लागत के प्लांट का भूमिपूजन हो रहा है। मार्च 2022 तक यह प्रोजेक्ट पूरा हो जायेगा। सरकार तेज गति से विकास कर रही है। उद्योगों से रोज़गार मिलेगा। खेती भी रोज़गार सृजित करती है। कटनी जिला माइनिंग की खान है। इस प्लांट से लगभग 5 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार मिलेगा, जिसमें 75 प्रतिशत स्थानीय युवा होंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कटनी जिले के कैमोर के ग्राम अमेहटा में एसीसी लिमिटेड की नवीन इकाई का भूमिपूजन करते हुये कहीं।

गांव में खोली जाये आईटीआई

मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसविलिटी के तहत सरकार और एसीसी मिलकर गांव में आईटीआई खोलें। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे अपना कौशल विकास करें। सरकार उद्योगों के लिये स्किल्ड मैन पॉवर उपलब्ध करायेगी। इस क्षेत्र में माइनिंग की विशेष संभावनाएं हैं। यहां माइनिंग एवं प्रोसेसिंग के माध्यम से रोज़गार के अवसर बढ़ाये जा सकते हैं।

आर्थिक दशा बदलेगा यह प्लांट

श्री चौहान ने कहा कि एसीसी का यह प्लांट इस क्षेत्र की आर्थिक दशा बदल देगा। यह पर्यावरण फ्रेंडली है तथा इसमें अंडरग्राउंड वॉटर का प्रयोग नहीं होगा। साथ ही 33 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन बेल्ट रहेगा।

बाईपास बनवाया जायेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैमोर, विजयराघवगढ़ तथा बरही बाईपास निर्माण की व्यवस्था की जायेगी। पिपरिया-बादावन-सुडरी-खतौली मार्ग को भी सुधारा जायेगा।

बहादुर बेटी अर्चना केवट का सम्मान किया

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में बहादुर बेटी अर्चना केवट का सम्मान किया तथा सिर पर हाथ रखकर उसे आशीर्वाद दिया। अर्चना को सरकार की ओर से 51 हजार रुपये की सम्मान निधि दी जायेगी। अर्चना द्वारा बदमाशों को ठिकाने लगाने में अदम्य साहस का परिचय दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्चना महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। बाकी बेटियों को भी अर्चना से प्रेरणा लेनी चाहिए।

मुस्कान अभियान में 40 बेटियां वापस आई

श्री चौहान ने प्रदेश में चलाये जा रहे मुस्कान अभियान के अन्तर्गत 40 बेटियों को सकुशल उनके घर वापस लाने पर पुलिस प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बेटियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम बेटियों की ओर नजर उठाकर देखने वालों को किसी भी हालत में नहीं छोड़ेंगे।

40 मिनट में दी स्वीकृति

खनिज एवं श्रम मंत्री श्री वृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि अमेहटा में एक बड़े प्रोजेक्ट का भूमिपूजन हुआ है। इसका एमओयू मुख्यमंत्री श्री चौहान की उपस्थिति में साइन हुआ था, जिसकी स्वीकृति 40 मिनट में दे दी गई थी। प्रदेश में औद्योगिक नीति तैयार है, जिसके अन्तर्गत उद्योगों में 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा।

मध्यप्रदेश में निवेशकों को सुविधाएं

सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार निवेशकों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं दे रही हैं। मध्यप्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। एसीसी ने यहां लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की लागत से प्लांट लगाकर बड़ा कार्य किया है। साथ ही अपना सामाजिक उत्तरदायित्व भी निभाया है।

मंथन-2021

स्वास्थ्य सेवाओं में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का बनेगा रोडमैप

भोपाल, वर्तमान परिदृश्य में तेजी से बदलती चिकित्सकीय आवश्यकताओं, शैक्षणिक प्रगति और तकनीकी क्रांति के बीच, प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भोपाल में दो दिवसीय मंथन-2021 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मार्च 2021 में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की रूपरेखा पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा मंत्रीमंडल के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया गया।

शोधकर्ता, चिकित्सक से लेकर वार्ड बॉय तक होंगे सम्मिलित

प्रस्तुतीकरण में जानकारी दी गई कि मंथन-2021 में प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए ईज ऑफ हेल्थ सर्विसेज के प्रमुख संकेतक निर्धारित किए जाएंगे। इसमें चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े उच्च अधिकारियों से लेकर वार्ड बॉय, सुरक्षाकर्मी, प्राइवेट संस्थान के प्रतिनिधि तथा विषय-विशेषज्ञ शामिल होंगे। चिकित्सा शिक्षक, चिकित्सक, शोधकर्ता, वैज्ञानिक, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े प्रोजेक्ट मैनेजर और वित्तीय सलाहकार, पैरामेडिकल क्षेत्र के प्रतिनिधि, चिकित्सकीय सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मंथन-2021 में शामिल होंगे। साथ ही यूनिसेफ, डब्ल्यू.एच.ओ. और वर्ल्ड बैंक जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि भी सहभागिता करेंगे।

8 समूह करेंगे विचार-मंथन

चिकित्सा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से चिकित्सा शिक्षा, शोध और स्वास्थ्य से संबंधित 8 विषयों को शामिल किया गया है। इन विषयों पर 8 समूहों का गठन किया जाएगा। प्रत्येक समूह में 10 से 12 प्रतिभागी होंगे। प्रत्येक समूह परस्पर चर्चा और सुझाव के बाद अपना प्रस्तुतीकरण देगा। इन सुझावों और विचारों के आधार पर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए आगामी तीन वर्षों का रोडमैप तैयार किया जाएगा।

मंथन-2021 के प्रमुख 8 विषय

- चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रकल्प तैयार करना।
- चिकित्सा छात्र, चिकित्सक और अन्य संवर्गों के कल्याण के लिए मानक तय करना।
- नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए ईज ऑफ हेल्थ के संकेतक निर्धारित करना।
- पेशेंट सेफ्टी एवं चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता के लिए मानक तय करना।
- नवीनतम आई.टी. एवं ए.आई. आधारित तकनीक और चिकित्सा यांत्रिकी के उपयोग को प्रोत्साहन।
- चिकित्सकीय मानव संसाधन की क्षमता वृद्धि एवं अधोसंरचना विकास के आयाम का निर्धारण।
- सामाजिक समावेश, सहभागिता, सीएसआर एवं पीपीपी मॉडल को चिकित्सकीय क्षेत्र में आत्मसात करना।
- प्रदेश में मेडिकल रिसर्च को बढ़ावा देना।

इसके अलावा चिकित्सकीय शोध को चिकित्सा करिकुलम के साथ जोड़ने, रूरल हेल्थ रिसर्च, मूल्य आधारित चिकित्सा पद्धति को आत्मसात करने के लिए मेडिकल एथिक्स मापदंड को निर्धारित करने और राष्ट्रीय शोध संस्थानों आईसीएमआर, डीआरडीओ, डीबीटी, सीएसआईआर के साथ शोध समन्वय की दिशा में भी प्रयास होंगे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति गठित

भोपाल, मध्यप्रदेश में वर्ष 2018 में समर्थन मूल्य पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य से अधिक उपार्जित की गई उड़द के निस्तारण की कार्यवाही के लिये मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति में कृषि उत्पादन आयुक्त, प्रमुख सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास, वित्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, सहकारिता और प्रबंध संचालक राज्य सहकारी विपणन संघ रहेंगे।

नए उच्च-दाब बिलिंग सॉफ्टवेयर से एचटी बिलिंग शुरू

भोपाल, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग द्वारा उच्च-दाब न्यू जनरेशन बिलिंग सॉफ्टवेयर का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रदेश के लगभग 7 हजार 800 उच्च-दाब उपभोक्ताओं की बिलिंग की जा सकेगी।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की आई.टी. टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि उच्च-दाब उपभोक्ताओं से वितरण कंपनियों को कुल राजस्व का 50 प्रतिशत मिलता है। उच्च-दाब उपभोक्ताओं का प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है। इससे इन्हें भी सहूलियत होगी।

'वैद्य आपके (मरीज के) द्वार' योजना होगी प्रारंभ

भोपाल, आयुष राज्यमंत्री श्री रामकिशोर कांवरे ने जिला आयुष कार्यालय बालाघाट में जिले के आयुष चिकित्सकों एवं कंपाउंडरों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुये कहा कि आयुष विभाग 'वैद्य आपके (मरीज के) द्वार' योजना पर तेजी से काम कर रहा है। बहुत जल्दी यह योजना लागू होगी और मरीजों को आयुर्वेद पद्धति से उपचार की घर पहुंच सेवा दी जायेगी।

श्री कांवरे ने कहा कि आयुष चिकित्सक आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को जन-जन में लोकप्रिय एवं विश्वसनीय बनाने के लिए कार्य करें। आयुष चिकित्सक अपने दायित्वों का ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं शिष्टाचार के साथ निर्वहन करें। आमजन के लिए आयुर्वेद के दूत बनकर कार्य करें।

श्री कांवरे ने कहा कि चिकित्सकों का काम सेवा करना है। वर्तमान में चिकित्सक ही ईश्वर का रूप हैं। सभी आयुष चिकित्सक आम जन एवं मरीजों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क बनाये रखें। जिले के सभी वेलनेस सेंटर एवं आयुष ग्राम की अवधारणा को साकार करना आयुष चिकित्सकों का काम है। स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना ही वेलनेस सेंटर का लक्ष्य है। इसके लिए योग, प्राणायाम, आहार-विहार एवं औषधीय पौधों के प्रति आम जन में जागरुकता लाने का काम आयुष चिकित्सकों को करना है।

आयुष राज्यमंत्री श्री रामकिशोर कांवरे ने आयुष चिकित्सकों से कहा कि आयुष विभाग के शासकीय सेवकों के समयमान वेतन, परीविक्षा अवधि एवं अन्य समस्याओं का उनके द्वारा निराकरण कराया जा रहा है।

नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों को बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न बनायें

भोपाल, शिक्षा को रोज़गार एवं स्व-रोज़गार से जोड़ना आज की आवश्यकता है। हमारा प्रयास है कि हम अपने विद्यार्थियों को न केवल परंपरागत शिक्षा से जोड़ें अपितु उन्हें नवाचारों के माध्यम से बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न भी बनायें। सकारात्मक होकर आगे बढ़ेंगे तो हमारे प्रयास निश्चित रूप से सुपरिणामदायी होंगे। यह विचार प्रशासन अकादमी में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत आयोजित अल्पावधि स्व-रोज़गारोन्मुखी ऑनलाइन प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने व्यक्त किए। प्रदेश के इतिहास में पहली बार आयोजित इस प्रकार के प्रशिक्षण में 18 हजार 666 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के तहत ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान युवाओं के जीवन में नया संकल्प और सवेरा लाने के लिये लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान उच्च शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन प्रयोगों द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मध्यप्रदेश की ऑनलाइन उच्च शिक्षा प्रणाली का अन्य राज्यों ने भी अनुसरण किया है।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने कहा कि वर्तमान समय में बाजार की जरूरत के मुताबिक पाठ्यक्रमों में बदलाव जरूरी है।

अपर आयुक्त उच्च शिक्षा श्री चंद्रशेखर बालिम्बे, आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी की संचालक श्रीमती सोनाली पोक्षे वायंगणकर, निदेशक स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना डॉ. उमेश कुमार सिंह और डॉ. प्रमोद चतुर्वेदी उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के वर्चुअल केन्द्रों वाले 100 महाविद्यालयों सहित 498 महाविद्यालयों के पंजीकृत विद्यार्थी, उनके मेंटर शिक्षक, संभाग एवं जिले के नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य भी जुड़े रहे।

अनिवार्य और वैकल्पिक विषयों पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल के माध्यम से 25 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। अनिवार्य विषयों में व्यवहारगत कौशल, संगणक कौशल और उद्यमिता कौशल प्रशिक्षण, उन्नत कृषि कौशल, ई-कॉमर्स ऑनलाइन बैंकिंग, बुनकर छापा कला, कराधान, खाद्य पदार्थ निर्माण एवं प्र-संस्करण, खान-खनिज संबंधी स्व-रोज़गार, पत्रकारिता एवं अनुवाद, पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन, पशुधन, कुक्कुट, मधुमक्खी और मत्स्य-पालन, सौर ऊर्जा संयंत्र संधारण एवं विपणन को शामिल किया गया है।

प्रशिक्षण के बाद 6 घंटे का फील्ड विजिट आयोजित किया जाएगा तथा 4 घंटे का ऑनलाइन टेस्ट भी आयोजित किया जायेगा। उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाएंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

स्ट्रीट वेंडर्स को मिलने वाले बैंक ऋण की मंजूरी में न हो विलंब

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में भारतीय स्टेट बैंक के उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक (मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़) श्री उमेश पांडे ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्ट्रीट वेंडर्स के लिए लागू ऋण योजनाओं की तत्परता से मंजूरी का आग्रह किया। विशेष रूप से स्व-निधि योजना, जिसे प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि भी कहा जाता है, पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के प्रकरणों की स्वीकृति और योजना के क्रियान्वयन के बारे में भी बातचीत हुई। श्री चौहान ने कहा कि राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की अगली बैठक में योजना के अंतर्गत राशि के वितरण की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्ट्रीट वेंडर योजना गरीबों के कल्याण की योजना है। छोटे व्यवसायी जो शहरों और गांवों में रेहड़ी और सड़क किनारे गुमटी या ठेला लगाकर छोटा-मोटा व्यवसाय करते हैं, उन्हें आसानी से ऋण सहायता मिले, इसके लिए प्रयास बढ़ाये जायें। वर्तमान में ऐसे प्रकरणों में स्वीकृति में देरी होने की शिकायतें कुछ जिलों से प्राप्त हुई हैं। लघु व्यवसाय से जुड़े जरूरतमंद लोगों को सरलता से ऋण राशि मिले, यह प्रयास बैंक शाखा स्तर पर किया जाये। साथ ही इन हितग्राहियों से प्राप्त ऋण की अदायगी भी हो, इसके लिए सरकार और बैंक स्तर पर संयुक्त प्रयास किये जायें। इससे ऐसे हितग्राहियों को फिर से ऋण दिए जाने का कार्य आसान होगा। श्री चौहान ने कहा छोटे स्तर पर व्यवसाय करने वाले विक्रेता, ऋण से संबंधित मापदंड के तकनीकी पहलू नहीं जानते हैं। अतः बैंक स्तर पर उनकी शिकायतों को दूर किया जाना चाहिए।

मुख्य महाप्रबंधक श्री उमेश पांडे ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि इस कार्य में विलंब नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा। भारतीय स्टेट बैंक मुख्यालय द्वारा छोटे व्यवसाइयों की ऋण योजनाओं की अविलंब स्वीकृति के लिए सभी बैंक शाखाओं को निर्देशित किया गया है। भारतीय स्टेट बैंक गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। श्री चौहान से भेंट के दौरान भारतीय स्टेट बैंक के जनरल मैनेजर श्री राजेश सक्सेना भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि पीएम स्व-निधि ऋण योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में सभी राज्यों से आगे है। इसी तरह मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना में भी अच्छे परिणाम प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

योजना में ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे-छोटे स्ट्रीट वेंडर्स जैसे फल, सब्जी, आइसक्रीम, ब्रेड, बिस्किट विक्रेता, जूते-चप्पल, झाड़ू बेचने वाले, साइकिल रिपेयरिंग करने वाले, बढ़ई, कुम्हार, बुनकर, धोबी और टेलर आदि को 10-10 हजार रुपये का ब्याज रहित ऋण उनके कार्य के उन्नयन के लिए दिलवाया जाता है। क्रेडिट गारंटी राज्य शासन देता है। साथ ही स्टाम्प ड्यूटी भी नहीं लगती। योजना में 18 से 55 वर्ष की आयु का ग्रामीण पथ व्यवसायी लाभ ले सकता है।

स्व-सहायता समूहों को हर माह 150 करोड़ रुपये देने की व्यवस्था

ग्वालियर, मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्व-सहायता समूहों को हर माह 150 करोड़ रुपये देने की व्यवस्था सरकार ने की है। आगे भी समूहों को सहायता मिलती रहेगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' पर केंद्रित प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं से कहीं।

ग्वालियर स्थित मोतीमहल परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 'लोकल फॉर वोकल' के तहत ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये किए गए प्रयास एवं ग्वालियर जिले के लिए 'एक जिला एक उत्पाद' के तहत चिन्हित सैण्ड स्टोन टाइल्स, स्मार्ट सिटी के तहत किए गए महत्वपूर्ण कार्य, ग्वालियर शहर को स्वच्छता में अव्वल बनाने के लिये किए जा रहे प्रयास तथा अमृत योजना के तहत हो रहे सीवर और पेयजल के कामों को प्रदर्शित किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य आजीविका मिशन और जिला पंचायत द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी सराहनीय है।

मुख्यमंत्री को प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान समूह से जुड़ी श्रीमती प्रियंका राजपूत ने बताया कि आपके निर्देशन में स्व-सहायता समूह आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही समूह की सभी बहनों के आधार-कार्ड बनाए जा चुके हैं। श्री चौहान ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत एक जिला एक उत्पाद सैण्ड स्टोन टाइल्स के प्रोडक्ट के माध्यम से लगाई गई प्रदर्शनी सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्टोन के कार्य और गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाये। ग्वालियर में स्टोन का अच्छा काम हो रहा है। श्री चौहान ने स्मार्ट सिटी के अवलोकन के दौरान कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में ग्वालियर को पहले स्थान पर लाने के प्रयास किए जायें, जिससे स्वच्छता में ग्वालियर प्रदेश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सके। इस दौरान संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बताया कि तीन हजार लोगों को स्मार्ट सिटी में साथी बनाया जायेगा। इससे स्मार्ट सिटी की गतिविधियों को और आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य संस्थाओं में इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक सुविधाओं को बढ़ाएंगे

सीहोर, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने सीहोर जिले के कोठरी ग्राम में एक करोड़ 30 लाख रुपये लागत के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन एवं स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बनाये गये 'जी' टाइप एवं 'एच' टाइप आवासगृहों के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं के विस्तार करने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं।

डॉ. चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में हमारी गिनती अव्वल राज्यों में होनी चाहिए। प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने अस्पताल, उप स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं, निःशुल्क दवाइयां और जांच उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा की डॉक्टरों की कमी को जल्द ही पूरा किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आयुष्मान निरामय योजनान्तर्गत प्रदेश में दो करोड़ से अधिक कार्ड तैयार किये जा चुके हैं। योजना में 5 लाख तक का इलाज चिन्हित अस्पताल में कार्ड के द्वारा कैशलेस/निःशुल्क मिल रहा है। कोरोना महामारी में टीकाकरण में प्रदेश पहले स्थान पर है। अब फ्रंट लाइन वर्कर का भी टीकाकरण किया जायेगा।

विश्वविद्यालयों के शुल्क में रहे एकरूपता

भोपाल, मध्यप्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों से लिये जाने वाले संबद्धता, निरंतरता एवं स्थाई संबद्धता शुल्क में एकरूपता रहनी चाहिये। साथ ही विश्वविद्यालयों के परीक्षा समय में भी एकरूपता रहे, जिससे जुलाई-2021 से नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो सके। इसके लिये उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित किये जाने वाले कैलेण्डर का पालन सुनिश्चित होना चाहिये। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में आयोजित विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक में उक्त निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिये।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अपनी आय के स्रोत बढ़ायें, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के लिये राशि की व्यवस्था कर पेंशन का समय पर भुगतान किया जाये। विश्वविद्यालयों का निर्धारित अंशदान समय पर पेंशन फण्ड में जमा कराया जाये। विश्वविद्यालय यदि नये विषयों के पाठ्यक्रम प्रारंभ करना चाहते हैं, तो वे कर सकते हैं। साथ ही विश्वविद्यालय एवं उनके अंतर्गत संचालित महाविद्यालय स्थाई संबद्धता प्राप्त करने के लिये प्रयास करें।

डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों में लंबित अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का मानवीय संवेदनाओं के साथ समय-सीमा में निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सी.एम. हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों, महालेखाकार की लंबित ऑडिट आपत्तियों, विद्यार्थियों की शिकायतों आदि का निराकरण तत्परता से करें।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय एक पिछड़े

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

गांव को गोद लें, जिससे उसका विकास हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय उद्योग जगत से सम्पर्क कर विद्यार्थियों के प्लेसमेंट करने की कार्यवाही करें। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर पूरा ध्यान दें एवं शैक्षणिक संस्थानों को बेहतर बनाने की कोशिश करें।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि एवं मेडिकल के पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने के लिये प्रभावी प्रयास किये जायें।

श्री यादव ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के अंतर्गत दुरस्थ शिक्षा केंद्र खोले जाने पर भी चर्चा की।

रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहन दें निजी विश्वविद्यालय

भोपाल, नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखकर निजी विश्वविद्यालयों द्वारा रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाये। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रयास हो। विद्यार्थियों को रोज़गार देकर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये योगदान करें। यह बात उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत निजी विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक में कही।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि किसान परिवार के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिये निजी विश्वविद्यालयों को कृषि एवं पशु चिकित्सा संबंधी पाठ्यक्रमों को शुरू करने के प्रयास करने चाहिए। वागवानी, डेयरी और मत्स्य-पालन जैसे पाठ्यक्रमों का भी विद्यार्थियों को लाभ देने का प्रयास किया जाये। डॉ. यादव ने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में निजी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय खोलने के प्रयास किये जायें, जहां उनकी संख्या कम है। उन्होंने कहा कि निजी विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये संभावनाएं तलाशें। उनकी कठिनाइयों का पूरा निराकरण करने का प्रयास किया जायेगा।

प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के 2.49 लाख विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति

भोपाल, मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने इस वर्ष अब-तक 2 लाख 49 हजार विद्यार्थियों को 325 करोड़ 23 लाख रुपये की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति स्वीकृत कर वितरित कर दी है।

यह छात्रवृत्ति पिछड़ा वर्ग के कक्षा 11वीं, 12वीं स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। पिछड़ा वर्ग के कक्षा 11वीं एवं 12वीं की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का वितरण का कार्य स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से किया गया।

40 विद्यार्थियों को मिला विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति का फायदा

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा इस वर्ष 40 विद्यार्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति का फायदा पहुंचाया गया है। इन विद्यार्थियों को विभाग द्वारा 10 करोड़ 41 लाख रुपये की राशि विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के रूप में दी गई है। इसमें नवीनीकरण की राशि भी शामिल है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन के लिये प्रतिष्ठित संस्थानों में जाने के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं। चयनित विद्यार्थियों की फीस समेत उनके रहने की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा वहन की जा रही है।

मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना

विभाग द्वारा प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिये मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना संचालित की जा रही है। योजना के माध्यम से कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में जिले में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले दो छात्र एवं दो छात्राओं को चयनित किया जाता है।

कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र एवं एक छात्रा को 5-5 हजार रुपये और बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र एवं एक छात्रा को 12-12 हजार रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जा रही है। इस वर्ष 208 मेधावी विद्यार्थियों का चयन कर लिया गया है।

ट्राइडेंट समूह ने मध्यप्रदेश में नवीन क्षेत्रों में निवेश की इच्छा जताई

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से ट्राइडेंट समूह के चेयरमैन श्री राजेंद्र गुप्ता और अन्य पदाधिकारियों ने भेंट की। यह समूह बुधनी में स्पिनिंग मिल का संचालन कर रहा है। साथ ही समूह नए निवेश प्रस्ताव के अनुसार कृषि आधारित कम्पोजिट मिल की स्थापना का इच्छुक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गत डेढ़ दशक में नवीन औद्योगिक निवेश के फलस्वरूप युवाओं को रोज़गार में आसानी हुई है। सशक्त अधोसंरचना से उद्योगों के विकास में सहयोग मिला है। उन्होंने ट्राइडेंट समूह द्वारा निवेश के नवीन प्रस्ताव पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उद्योग संवर्धन के लिए लागू नीति के प्रावधानों के अनुसार पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भव्या लाल

भारतवंशी नासा की कार्यकारी प्रमुख बनीं

भारतवंशी भव्या लाल नासा की कार्यकारी प्रमुख बनाई गई हैं। वे राष्ट्रपति बाइडेन के नासा में बदलाव संबंधी समीक्षा दल की सदस्य हैं। वे इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस एनालिसिस साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी इंस्टीट्यूट में 2005 से 2020 तक काम कर चुकी हैं। नासा के मुताबिक लाल के पास अभियांत्रिकी और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का व्यापक अनुभव है। भव्या लाल के पास बैचलर ऑफ साइंस तथा मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री है।

रसिक भाई

सब्जियों को सुनाते हैं तिब्बती संगीत

गुजरात में राजकोट के रसिक भाई शींगाला ने तिब्बती संगीत की मदद से सब्जियों में जीवन रस सींचने का प्रयोग शुरू किया है। वह 21 तरह की सब्जियों को म्यूजिक थैरेपी दे रहे हैं। रसिक भाई के मुताबिक परिवार के लोग समूह बनाकर रोजाना तिब्बती सुर साधते हैं। उन्होंने अब कीटनाशकों का प्रयोग भी बंद कर दिया है। रसिक भाई ने खेतों में स्पीकर लगाये हैं जिसमें 24 घंटे तिब्बती राग-गीत बजता है। सब्जियों के ऊपर किये अनूठे प्रयोग के सकारात्मक परिणाम देखने का मिल रहे हैं।

एयरलाइन जेटब्ल्यू

एयरबस ए 321 के जरिये शुरू करेगी लंदन के लिये फ्लाइट

अमेरिकी लो-कॉस्ट एयरलाइन जेटब्ल्यू गर्मियों के आगामी सीजन में लंदन के लिये अपनी पहली फ्लाइट शुरू करने वाली है। यह सर्विस एयरबस ए 321 के लॉन्ग-रेंज वर्जन के जरिये शुरू की जायेगी। इसमें 24 इंडिविजुअल मिंट सुईट्स होंगे, जिसमें फ्रंट में दो फर्स्ट क्लास मिंट स्टूडियो सुईट्स शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह किसी भी अमेरिकी एयरलाइन में सबसे बड़ा फ्लैट बैड है। असल में जेटब्ल्यू ने प्रीमियम मिंट केबिन को रीडिजाइन किया है। इनमें स्लाइडिंग डोर हैं, जिन्हें बंद किया जा सकता है।

नॉर्थम्पटनशायर

400 साल पुराने मुकुट का हिस्सा मिला

नॉर्थम्पटनशायर में तकरीबन 400 साल बाद किंग चार्ल्स के मुकुट का एक हिस्सा मिला है। ऐसा माना जा रहा है कि उनकी मौत के बाद उनके मुकुट को नष्ट कर दिया गया था। इसका पता लगाने वाले केविन डकेट ने इसे एक पेड़ के नीचे से मेटल डिटेक्टर की मदद से खोजा। डकेट के अनुसार मुकुट 1631 के चार्ल्स के चित्र पर आधारित है। डकेट इस साल की शुरुआत में हैम्पटन कोर्ट गये थे, वहां उन्होंने इस प्रतिकृति को देखा। यह 1422 में हेनरी-VI के शासनकाल का प्रतिनिधित्व करता है।

थाईलैंड

मछुआरे को मिला 2.5 करोड़ रुपये का मोती

थाईलैंड में एक मछुआरे को समुद्री तट पर 7.68 ग्राम का मोती मिला। इसकी कीमत 2.5 लाख पाउंड तकरीबन 2.5 करोड़ रुपये आंकी गई है। हचाई नाम के शख्स ने बताया कि उसे बीच पर एक शेल (सीप) मिला था। इसकी सफाई के दौरान नारंगी रंग का मोती मिला। इसकी कीमत सामने आने के बाद दूर-दूर से लोग इसे देखने आ रहे हैं।

कमला हैरिस

लिंकन मेमोरियल पर लगी तस्वीर

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मौजूद ऐतिहासिक लिंकन स्मारक के सामने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की कांच की तस्वीर लगाई गई है। अमेरिका की पहली महिला उपराष्ट्रपति बनने पर सम्मान स्वरूप उनकी यह तस्वीर लगाई गई है। यह तस्वीर उनके भव्य व्यक्तित्व का प्रतीक है। गौरतलब है कि कमला हैरिस पहली महिला उपराष्ट्रपति होने के साथ ही पहली अश्वेत उपराष्ट्रपति भी हैं।

तियानवेन-1

मंगल ग्रह की पहली तस्वीर भेजी

चीनी यान तियानवेन-1 ने मंगल ग्रह की अपनी पहली तस्वीर भेजी है। यह तस्वीर लाल ग्रह से करीब 22 लाख किलोमीटर दूर से ली गई है। चीन का यह यान गत वर्ष जुलाई में प्रक्षेपित किया गया था। इस माह मंगल की कक्षा में इसके पहुंचने की संभावना है। यह मंगल के वातावरण और वहां होने होने वाले बदलावों पर भी अध्ययन करेगा।

बैटमैन मूवी में

इस्तेमाल की गई कार की रेप्लिका की होगी बिक्री

ब्रिटेन के एक म्यूजियम में क्लासिक माइकल कीटोन बैटमोबाइल कार की रेप्लिका बिक्री के लिये रखी गई है। इसकी न्यूनतम कीमत 30 हजार पाउंड (करीब 30 लाख रुपये) रखी गई है। यह उसी कार की रेप्लिका है जिसका इस्तेमाल 1992 में हॉलीवुड फिल्म बैटमैन में किया गया था। इसके सारे फीचर 30 साल पुरानी कीटोन कार के जैसे हैं।

आयुष केएस

एक घंटे में पढ़ डालीं 20 किताबें

दुबई में 5 साल के भारतीय छात्र आयुष केएस ने 1 घंटे में 20 किताबें पढ़ने का नया रिकॉर्ड बनाया है। मूल रूप से केरल निवासी आयुष का नाम 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है। जेएसएस इंटरनेशनल स्कूल के छात्र आयुष का यूट्यूब चैनल भी है। इस चैनल का नाम 'रीडिंग रूम वाय आयुष' है।

ड्रैगन बोट रेस

जमी हुई नदी पर हुई संपन्न

चीन के शेनयांग शहर में इन दिनों जमा देने वाली ठंड पड़ रही है। लेकिन आइस ड्रैगन बोट रेस लगाने वालों ने जमी हुई बर्फ पर बोट रेस पूरी की। जम चुकी नदी पर आइस स्केटर्स ने ड्रैगन बोट रेस लगाई साथ ही दूसरी प्रतियोगितायें भी हुईं। खेल अधिकारियों का मानना है कि यह सिर्फ खेल नहीं संस्कृति का हिस्सा है। इसलिये इस खेल को खेलने की अनुमति दी गई।

सोहिनी चटर्जी और अदिति गोरुर

यूएन में भारतीय मूल की महिलाओं को मिली जिम्मेदारी

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन के लिये भारतीय मूल की दो अमेरिकी महिलाओं सोहिनी चटर्जी और अदिति गोरुर को अहम प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। चटर्जी संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत की वरिष्ठ नीति सलाहकार होंगी, जबकि गोरुर को यूएन में अमेरिकी मिशन के लिये नीति सलाहकार नियुक्त किया गया है। चटर्जी कोलंबिया यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल अफेयर पढ़ा चुकी हैं। गोरुर संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा की विशेषज्ञ हैं।

अद्भय मिश्रा

ब्राइटेस्ट स्टूडेंट्स इन द वर्ल्ड की सूची में शामिल

न्यूयॉर्क में रहकर पढ़ाई करने वाले 8 वर्षीय अद्भय मिश्रा बाल्टीमोर में जॉन हॉपकिन्स सेंटर फॉर टैलेंटेड यूथ (सीटीवाय) के द्वारा ब्राइटेस्ट स्टूडेंट्स इन द वर्ल्ड की सूची में शामिल हो गये हैं। इसके तहत चयनित छात्र रोड्स छात्रवृत्ति और मैक ऑर्थर फेलोशिप के हकदार होते हैं। कक्षा 2 से 8 तक के 15 हजार छात्रों ने इस टैलेंट सर्च प्रोग्राम में भागीदारी की थी। इसके लिये विभिन्न चरणों में साल भर (2020) प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

ब्लैक लाइव्स मैटर

नोबेल शांति पुरस्कार के लिये नामित

अमेरिका में नस्लीय हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने वाले ब्लैक लाइव्स मैटर (बीएलएम) को नोबेल शांति पुरस्कार-2021 के लिये नामांकित किया गया है। नामांकन से पहले बीएलएम को स्वीडन के मानवाधिकार पुरस्कार से नवाजा गया। यह सम्मान अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस के हाथों मौत के खिलाफ आवाज उठाने के लिये दिया गया है।

कनाडा

बर्फ से बने होटल में 15 सुइट्स

कनाडा का डी ग्लेस आइस होटल मेहमाननवाजी के लिये खुल चुका है। इस बार होटल में 15 सुइट्स, एक शादी हॉल, 6 कमरे और आइस बार भी है। यह होटल हर साल जनवरी में अलग-अलग थीम पर बनाया जाता है। इस साल की थीम है 'एक असली दुनिया की यात्रा'। यह होटल 2001 में पहली बार बना था। मार्च तक चलने वाले इस होटल की कमाई एक करोड़ डॉलर (करीब 73 करोड़ रुपये) है।

मणिपुर में

तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान

मणिपुर में स्थित लोकतक झील पर मौजूद कीबुल लामजो राष्ट्रीय उद्यान दुनिया का पहला और संभवतः विश्व का एकमात्र तैरता राष्ट्रीय उद्यान है। इस झील में बने प्राकृति द्वीप भी देखने लायक हैं। इन द्वीपों को फुमदी कहा जाता है। इस नेशनल पार्क को विलुप्त होते संगाई हिरनों का आखिरी प्राकृतिक घर कहा जाता है। यहां पर कई प्रकार के जानवर जैसे कछुए, सांप, एशियन गोल्डन कैट आदि देखने को मिलते हैं।

स्पेसएक्स

स्टारशिप रॉकेट का परीक्षण विफल

स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट परीक्षण के दौरान अधिकतम ऊंचाई पर जाने के बाद जब नीचे आने लगा तो फट गया। स्टारशिप एसएन 9 रॉकेट को एलन मस्क की कंपनी ने तैयार किया था। मस्क की कंपनी की योजना है कि वह इंसानों और 100 टन कार्गो को चंद्रमा और मंगल पर ले जायेगी। दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एनल मस्क ने कहा कि यह प्रयोग है। हम और प्रयास करेंगे।

अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर

डिजाइन ऑफ द ईयर घोषित

अमेरिका और मैक्सिको बॉर्डर दुनिया के सबसे लंबे बॉर्डर में शामिल है। ट्रंप प्रशासन के वक्त घुसपैठ रोकने के लिये स्टील बॉर्डर खड़ी कर दी गई थी। इस बॉर्डर पर गुलाबी सी सॉ लगाये गये हैं। यह दीवार टीटर टोट्टर दीवार के नाम से महशूर है, इसे लंदन डिजाइन म्यूजियम ने डिजाइन ऑफ द ईयर घोषित किया है।

डॉक्टर राज पंजाबी

अमेरिका में मलेरिया समन्वयक बने

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी मलेरिया संबंधी पहल के नेतृत्व के लिये भारतीय मूल के डॉक्टर राज पंजाबी को चुना है। राष्ट्रपति की इस पहल का उद्देश्य मुख्य रूप से अफ्रीकी और एशियाई देशों में इस रोग का नियंत्रण एवं रोकथाम करना है। लाइबेरिया में जन्में राज 1990 के दशक में अमेरिका आ गये थे। अमेरिका में प्रेसीडेंट्स मलेरिया इनिशिएटिव की शुरुआत 2005 में हुई थी।

स्मृति शेष

रंगकर्मी, लेखक और चित्रकार पद्मश्री बंसी कौल का निधन

प्रसिद्ध रंगकर्मी, लेखक और चित्रकार पद्मश्री बंसी कौल का दिल्ली में निधन हो गया। 72 वर्षीय बंसी कौल का रंगकर्म के साथ ही लेखन तथा चित्रकारी से गहरा नाता था। 1973 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से पास हुये। रिपर्टरी में निर्देशक के तौर पर अपने कॅरियर का आगाज किया। बंसी कौल ने विभिन्न शैलियों में 100 से अधिक नाटकों का निर्देशन किया था।

हेल्थ वर्कर्स के लिये धन जुटाने वाले कैप्टन टॉम का निधन

ब्रिटेन के पूर्व सैनिक और दूसरे विश्व युद्ध के नायक रहे 100 साल के कैप्टन सर टॉम मूर का निधन हो गया। वे कोरोना से संक्रमित हो गये थे। हाल ही में उन्हें क्वीन एलिजाबेथ द्वारा नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कोरोना संक्रमणकाल में हेल्थ वर्कर्स के लिये 4.5 करोड़ डॉलर की धनराशि जुटाई थी। उनके निधन पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया और 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर देश का झंडा आधा झुकाया गया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)

असफलता सफलता का अविभाज्य हिस्सा है – कार्ल बेन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड - सिवनी (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)

विज्ञापन पत्र क्रमांक/388/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/2021 **सिवनी, दिनांक : 03.02.2021**

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा सूचना क्र./ दिनांक	ई-टेण्डरिंग पद्धति क्रमांक	कार्य का नाम	कुल अनु. लागत (रु. लाख में)	कुल अमानती राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	समय अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
42/नि.प्र./ 2020-21 दिनांक 3.2.2021	2021_ PHED_ 127004_1	जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम अतरी में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/ सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 100 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलु नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेवलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।	59.73	59,730/-	10,000/-	22.02.2021	22.02.2021	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'स' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केंद्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार
42/नि.प्र./ 2020-21 दिनांक 3.2.2021	2021_ PHED_ 127006_1	जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम पिण्डरई कला में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/ सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 100 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलु नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेवलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।	83.44	83,440/-	10,000/-	22.02.2021	22.02.2021	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'स' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केंद्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार
42/नि.प्र./ 2020-21 दिनांक 3.2.2021	2021_ PHED_ 127007_1	जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड लखनादौन के ग्राम खमरिया काछी में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/ सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 50 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलु नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेवलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।	64.67	64,670/-	10,000/-	22.02.2021	22.02.2021	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'स' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केंद्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार
42/नि.प्र./ 2020-21 दिनांक 3.2.2021	2021_ PHED_ 127009_1	जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड लखनादौन के ग्राम परासिया में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/ सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 50 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलु नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेवलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।	72.52	72,520/-	10,000/-	22.02.2021	22.02.2021	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'स' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केंद्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार
42/नि.प्र./ 2020-21 दिनांक 3.2.2021	2021_ PHED_ 127010_1	जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड लखनादौन के ग्राम उकारपार में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 50 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलु नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेवलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।	55.97	55,970/-	10,000/-	22.02.2021	22.02.2021	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'स' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केंद्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

जी-18772/45185/2021 कार्यपालन यंत्री

कृषि में नवाचार और विकास आवश्यक - सहकारिता मंत्री

भोपाल, राज्य सरकार अपने किसानों के समृद्ध भविष्य के लिए स्थायी कृषि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि भारत को अब हरित क्रांति से सियान क्रांति की ओर बढ़ने की जरूरत है, जो भविष्य में होने वाली वृद्धि के लिए कृषि और नवाचारों के संलयन का प्रतिनिधित्व करता है।' ये बातें सहकारिता और लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद भदौरिया ने सरकार द्वारा लघु एवं सीमांत किसानों के लिए सेल्फ हेल्फ तकनीकियों पर केन्द्रित नवास (नवाचार से समृद्धि), नवाचार और अनुसंधान से समृद्धि की शुरुआत के अवसर पर 'फिक्की समिट एंड अवॉर्ड्स फॉर एग्री स्टार्ट-अप्स' की वर्चुअल समिट को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि नवास अंतर्गत विकसित तकनीक छोटे और सीमांत किसानों का समर्थन करने वाली स्व-सहायता प्रौद्योगिकियों को विकसित करने पर केंद्रित होगी। नवास के तहत विकसित उपकरण और तकनीक आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, इनपुट लागत को कम करेंगे, उपज के उत्पादक मूल्य में सुधार करेंगे, फसल अवशेषों से मूल्य पैदा करेंगे, मौसम परिवर्तन से होने वाली फसल क्षति को कम करेंगे और प्राकृतिक संपदा का संरक्षण करेंगे। डॉ. भदौरिया ने कहा कि इसके प्रारंभ होने से कृषक समुदाय प्रौद्योगिकी और ज्ञान के उपभोक्ता बनने के बजाय नवप्रवर्तक और शोधकर्ता बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सहकारी संरचना की उपस्थिति ग्रामीण स्तर तक है। प्रदेश में 4523 से अधिक प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं द्वारा किसानों को अल्पकालीन फसल ऋण, खाद-बीज और सेवाएं प्रदान की जाती हैं। नवास के माध्यम से पोषित नवाचार, किसान के परिश्रम और गरिमामय बनाते हुए बेहतर उत्पादन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सहायक होंगे। उन्होंने कृषि आधारित स्टार्टअप्स को नवास में सहभागिता करने पर बधाई दी। साथ ही आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

डॉ. भदौरिया ने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों से लैस एग्रीटेक इको सिस्टम में नए और अधिक कुशल व्यावसायिक मॉडल विकसित करने की क्षमता है और अंततः खाद्य प्रणालियों को अधिक उत्पादक, टिकाऊ और कुशल बनाया जा सकता है। कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने और कृषि संबद्ध क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों को पेश करने की इस पहल की ओर प्रदेश सरकार एमपी इनक्यूबेशन और स्टार्टअप नीति को बढ़ावा दे रही है।

डॉ. भदौरिया ने कहा कि राज्य में अनुकूल वातावरण को देखते हुए, हम नवास पहल में भाग लेने और ग्रामीण भारत में बड़े परिवर्तन के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए सभी स्टार्ट-अप और इनोवेटर्स का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि हम संयुक्त रूप से काम करने और बड़े पैमाने पर समाधान प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. भदौरिया ने कहा कि प्रदेश के किसान, फसल कटाई के बाद के बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिए आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड का लाभ उठा रहे हैं। यह बुनियादी ढांचा किसानों का समर्थन करेगा और उद्यमियों को भी अवसर देगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 2 मेगा फूड पार्क, 6 फूड पार्क, 5 एग्री एक्सपोर्ट जोन, 45 औद्योगिक क्षेत्र, 6 अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, 226 बड़े पैमाने पर उद्योग, 206 मध्यम स्तर के उद्योगों के साथ खाद्य प्र-संस्करण का मजबूत बुनियादी ढांचा है।

डॉ. भदौरिया ने कहा कि फिक्की एग्री स्टार्ट अप समिट एंड अवॉर्ड्स निश्चित रूप से एक मजबूत कृषि स्टार्ट अप इको सिस्टम को राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने में मदद करेगा। एग्री स्टार्टअप्स और वेंचर पार्टनर, फिक्की टास्क फोर्स के चेयरमैन श्री हेमेंद्र माथुर ने कहा कि मध्यप्रदेश ने जो विकास देखा है। भारत में कृषि क्षेत्र में लगभग 600 स्टार्ट-अप काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छोटे और मध्यम किसानों की आय बढ़ाने में स्टार्ट-अप एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राइस मिलर्स के हितों की रक्षा के लिये हर संभव प्रयास किये जाएंगे - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रदेश के राइस मिलर्स के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुये कहा है कि राइस मिलर्स को नुकसान न हो, किसान को उनका हक मिले और जन-सामान्य को सही गुणवत्ता का चावल उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित करना राज्य शासन का कर्तव्य है।

प्रदेश के राइस मिलर्स के हितों की रक्षा के लिये राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किये जायेंगे। इनकी समस्याओं से केंद्र सरकार को भी अवगत कराया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मिलर्स को धान, मिलिंग कर चावल जमा करने में कुछ कठिनाइयां हैं, जिनके निराकरण के लिये मध्यप्रदेश चावल उद्योग मंडल द्वारा कुछ सुझाव श्री चौहान के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इसमें प्रदेश की उष्णा मिलों से कस्टम मिलिंग करवाकर उष्णा चावल भारतीय खाद्य निगम में जमा करवाने तथा प्रोत्साहन राशि एक सौ रुपये प्रति क्विंटल करने संबंधी सुझाव प्रमुख हैं।

मध्यप्रदेश शासन, नर्मदा घाटी विकास विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
रानी अवंतीबाई लोधी सागर, परियोजना बरगी हिल्स, जबलपुर (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना- (ई-पद्धति, पंचम आमंत्रण)

ज्ञाप. क्र. 11/जे./सा-2/2016/(भाग-2) **दिनांक : 28.01.2021**

मध्यप्रदेश पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों एवं अपंजीकृत ख्याति प्राप्त फर्में जो पंजीकरण मापदण्डों को पूरा करती हैं, से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन प्रतिशत दरों में निविदा आमंत्रित की जाती हैं -

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. रानी अवंतीबाई लोधी सागर परियोजना के अंतर्गत मुख्य नहर की आर.डी. 63.42 कि.मी. से आर.डी. 114.200 कि.मी. एवं हरेरी शाखा नहर की (आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 31.300 कि.मी.), भदगवा शाखा नहर आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 16.32 कि.मी. तथा 09 नं. वितरण नहर की साफ-सफाई, मिट्टी का कार्य, सीमेन्ट कांक्रीट लाइनिंग एवं स्ट्रक्चर्स के मरम्मत एवं सुधार कार्य एवं चौकीदार हटमेन्ट तथा बेरीकेट्स का निर्माण कार्य तथा गोटेगांव संभाग क्र. 2 के अंतर्गत कॉलोनी की आंतरिक सड़क का निर्माण कार्य।

निविदा क्रमांक	अनुमानित लागत (लाख रुपये में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने अवधि
18/सा./मु.अ./ 2020-21 दिनांक 28.01.2021 (पंचम आमंत्रण)	रु. 1142.83 लाख (एक हजार एक सौ बयालीस लाख तिरासी हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 पर लागू)	रु. 1150000/- (ग्यारह लाख पचास हजार रुपये मात्र)	रु. 30000/- (तीस हजार रुपये मात्र)	12 माह वर्षाकाल सहित।

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये **www.mptenders.gov.in** का अवलोकन करें।
2. निविदा प्रपत्र डेबिट कार्ड या इन्टरनेट एकाउंट से भुगतान करने के उपरान्त केवल ऑनलाइन क्रय की जा सकती है।
3. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक एवं समय - दिनांक 15.02.2021 सायं 17.30 बजे तक।
4. निविदा में यदि कोई संशोधन किया जाता है तो वह केवल वेबसाइट पर दर्शाया जावेगा। समाचार-पत्र में नहीं।

मुख्य अभियंता, रानी अवंतीबाई लोधी सागर परियोजना बरगी हिल्स, जबलपुर

जी-18567/45176/2021

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य हिन्दी

1. रोज़ा शब्द किस वर्ग के अन्तर्गत आता है?
(A) अरबी - फारसी
(B) अरबी - तुर्की
(C) फारसी - अंग्रेजी
(D) डच - पुर्तगाली
उत्तर - (A) अरबी - फारसी

2. वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बनते हैं और जिनके खण्ड सार्थक होते हैं? उन्हें कहते हैं?
(A) रूढ़ शब्द
(B) योग रूढ़ शब्द
(C) यौगिक शब्द
(D) वाचक शबद
उत्तर - (C) यौगिक शब्द

3. कान फूंकना मुहावरे का अर्थ है?
(A) चुगली करना
(B) धीर-धीरे बात करना
(C) कड़वा बोलना
(D) सिखाना
उत्तर - (D) सिखाना

4. अंधे के हाथ बटेर लगना लोकोक्ति का अर्थ है?
(A) अपात्र को सफलता मिल जाना
(B) जुए में जीतना
(C) अंधेरे में कोई चीज मिल जाना
(D) छप्पर फाड़ के मिलना
उत्तर - (A) अपात्र को सफलता मिल जाना

5. दूसरे देश से अपने देश में सामान मंगाने को कहते हैं?
(A) निर्यात
(B) आयात
(C) प्रेषण
(D) वाहन
उत्तर - (B) आयात

6. जिज्ञासा का अर्थ है?
(A) जानने की इच्छा
(B) जीने की इच्छा
(C) आज्ञा पालन
(D) पूर्ण ज्ञान
उत्तर - (A) जानने की इच्छा

7. 'अमृत' के पर्यायवाची शब्द हैं?
(A) सुरतरू, रसाल, अमृतफल, अमी
(B) अमर, पयोधि, सोम, हिरण्य
(C) अमिय, पयोद, पावन, सुरसरि
(D) सुधा, पियूष, सोम, अमी, अमिय
उत्तर - (D) सुधा, पियूष, सोम, अमी, अमिय

8. 'थोक' का विलोम शब्द है?
(A) खेरीज
(B) इकट्ठा
(C) परचून
(D) खुदरा
उत्तर - (D) खुदरा

9. शुद्ध वर्तनी का चयन करें?
(A) आशाढ़
(B) आसाढ़
(C) आषाढ़
(D) असाढ़
उत्तर - (C) आषाढ़

10. रचना की दृष्टि से क्रिया के कितने भेद होते हैं?
(A) तीन
(B) चार
(C) दो
(D) पांच
उत्तर - (C) दो (सकर्मक क्रिया, अकर्मक क्रिया)।

11. व्यंजन और स्वर अथवा व्यंजन और व्यजनों के मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे कहते हैं?
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) वृद्धि संधि
उत्तर - (B) व्यंजन संधि

12. गुरूपदेश किस संधि का उदाहरण है?
(A) वर्ण संधि
(B) वृद्धि संधि
(C) दीर्घ संधि
(D) गुण संधि
उत्तर - (C) दीर्घ संधि

13. अशुद्ध वाक्य का चयन करें?
(A) हम आपका यह कथन मानने के लिए तैयार नहीं हैं।
(B) उनकी महिला भी उनके साथ आयी है।
(C) उन्होंने मुझे अमूल्य भेंट प्रदान की।
(D) संगीत का अभ्यास लाभदायक होता है।
उत्तर - (B) उनकी महिला भी उनके साथ आयी है।

14. शुद्ध वाक्य का चयन करें?
(A) उनका रहन-सहन का दर्जा ऊंचा है।
(B) इस विषय की पूर्ति कठिन है।
(C) कुछ इतिहासकारों का ऐसा भी कहना है।
(D) मैं बुद्ध के संदेशों से बहुत प्रभावित हुआ।
उत्तर - (C) कुछ इतिहासकारों का ऐसा भी कहना है।

15. शुद्ध वाक्य का चयन करें?
(A) यह ग्रंथ विद्धतापूर्ण लिखा गया है।
(B) युग की माँग का यह वीड़ा कौन उठाता है।
(C) मेरे मित्र ने यह पुस्तक आपको समर्पण की है।
(D) सब लोग अपनी राय दें।
उत्तर - (B) युग की माँग का यह वीड़ा कौन उठाता है।

16. शुद्ध वाक्य का चयन करें?
(A) अनेकों लोगों ने मुझे पकड़ लिया।
(B) तितली के पास सुन्दर पंख होते हैं।
(C) जब भी आप आओ मुझसे मिलो।
(D) आगामी रविवार को वह मुम्बई जाएगा।
उत्तर - (D) आगामी रविवार को वह मुम्बई जाएगा।

17. जिसे भले-बुरे का ज्ञान न हो?
(A) अबोध
(B) अप्रमेय
(C) अनागत
(D) अनुज
उत्तर - (A) अबोध

18. टाइप करने की कला?
(A) टकसाल
(B) टंकण
(C) टिप्पणी
(D) टीकाकार
उत्तर - (B) टंकण

19. जो दोबारा जन्म लेता हो?
(A) दुर्गभ
(B) दिव्य
(C) द्विज
(D) दुर्बोध
उत्तर - (C) द्विज

20. 'अन्वेषण' का पर्यायवाची है?
(A) अवज्ञा
(B) उपेक्षा
(C) गवेषण
(D) जुर्म
उत्तर - (C) गवेषण

21. 'असुर' के पर्यायवाची हैं?
(A) दनुज, दानव, दैत्य, राक्षस
(B) तमीचर, घोटक, कुलीन, आशय
(C) रजनीचर, उल्था, घूम, राक्षस
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (A) दनुज, दानव, दैत्य, राक्षस

22. 'आक्षेप' के पर्यायवाची हैं?
(A) आकार, आरोप, चलन, सहमति
(B) निर्देश, इंगित, शची, मोहरा
(C) प्रतिरूप, अभियोग, शतायु
(D) अभियोग, इल्जाम, आरोप, दोषारोपण
उत्तर - (D) अभियोग, इल्जाम, आरोप, दोषारोपण

23. 'उपहास' का पर्यायवाची है?
(A) अपमान
(B) फाका
(C) हाजिर
(D) अनशन
उत्तर - (A) अपमान

24. 'ओस' का पर्यायवाची है?
(A) चमक
(B) नमी
(C) गीला
(D) तुषार
उत्तर - (D) तुषार

25. 'पूर्ववर्ती' शब्द का विलोम है?
(A) पश्चिम
(B) पराज्य
(C) परवर्ती
(D) परोक्ष
उत्तर - (C) परवर्ती

26. रूढ़िवादी शब्द का विलोम है?
(A) स्वच्छन्दवादी
(B) कनिष्ठ
(C) प्रतिवादी
(D) निषेध
उत्तर - (A) स्वच्छन्दवादी

27. 'संस्कृति' का पर्याय होगा?
(A) निर्जीव
(B) विकृति
(C) निष्काम
(D) दुर्गति
उत्तर - (B) विकृति

28. निम्नलिखित में अरबी भाषा का शब्द कौन सा है?
(A) मशहूर
(B) अंजीर
(C) दरोगा
(D) बुलबुल
उत्तर - (A) मशहूर

29. निम्न में से फारसी भाषा का शब्द कौन सा है?
(A) मजबूर
(B) मालूम
(C) तकिया
(D) आतिशबाजी
उत्तर - (D) आतिशबाजी

30. 'उर्दू' किस भाषा का शब्द है?
(A) हिन्दी
(B) अरबी
(C) तुर्की
(D) फारसी
उत्तर - (C) तुर्की

31. 'लालटेन' किस भाषा का शब्द है?
(A) हिन्दी
(B) अंग्रेजी
(C) उर्दू
(D) अरबी
उत्तर - (B) अंग्रेजी

32. 'उपन्यास' किस भाषा का शब्द है?
(A) अंग्रेजी
(B) फरसी
(C) बांग्ला
(D) हिन्दी
उत्तर - (C) बांग्ला

33. वाक्य में जब क्षणभर ठहरने का समय आता है, तब किस विराम चिन्ह का प्रयोग करते हैं?
(A) अर्द्ध विराम
(B) अल्प विराम
(C) पूर्व विराम
(D) अपूर्ण विराम
उत्तर - (B) अल्प विराम

34. जहाँ वाक्य समाप्त होता है, वहाँ किस विराम चिन्ह का प्रयोग किया जाता है?
(A) अल्प विराम
(B) अर्द्ध विराम
(C) पूर्ण विराम
(D) अपूर्ण विराम
उत्तर - (C) पूर्ण विराम

35. जब द्वन्द समास से पद का निर्माण किया जाता है, जिसमें 'और' शब्द छुपा रहता है। उसे कहते हैं?
(A) निर्देशक चिन्ह
(B) सम्बोधन विराम चिन्ह
(C) विस्मय विराम चिन्ह
(D) योजक चिन्ह
उत्तर - (D) योजक चिन्ह

36. जो भाव मन में अत्यधिक समय तक रहकर उसे तन्मय कर देते हैं उसे कहते हैं?
(A) संचारी भाव
(B) विभाव
(C) अनुभाव
(D) स्थाई भाव
उत्तर - (D) स्थाई भाव

37. रस-उत्पत्ति और उद्दीपन के कारणों को किसकी संज्ञा दी गयी है?
(A) विभाव
(B) आलंबन
(C) अनुभाव
(D) संचारी भाव
उत्तर - (A) विभाव

38. संचारी भावों की संख्या मानी गई है?
(A) 30
(B) 31
(C) 32
(D) 33
उत्तर - (D) 33

39. अनुभाव के कितने भेद माने गये हैं?
(A) चार
(B) पांच
(C) छः
(D) सात
उत्तर - (A) चार

40. जो विकार अथवा चेष्टाएं शरीर के अंगों के व्यापार के रूप में प्रकट होती हैं, उसे कहते हैं?
(A) वाचिक
(B) आहार्य
(C) कायिक
(D) सात्विक
उत्तर - (C) कायिक

41. सात्विक अनुभाव कितने प्रकार के होते हैं?
(A) 5
(B) 6
(C) 7
(D) 8
उत्तर - (D) 8

42. किस रस को रसराज कहा जाता है?
(A) वीर रस
(B) हास्य रस
(C) श्रृंगार रस
(D) करुण रस
उत्तर - (C) श्रृंगार रस

43. नायक-नायिका अथवा अन्य पात्रों की वेश-भूषा द्वारा भाव-प्रदर्शन क्या कहलाता है?
(A) आहार्य
(B) वाचिक
(C) कायिक
(D) सात्विक
उत्तर - (A) आहार्य

44. श्रृंगार रस के कितने भेद होते हैं?
(A) एक
(B) दो
(C) तीन
(D) चार
उत्तर - (B) दो (संयोग श्रृंगार एवं वियोग श्रृंगार)

45. शोक स्थाई भाव किस रस में होता है?
(A) करुण रस
(B) श्रृंगार रस
(C) शान्त रस
(D) वीर रस
उत्तर - (A) करुण रस

46. 'अवहित्थ' क्या है?
(A) रस
(B) स्थाई भाव
(C) संचारी भाव
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (C) संचारी भाव

47. किस रस में क्रोध का वर्णन होता है?
(A) वीर रस
(B) भयानक रस
(C) रौद्र रस
(D) हास्य रस
उत्तर - (C) रौद्र रस

48. मद, मोह, विषाद और शंका रस के दृष्टिकोण में क्या हैं?
(A) अनुभाव
(B) आलम्बन
(C) विभाव
(D) संचारी भाव
उत्तर - (D) संचारी भाव

49. वीर रस कितने प्रकार के होते हैं?
(A) दो
(B) तीन
(C) पाँच
(D) सात
उत्तर - (B) तीन (युद्धवीर, दानवीर, दयावीर)

50. 'नाट्य शास्त्र' के आचार्य भरत मुनि ने रस की क्या परिभाषा दी है?
(A) रस्यते इति रसः
(B) रस आस्वादन स्नेहयोः
(C) विभानुभाव व्यभिचारी संयोगाद्रस निष्पत्तिः
(D) रसात्मक वाक्यं काव्यं
उत्तर - (C) विभानुभाव व्यभिचारी संयोगाद्रस निष्पत्तिः

- डॉ. राममनोहर उपाध्याय

(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

अपनी गलतियों को स्वयं पहचानो और सुधारो – पंचतंत्र

OBJECTIVE QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMINATION

Subject : GENERAL ENGLISH

Fill in the blanks with suitable articles. (Question Nos. 1 to 5)

1. Amar meets ..... stranger on the road.
(a) an (b) a
(c) the (d) no article

2. ..... more you earn, the more you want.
(a) an (b) a
(c) the (d) no article

3. Naresh reads ..... Telegraph daily.
(a) a (b) an
(c) the (d) no article

4. Nayan scored ..... century in the last Test match.
(a) an (b) a
(c) no article (d) an

5. Rakesh sells ..... milk products.
(a) the (b) an
(c) a (d) no article

Fill the blank spaces with suitable prepositions. (Question Nos. 6 to 12)

6. He has no savings ..... the bank.
(a) on (b) with
(c) to (d) in

7. She penned a lot ..... the environmental issues.
(a) of (b) about
(c) by (d) for

8. Heena lives ..... the city.
(a) about (b) from
(c) in (d) at

9. I am worried ..... his parents.
(a) on (b) of
(c) by (d) about

10. Raman is very fond ..... sweets.
(a) on (b) about
(c) in (d) of

11. I prefer juice ..... coffee and tea,
(a) more than (b) by
(c) than (d) to

12. He never smokes ..... the office.
(a) on (b) by
(c) of (d) in

Fill in the blanks with suitable form of the verb. (Question Nos. 13 to 18)

13. Dr. Rahul ..... twenty patients daily.
(a) is treating
(b) treated
(c) treats
(d) has treated

14. His next movie ..... next month.
(a) will not released
(b) is releasing
(c) will release
(d) has released

15. He ..... his thesis last year.
(a) has submitted
(b) submitted
(c) did submitted
(d) will have submitted

16. He ..... his report to the office yet.
(a) had not submitted
(b) was not submitted
(c) not submitted
(d) has not submitted

17. Now my sister ..... food.
(a) cooked
(b) is cooking
(c) has cooked
(d) has been cooking

18. My brother ..... for a job since 2017.
(a) has reached
(b) has been searching
(c) was searching
(d) is searching

Change the Voice. (Question Nos. 19 to 25)

19. Rakesh offers him job.
(a) He is made a job offer by Rakesh.
(b) Job offer is made to him by Rakesh.
(c) He is offered job by Rakesh.
(d) Job offer is done by Rakesh.

20. Raman is selling fruits and vegetables in the market.
(a) Fruits and vegetable are sold by Raman in the market.
(b) Vegetables and fruits are being selling in the market by Raman.
(c) Fruits and vegetables are being sold in the market by Raman.
(d) Market is sold with fruits and vegetables by Raman.

21. She has cooked food.
(a) Food is made by her.
(b) Food has been cooked by her.
(c) Cooking food is done by her.
(d) Food is cooked by her.

22. Let the curtain be changed.
(a) Change the curtain please.
(b) Change the curtain.
(c) Changing the curtain.
(d) Don't change the curtain.

23. He checked thesis within two months.
(a) Within two months was checked his thesis by him.
(b) Thesis was checked by him within two months.
(c) Thesis was being checked within two months by him.
(d) Thesis is checked within two months by him.

24. The railway officer made no announcement.
(a) No announcement by the railway officer had been made.
(b) Announcement was not made by the railway officer.
(c) No announcement was made by the railway officer.
(d) Announcement was made by the railway officer.

25. Listen this speech please.
(a) You must listen this speech.
(b) Let this speech be listened.
(c) Listen this speech.
(d) You are requested to listen this speech.

Change the narration. (Question Nos. 26 to 30)

26. Arun said, "Raju unlocked the door".
(a) Raju unlocked the door that said Arun.
(b) Arun said that Raju had unlocked the door.
(c) Raju said that Arun had unlocked the door.
(d) Arun said that Raju unlocked the door.

27. Raju said to Lata, "Where are you going?"
(a) Raju told Lata that where he was going.
(b) Raju asked Lata where she was going.
(c) Raju asks Lata as where she is going.
(d) Raju enquired Lata about her going where.

28. The teacher said to me, "Clean the room".
(a) The teacher recommended me for cleaning the room.
(b) The teacher requested me to have cleaned the room.
(c) The teacher ordered me to clean the room.
(d) The teacher orders me to clean the room.

29. "I like chocolates", she said to me.
(a) She said to me that she liked chocolates.
(b) She told me that she likes chocolates.
(c) She told me that she liked chocolates.
(d) She didn't tell me that she liked chocolates.

30. She said, "I like dancing".
(a) She likes dancing, she says.
(b) She said that she likes dancing.
(c) She said that she liked dancing.
(d) She liked dancing so she said.

Choose the word opposite to the meaning of the given word. (Question Nos. 31 to 35)

31. Baffle
(a) Puzzle (b) Confuse
(c) Clarify (d) Perplex

32. Callous
(a) Cold
(b) Compassionate
(c) Heartless
(d) Cruel

33. Evasive
(a) Cagey (b) Candid
(c) Shifty (d) Elusive

34. Feud
(a) Row (b) Dispute
(c) Grudge (d) Harmony

35. Mirth
(a) Fun (b) Hilarity
(c) Jollity (d) Gloom

Synonym (Question Nos. 36 to 40)

36. Hapless
(a) Unfortunate
(b) Lucky
(c) Fluky
(d) Blessed

37. Insipid
(a) Exciting
(b) Thrilling
(c) Tedious
(d) Moving

38. Lax
(a) Strict (b) Careless
(c) Careful (d) Chary

39. Nullify
(a) Verify (b) Confirm
(c) Cancel (d) Validate

40. Subdue
(a) Uncontrolled
(b) Wild
(c) Feral
(d) Quell

One word substitutions. (Question Nos. 41 to 45)

41. A doctrine which identifies God with the universe.
(a) Fanaticism
(b) Extremism
(c) Marxism
(d) Pantheism

42. A self governing country or region.
(a) Autocracy
(b) Autonomy
(c) Democracy
(d) Republic

43. One who runs away from justice.
(a) Fatalist
(b) Fanatic
(c) Fugitive
(d) Culprit

44. Pathological fear of high places.
(a) Phobia
(b) Acrophobia
(c) Agoraphobia
(d) Fear

45. Absolute rule by one person.
(a) Mobocracy
(b) Democracy
(c) Autocracy
(d) Bureaucracy

In each of the following questions, find out the correctly spelt word. (Question Nos. 46 to 50)

46. (a) Sanetizar (b) Cenitizer
(c) Senitizer (d) Sanitizer

47. (a) Symbol (b) Simbol
(c) Cimbol (d) Syambol

48. (a) Ilection (b) Election
(c) Eilection (d) Ilectsion

49. (a) Myleria (b) Malaria
(c) Melairoa (d) Maleria

50. (a) Enjication
(b) Injection
(c) Ingection
(d) Injaction

Answers

1. b, 2. c, 3. c, 4. b, 5. d, 6. d, 7. b, 8. c, 9. d, 10. d, 11. d, 12. d, 13. c, 14. c, 15. b, 16. d, 17. b, 18. b, 19. c, 20. c, 21. b, 22. b, 23. b, 24. c, 25. d, 26. b, 27. b, 28. c, 29. c, 30. c, 31. c, 32. b, 33. b, 34. d, 35. d, 36. a, 37. c, 38. b, 39. c, 40. d, 41. d, 42. b, 43. c, 44. b, 45. c, 46. d, 47. a, 48. b, 49. b, 50. b.

Explanation

26. If the sentence in direct speech is in simple past tense, it is changed into past perfect tense in indirect speech.

29. The first person pronoun of reported speech is changed according to the subject of reporting verb. This rule is followed in this example.

- Prafulkumar Prakash Vaidhya
(Assistant Professor in English Sardar Patel Mahavidyalaya, Chandrapur)

प्रगति ऑनलाइन पोर्टल

वृहद परियोजनाओं को गति देने दिक्कतों का किया गया समाधान

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रगति पोर्टल पर ऑनलाइन प्रदेश में प्रगतिरत वृहद शासकीय और निजी परियोजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समस्याओं की जानकारी लेकर उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। श्री चौहान द्वारा प्रगति पोर्टल पर ऑनलाइन बड़ी विकास परियोजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा पुनः शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण-2), मध्यप्रदेश रूरल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट, बीना सिंचाई परियोजना, श्यामरी मध्यम परियोजना और बण्डा सिंचाई परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने परियोजनाओं के शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने में दिक्कतों की जानकारी लेकर उनका शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में एक हजार किलोमीटर लंबाई की जो सड़कें शामिल हैं उनकी वन विभाग से समन्वय स्थापित कर जरूरी स्वीकृति लेकर कार्य पूर्ण किया जाये।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना पंचायत एवं ग्रामीण विकास और वन विकास के माध्यम से क्रियान्वित हो रही है। सामान्य क्षेत्र में 500 और अनुसूचित जनजाति वाले क्षेत्र में 250 से कम आबादी के सभी राजस्व ग्रामों को सिंगल कनेक्टिविटी द्वारा पुल-पुलियों सहित बारहमासी सड़क संपर्क (ग्रेवल सड़क) से जोड़ने की मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना है। योजना का शुभारंभ वर्ष 2010-11 में किया गया था। इस योजना में 19 हजार 709 किलोमीटर ग्रेवल और बी.टी. सड़क सहित पुल-पुलियों का निर्माण कर बारहमासी एकल सम्पर्कता बनाने का लक्ष्य है। इसमें 18 हजार 609 किलोमीटर की सड़कें 3377 करोड़ रुपये व्यय कर पूर्ण कर ली गई हैं। अब तक 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 1735 अतिरिक्त राजस्व ग्रामों में एकल सम्पर्कता की आवश्यकता है। इन ग्रामों को जोड़ने के लिए 3676 किलोमीटर सड़कें बनाई जाना है। चालू वित्तीय सत्र में 140 ग्रामों में 311 किलोमीटर लम्बाई की बी.टी. सड़कें स्वीकृत की गई हैं। निर्माण मार्च 2021 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। शेष बचे 1595 ग्रामों में 3365 किलोमीटर सड़कों को अगले चार वर्षों में स्वीकृत करने का लक्ष्य रखा गया है। कुल सड़कों में 942 किलोमीटर लम्बाई की कुल 366 सड़कें अधिकतर वन क्षेत्र में बनाई जानी हैं, जिन्हें जून 2021 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-2

इस मिशन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्राम पंचायत और हितग्राही द्वारा स्वयं सामुदायिक शौचालय, व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया जाता है। इन शौचालयों का निर्माण मार्च 2021 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य नवंबर 2020 और सामुदायिक शौचालय का निर्माण जुलाई 2020 में प्रारंभ किया गया है। अब तक एक लाख 10 हजार 69 व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण के लक्ष्य के विरुद्ध 93 हजार 154 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण पूरा हो गया है। अब तक 9 हजार 303 सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के लक्ष्य के विरुद्ध 6004 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण पूरा हो गया है। मिशन के अंतर्गत 326 करोड़ 41 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है।

इस प्रोजेक्ट में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा सामान्य विकास खण्ड में 150 से अधिक और अनुसूचित जनजाति विकासखंड में 100 से अधिक जनसंख्या वाले ग्रामों में सड़क बनाई जानी है। प्रदेश में निर्मित हो चुकी 10 हजार किलोमीटर ग्रेवल मार्गों का डामरीकरण कर बारहमासी सम्पर्कता प्रदान करने और दोहरी सम्पर्कता वाले महत्वपूर्ण 510 किलोमीटर नवीन कार्यों के निर्माण का लक्ष्य है।

स्मृति शेष

रंगकर्म में एक नया मुहावरा गढ़ने वाले बंसी कौल का अवसान

पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे प्रख्यात रंगकर्मी पद्मश्री बंसी कौल ने शनिवार, 06 फरवरी को दिल्ली स्थित द्वारका में अंतिम सांस ली। हाल ही में कैंसर के चलते उनका ऑपरेशन किया गया था। बीते साल नवंबर से उनकी सेहत लगातार बिगड़ती चली गई।

रंगकर्म और नाटकों की दुनिया की दशा और दिशा को लेकर सतत चिंतित रहने वाले बंसी कौल का अवसान रंगकर्म के विमान पर दमकते एक सूरज का अवसान है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से स्नातक रहे 72 वर्षीय बंसी कौल ने थिएटर ऑफ लाफ्टर, सामूहिकता और उत्सवधर्मिता को लेकर एक नया मुहावरा रचा। बंसी कौल ने भोपाल में रंग विदूषक के नाम से अपनी नाट्य संस्था बनाई थी। वर्ष 1984 से रंग विदूषक ने देश और दुनिया में अपनी नाट्य शैली की वजह से अलग पहचान बनाई। रंगकर्म में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री समेत देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जा चुका है।

श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) में 23 अगस्त 1949 को जन्में कौल संघर्षशील, अनुशासित, मिलनसार, लेखक, चित्रकार, नाट्य लेखक, सेट डिजाइनर और रंग निर्देशक थे। उनकी सांसों में रंगकर्म धड़कता था और संवादों में साहित्य। वह महज एक नाम नहीं, समकालीन हिंदुस्तानी रंगकर्म की जीती जागती परिभाषा थे। रंगमंच में अनुभवों का विराट संसार समेटे, रंग-आंदोलन की अलख जगाते बंसी कौल एक खुशमिजाज व्यक्ति और सच्चे मायनों में अजातशत्रु थे। हिंदी, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, सिंहली, उर्दू, बुंदेलखंडी एवं बघेलखंडी भाषाओं के सौ से भी अधिक नाटकों का आपने निर्देशन किया। आला अफसर, मृच्छकटिकम, राजा अग्निवर्ण का पैर, अग्निलीक, वेणीसंहार, दशकुमार चरित्तम, शर्विलक, पंचरात्रम, अंधा युग, खेल गुरू का, जो राम रचि राखा, अरण्याधिपति टण्ट्या मामा, जिन्दगी और जोंक, तुक्के पर तुक्का, वतन का राग, कहन कबीर और सौदागर आदि उल्लेखनीय हैं।

बंसी कौल देश के प्रख्यात डिजाइनर भी थे। उन्होंने कई बड़े इवेंट्स की डिजाइनिंग की थी। राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह हो अथवा इंडियन प्रीमियर लीग का उद्घाटन समारोह बंसी कौल भव्य और प्रभावोत्पादक प्रस्तुतियों का पर्याय थे। आपने अपना उत्सव, खजुराहो नृत्य महोत्सव, इंटरनेशनल कठपुतली महोत्सव, युवा महोत्सव और गणतंत्र दिवस समारोह, दिल्ली में कल्पनाशीलता के रंग भरे। फ्रांस, स्विट्जरलैंड, रूस, चीन, थाईलैण्ड और एडिनबर्ग मेले में आयोजित भारत महोत्सव एवं पुस्तक मेला जर्मनी में भी बतौर आकल्पक आपकी सृजनात्मकता ने इन आयोजनों को कुछ विशिष्ट बनाया। अपने आखिरी दिनों तक बंसी कौल सक्रिय रहे।

कोरोना काल में भी रही सक्रियता

कोरोना काल में बंसी कौल की नाट्य संस्था रंगविदूषक ने बनारस की दशरूपक संस्था के साथ मिलकर तीन चार महीने तक सोशल मीडिया पर 'रंग संवाद' का आयोजन किया, जिसमें नाटकों के लाइव परफारमेंस भी हुए। इस आयोजन में देश के जाने-माने निर्देशकों और रंगकर्मियों ने सक्रिय हिस्सेदारी की और रंगकर्म को सक्रिय रखा। इसमें रंगकर्मियों से इतर लोककला विशेषज्ञों और लेखकों ने भी भाग लिया। जिसमें पन्द्रह पद्मश्री और आठ पद्म विभूषण हस्तियां शामिल थीं। इसके अलावा रंगविदूषक ने देश भर में फैले अपने कलाकारों के साथ फेसबुक पर भी रंगकर्म और रंगकर्मियों पर सार्थक चर्चाएं कीं। 'विदूषक दिल से' की इस संवाद सीरीज में पिचहत्तर से ज्यादा रंगकर्मियों, लेखकों, रंग-चिंतकों, नाटककारों, संगीत निर्देशकों ने हिस्सेदारी की, रंग-यात्रा साझा की। नकारात्मकता के बीच यह एक बड़ी सकारात्मक पहल थी।

बंसी कौल द्वारा गठित नाट्य संस्था रंग-विदूषक ने विभिन्न शैलियों में करीब अस्सी से ज्यादा नाटक तैयार किए थे। देश-विदेश के एक सौ पन्द्रह से अधिक शहरों के प्रेक्षागृहों और सभागारों में संस्था प्रदर्शन कर चुकी है। इसके अलावा गांव की चौपालों, महल और हवेलियों के आंगन, नदी के घाटों और रेगिस्तान में रेत के टीलों पर हुए संस्था के प्रदर्शनों को आज भी याद किया जाता है। भोपाल शहर पिछले कुछ वक्त से संस्था का केंद्र रहा, लेकिन कार्य-विस्तार शोलापुर, ग्वालियर, इन्दौर, उज्जैन, चेन्नई, बेंगलुरु, महेश्वर, रायगढ़ और दिल्ली तक रहा। इन शहरों में समय-समय पर रंग शिविर भी आयोजित किय गये।

भारत सरकार द्वारा दिये जाने वाले नागरिक सम्मान पद्मश्री, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, मध्यप्रदेश सरकार के दो प्रतिष्ठित सम्मान कालिदास सम्मान और शिखर सम्मान और उत्तरप्रदेश सरकार में रंगकर्म के लिये दिये जाने वाला सफदर हाशमी सम्मान से सम्मानित बंसी कौल इन सम्मानों के प्रति आभार जताते थे, मगर वे जनता के प्यार को सबसे बड़ा सम्मान कहते थे।

साहित्य अकादमी अवॉर्ड प्राप्त कवि-साहित्यकार राजेश जोशी कहते हैं- 'अलग तरह के काम में माहिर बंसी जी ने नटों, कथागायकों और अखाड़ों के साथ शोध कार्य करके अभिनय की एक नई मेथडोलॉजी ईजाद की। इसी के तहत रंग विदूषक का जन्म हुआ और विदूषक थिएटर की शुरुआत हुई। उन्होंने नाटक लिखे और निर्देशित भी किए मगर साथ ही नाट्य विधा पर लिखित में भी बहुत सारा चिंतन वाला काम भी किया। राजेश जोशी ने बंसी कौल के साथ संयुक्त रूप से दो नाटक लिखे हैं, जिनमें तुक्के पर तुक्का देश के साथ दुनिया भर में खेला और सराहा गया।

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा यानी देश का सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय जिसने फिल्म और थिएटर को कई अप्रतिम अभिनेता यथा नसीरुद्दीन शाह, ओमपुरी, अनुपम खेर दिये, उस एनएसडी की चयन प्रक्रिया बेहद कठिन है। बहुत मुश्किल से यहां चयन होता है। हैरत होती है कि बंसीजी की नाट्य संस्था रंग विदूषक से अब तक पन्द्रह कलाकारों को चुना गया। एनएसडी के लिहाज से ये बड़ी संख्या है। उनकी घुमक्कड़ी को समझना हो तो ओमपुरी का यह वक्तव्य ही काफी होगा, जिसमें वे कहते हैं- 'बंसी कौल इतनी जगह घूमे हैं कि किसी एक शहर के नहीं रह गये। वे वर्ल्ड सिटीजन यानी विश्व नागरिक बन गए हैं। अगर बंसी कौल चाहते तो फिल्मों में जाकर अरबपति बन जाते, पर उन्होंने सरोकार का रास्ता चुना। हमने समझौता कर लिया, पर बंसी ने नहीं।'

- राजा दुबे
(जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

क्या है बर्ड फ्लू?

जनवरी, 2021 के प्रारंभ में अखबार से जानकारी मिली कि मन्दसौर में कुछ कौए अज्ञात बीमारी से मर गए, फिर इंदौर और सीहोर के आसपास भी इसी तरह की घटना हुई। भोपाल की लैब में इन पक्षियों के सैंपल में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई।

मध्यप्रदेश के साथ-साथ उत्तरप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और केरल राज्य में भी बर्ड फ्लू फैल चुका है। गनीमत है कि भारत में मनुष्यों में अभी तक एक भी मामला सामने नहीं आया है।

पक्षियों में पाया जाने वाला इनफ्लूएंजा संक्रमण एवियन फ्लू या बर्ड फ्लू कहलाता है। यह संक्रमण एक किस्म के वायरस या विषाणु से होता है। यह कई किस्म का होता है। इसमें एक पीए सबसे घातक किस्म का वायरस होता है, जिसमें जान का खतरा रहता है।

स्वाइन फ्लू, ह्यूमन फ्लू, डॉग फ्लू और हॉर्स फ्लू की तरह ही बर्ड फ्लू, एक चर्चित नाम रखा गया है। तीन किस्म के इनफ्लूएंजा विषाणु (ए.बी.सी.) में से इनफ्लूएंजा ए विषाणु ही ऐसा है, जो केवल पक्षियों में पाया जाता है। बर्ड फ्लू को अधिकतर मामलों में इनफ्लूएंजा ए वायरस कहकर संबोधित करते हैं।

हालाकि इनफ्लूएंजा ए वायरस पक्षियों से आता है, किन्तु यह वायरस मनुष्य से मनुष्य में भी संक्रमण फैला सकता है। इनफ्लूएंजा पर की जाने वाली शोध से पता चला है कि स्पेनिश फ्लू वायरस में मनुष्य और पक्षियों दोनों के जीन्स (गुण सूत्र) पाये गये। सुअर भी ह्यूमन, एवियन और स्वाइन इनफ्लूएंजा वायरस से संक्रमित हो सकता है।

बर्ड फ्लू के दो प्रकार होते हैं, पहला एचपी जो कि मनुष्य को ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। दूसरा एलपी जो कि मनुष्य को कम नुकसान पहुंचाता है। सन् 1996 में चीन में एच5 एन1 पहली प्रजाति का पता लगा जो कि मनुष्य के लिये कम हानिकारक थी।

सन् 1996 से सन् 2008 के दरम्यान बर्ड फ्लू ग्यारह बार फैला जो कि अधिकतर पोल्ट्री (मुर्गीखाना) से मालूम चला। इसमें से चार बार बर्ड फ्लू के कारण लाखों पक्षी इसकी चपेट में आये। सन् 1990 तक विश्व में पोल्ट्री फार्मों (मुर्गीखाना) की बेतहाशा वृद्धि हुई। तकरीबन 75 प्रतिशत विकासशील देशों में पोल्ट्री फार्मों की वृद्धि हुई, जबकि मात्र 23 प्रतिशत वृद्धि विकसित देशों में देखने में आयी। इसलिये बर्ड फ्लू का प्रकोप विकासशील देशों में अधिक देखने को मिलता है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जब मुर्गियों को पोल्ट्री फार्म से आबादी वाले क्षेत्रों में बार-बार लाया जाता है, तब संक्रमण फैलने का भय ज्यादा रहता है।

इनफ्लूएंजा ए/एच 5 एन 1 विषाणु सबसे पहले सन् 1996 में चीन की बतख में पाया गया। हांगकांग में सन् 1997 में मनुष्य में बर्ड फ्लू का पहला संक्रमण पाया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक सन् 2003 से अब तक एशिया में करीब 700 मामले मनुष्य में देखने को आये हैं। इनमें एशिया, अफ्रीका, पैसिफिक, यूरोप और मध्य पूर्व के देश प्रमुख हैं करीब 60 देशों में इसका प्रकोप देखने को मिला।

जीन विज्ञान के द्वारा हम मनुष्य और पक्षियों में पाये जाने वाले वायरस में अन्तर कर सकते हैं। अभी तक एच 5 एन 1 सभी पक्षियों में इनफ्लूएंजा वायरस में ग्लू (ग्लूटामिन) नामक एमीनो एसिड 627वें स्थान पर रहता है, जबकि इंसानों में पाया जाने वाला इनफ्लूएंजा वायरस में लायस (लाइसिम) नामक एमीनो एसिड 627वें स्थान पर रहता है।

पक्षियों में इनफ्लूएंजा वायरस 2-3 सेलोसिलिक एसिड रिसेप्टर से बंधे होते हैं, जबकि पुरुष इनफ्लूएंजा एच ए वायरस 2-6 ऐलिसिलिक एसिड रिसेप्टर से बंधे होते हैं। वहीं स्वाइन फ्लू वायरस में दोनों तरह के एलिसिलिक एसिड रिसेप्टर से बंधने की क्षमता होती है।

पक्षियों में इनफ्लूएंजा की कई उपजाति होती हैं, उसमें से मनुष्यों को नुकसान पहुंचाने वाली पांच उपजाति होती हैं। ये उपजाति एच 5 एन 1, एच 7 एन 3, एच 7 एन 7, एच 7 एन 9 और एच 9 एन 2 मुख्य हैं।

मनुष्यों में बर्ड फ्लू उन लोगों को होता है, जो संक्रमित मरे हुए पक्षियों के सम्पर्क में आते हैं या संक्रमित पक्षियों के द्रव्य के सम्पर्क में आते हैं। बर्ड फ्लू संक्रमित सतह और हवा में भी फैलता है। जब एच 5 एन 1 वायरस जंगली पक्षियों के सम्पर्क में आता है, तो इतना हानिकारक नहीं होता है। किन्तु यही वायरस जब मुर्गी और बतख के सम्पर्क में आता है, तब यह जानलेवा हो जाता है। क्योंकि ये एक-दूसरे के सम्पर्क में ज्यादा रहते हैं। हाल ही में देखा गया है कि एशिया के कुछ देशों में लाखों पक्षी इस वायरस के प्रकोप के शिकार हुए। इसका कारण पोल्ट्री फार्मों में गंदगी और छोटी-सी जगह में हजारों मुर्गियों को रखना पाया गया। पक्षी से पक्षी में यह वायरस जल्दी फैलता है। मुर्गियों से मनुष्यों में भी बर्ड फ्लू आसानी से फैल जाता है, किन्तु मनुष्य से मनुष्य में आसानी से नहीं फैलता है।

एच 5 एन 1 वायरस (बर्ड फ्लू) एशिया-यूरोप पोल्ट्री व्यापार के जरिये पहुंचा। अधिक संभावना है कि गैर अधिकृत पोल्ट्री व्यापार इस बर्ड फ्लू के यूरोप में फैलने का कारण बना होगा। संक्रमित मुर्गियों के सड़क, रेल और अन्तर्राष्ट्रीय आवागमन से फैला।

बर्ड फ्लू अधिकतर संक्रमित पक्षी के स्वस्थ पक्षी के सम्पर्क में आने से होता है। कई बार यह गंदे औजारों के उपयोग से भी हो सकता है। बर्ड फ्लू का वायरस पक्षियों के नाक, मुंह और आंख से निकलने वाले द्रव्य पदार्थ से होता है। ऐसे मनुष्य जो पोल्ट्री फार्म में कार्य करते हैं या मुर्गियों को काटते हैं उन लोगों को संक्रमित मुर्गी से बर्ड फ्लू हो सकता है। बर्ड फ्लू हवा में फैलने वाली बीमारी नहीं है। मुर्गी खाने में एक बार फैलने पर यह वायरस मुर्गियों को एक से डेढ़ दिन में मार देता है।

मनुष्य को संक्रमित मुर्गी से बर्ड फ्लू हो सकता है, किन्तु संक्रमित मनुष्य से मनुष्य में बर्ड फ्लू बहुत कम देखने को मिलता है, जब तक कि दोनों एक-दूसरे के सम्पर्क में लम्बे समय तक रहें तभी थोड़ी बहुत संभावना रहती है। दड़बे में बंद संक्रमित मुर्गियां, जो कि बाजार में बिकती हैं, सबसे ज्यादा बर्ड फ्लू फैलाती हैं।

एच 5 एन 1 वायरस ने लाखों मुर्गियों की जान ली है। बर्ड फ्लू वायरस एशिया, यूरोप और अफ्रीका में बहुत पाया जाता है।

मनुष्य में एच 5 एन 1 वायरस द्वारा बर्ड फ्लू का पहला मामला सन् 1997 हांगकांग में देखने में आया। जो कि संक्रमित मुर्गी द्वारा मनुष्य को हुआ था। सन् 1997 में 18 लोगों को बर्ड फ्लू हुआ, जिसमें छह मरीजों की मृत्यु हुई। उन 18 लोगों में से एक भी व्यक्ति पोल्ट्री उद्योग से नहीं जुड़ा हुआ था।

बर्ड फ्लू रोग के लक्षण

- तेज बुखार के साथ सिर दर्द।
- नाक बहना।
- गले में खराश और खांसी आना।
- कंधों में दर्द रहना।
- जल्दी-जल्दी सांस लेना।
- जोड़ों में दर्द।
- अचानक फेंफड़ों में जकड़न होना (एक्यूट रेस्पाईरटरी डिस्ट्रेस)।
- दस्त लगना।
- उल्टी होना।
- पेट दर्द होना।

बर्ड फ्लू का उपचार

बर्ड फ्लू का शुरुआती लाक्षणिक उपचार होता है। जिसमें एलर्जी रोधी दवाएं, बुखार की दवा पैरासिटामोल दी जाती है। बर्ड फ्लू की पुष्टि होने पर टेमी फ्लू (ओसिलटामिविर), रेलेनजा (जानामिविर) या रेपीवेब (पेरामिविर), नामक दवाएं दी जाती हैं। बड़ों में 75 मिलिग्राम के टेमी फ्लू के कैप्सूल 12-12 घंटे में 5 दिन दिये जाते हैं।

बर्ड फ्लू की देर से पुष्टि होने पर मरीज को सांस लेने में तकलीफ होती है, जिसके लिये उसे वेन्टीलेटर पर रखना पड़ता है। ऐसे मरीजों का अलग वार्ड बनाना चाहिये। अधिकांश मरीजों की मृत्यु का कारण सांस में तकलीफ जिसे मेडिकल भाषा में एडल्ट रेस्पीरेट्री डिस्ट्रेस सिंड्रोम कहा जाता है। ऐसे मरीजों को गहन चिकित्सा इकाई में रखना चाहिये।

बर्ड फ्लू की वैक्सीन

अप्रैल 2007 में एफ.डी.ए. द्वारा प्रमाणित बर्ड फ्लू का प्रतिरोधक टीका बना। कई कम्पनियों ने इसके प्रतिरोधक टीके बनाये। विश्व स्वास्थ्य संगठन से यह टीके इकट्ठे करके रख लिये, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इसका उपयोग किया जा सके। यह टीके जब प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने वाली दवाओं के साथ दिये जाते हैं तब अच्छे परिणाम देखने को मिलते हैं। कई कम्पनी ने एक ऐसी वैक्सीन (टीका) विकसित की है, जो इनफ्लूएंजा की कई प्रजातियों पर असरदायक है।

- डॉ. मीनाक्ष चतुर्वेदी
(लेखक, विभिन्न विषयों पर नियमित लेखन करते हैं।)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा के लिये महत्वपूर्ण जानकारी

निबंध लेखन

मार्च 2021 में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा आयोजित होना संभावित है। इस परीक्षा में कुल 6 अनिवार्य प्रश्नपत्रों में अंतिम प्रश्नपत्र निबंध लेखन का होता है। इस प्रश्नपत्र में जहां एक वृहद निबंध 1000 शब्दों में लिखना होता है, वहीं 2 लघु निबंध 250-250 शब्दों में भी लिखने होते हैं। ये क्रमशः 50 और 25-25 अंकों के होते हैं। इस प्रश्नपत्र को 2 घंटे में हल करना होता है।

संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयास और भारत (लघु निबंध)

भारत ने अब तक संयुक्त राष्ट्र के 60 में से 42 शांति सेनाओं और अंतर्राष्ट्रीय अभियानों में यथासंभव अपनी सेनाओं के 85000 से अधिक सैनिक भेजकर महत्वपूर्ण भूमिका और अपनी सशक्त जिम्मेदारी का सतत निर्वहन विभिन्न महाद्वीपों में किया है। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र के घोषणा पत्र में कहीं भी शान्ति रक्षक दस्तों का उल्लेख नहीं है, तदापि हमें स्वीकार करना पड़ता है कि विश्व के कई संघर्षरत् स्थलों पर गृहयुद्ध जैसी स्थिति निर्मित होने पर इन दस्तों ने लाखों मानव जीवन को बचाया है।

वस्तुतः विश्व के अनेक स्थानों में जारी अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों और गृहयुद्धों को नियंत्रित करने की प्रभावी प्रक्रिया के रूप में इन दस्तों की वृद्धि और औचित्य को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा कालान्तर में स्वीकार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र की शांति सेनाओं द्वारा निम्नलिखित तीन उपायों का प्रयोग करके शांति स्थापना/बहाली की जाती है -

शांति स्थापना या बहाली के उपाय

पीस कीपिंग | **पीस मेकिंग** | **पीस बिल्डिंग**

पीस कीपिंग के तहत युद्ध में संलग्न देशों एवं पक्षों के मध्य शांति स्थापना के लिए संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले नीले रंग की वर्दीधारी सैनिक तैनात किए जाते हैं। अब इनके साथ चिकित्सकों की भी तैनाती की जाती है।

नीले वर्दी के कारण इन सैनिकों को **ब्लू हेलमेट** भी कहा जाता है। पीस मेकिंग प्रक्रिया के अंतर्गत दो पक्षों के मध्य संघर्ष उत्पन्न से पहले ही कूटनीतिक प्रयासों से शांति स्थापना की जाती है।

इस प्रकार **पीस मेकिंग** द्वारा भविष्य में होने वाली हिंसा को रोका जाता है। पीस मेकिंग को **निवारात्मक कूटनीति** भी कहा जाता है।

शांति स्थापना के लिए सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों के निर्माण के लिए संघर्षरत् या तनावग्रस्त स्थलों पर शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध कराकर आधारभूत संरचना विकसित की जाती है। इस प्रक्रिया को ही **पीस बिल्डिंग** कहा जाता है।

पीस बिल्डिंग से ही वहां लोकतांत्रिक संस्थाओं का निर्माण कर रोज़गार सृजन पर बल दिया जाता है। विश्व शान्ति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र के शान्ति अभियानों में दिए गए भारतीय योगदान एवं पर्यवेक्षक के रूप में किए गए कार्यों और जवानों की भूमिका की सराहना संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव **हैमरशौल्ड, कोफी अन्नान** और वर्तमान महासचिव **एंटोनियो गुटरेस** ने कई अवसरों पर मुक्त कंठ से की है।

हिन्दी की दशा एवं दिशा (वृहद निबंध)

आज हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त हुए 70 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन इसे अब तक अपेक्षित महत्व और सुरक्षित भविष्य नहीं मिल पाया है। जब 1950 में स्वतंत्र भारत का संविधान बनाया गया तो देश में हिन्दी भाषा-भाषियों की विपुल संख्या को दृष्टि में रखते हुए देश की एकता एवं अखंडता बनाये रखने के लिए देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया।

महात्मा गाँधी कहते रहे हैं, **"कोई देश सच्चे अर्थ में तब तक स्वतंत्र नहीं है, जब तक वह अपनी भाषा में नहीं बोलता।"** इससे चिन्तित होकर हमारे राष्ट्रकवि **मैथलीशरण गुप्त** ने अपनी काव्यकृति **'भारत-भारती'** में यहां तक लिखा है -

"है राष्ट्रभाषा भी अभी तक देश में कोई नहीं, हम निज विचार कर सकें जिससे परस्पर सब कहीं।

इस योग्य हिन्दी है तदपि अब तक न निज पद पा सकी, राष्ट्रभाषा बिना भावैकता अब तक हममें न आ सकी।"

हिन्दी की वर्तमान दशा की मीमांसा और इसके गरिमामयी भविष्य एवं उज्ज्वल संभावनाओं को तलाशने से पूर्व राष्ट्रभाषा के अभिप्राय, इसके अतीत, संवैधानिक स्थिति और वर्तमान दशा व दिशा पर सम्यक दृष्टि डालना समीचीन होगा जो कि निम्नांकित बिन्दुओं में समाहित है -

राष्ट्रभाषा का अभिप्राय

जिस भाषा को देश के विभिन्न क्षेत्रों में लिखा-पढ़ा या बोला-समझा जाता हो और जिसे राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक आदि सभी स्तरों पर प्रयुक्त किया जाता हो, उसे **राष्ट्रभाषा** कहा जाता है। राष्ट्रभाषा ही सभी वर्गों के बीच सेतु का कार्य करती है। दूसरी ओर राष्ट्रभाषा वह भाषा होती है, जिसे प्रशासनिक एवं राजकीय कार्यों में प्रयुक्त किया जाता है, लेकिन राजभाषा राष्ट्रभाषा बने यह जरूरी नहीं है। विश्व में शायद ही ऐसा कोई राष्ट्र हो, जहाँ उसकी अपनी राष्ट्रभाषा न हो और उसे पर्याप्त सम्मान न मिला हो। **मुंशी प्रेमचंद** ने कई अवसरों पर कहा है, **"जिसकी अपनी कोई राष्ट्रभाषा नहीं, वहां वास्तव में कोई राष्ट्र भी नहीं।"**

हिन्दी का गौरवपूर्ण अतीत

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लगभग एक सदी तक हिन्दी का सतत विकास हुआ। जहां अंग्रेजों एवं अंग्रेज समर्थक भारतीयों द्वारा हिन्दी की उपेक्षा की गई तो वहां **भारतेन्दु हरिश्चंद्र, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, गोपालकृष्ण गोखले, लोकमान्य तिलक, रवीन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गाँधी, सुभाष चंद्र बोस, सी. राजगोपालाचारी, मदनमोहन मालवीय** आदि सैकड़ों सेनानियों ने हिन्दी की अस्मिता के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया।

भारतेन्दु युग के साहित्यकारों ने तो जहाँ हिन्दी को जन-जन की भाषा बनाने के लिए साहित्य-सृजन किया, वहाँ द्विवेदी युग में हिन्दी का सतत परिमार्जन हुआ। **स्वामी दयानन्द सरस्वती तथा महात्मा गाँधी ने तो राष्ट्र को एकजुट रखने वाली हिन्दी की अनिवार्यता प्रतिपादित की।** गाँधी जी के लिए तो हिन्दी का प्रश्न स्वराज्य प्राप्ति के लिए सहायक प्रश्न बना रहा। स्वतंत्रता संग्राम के अंतिम चरण में तो अहिन्दी भाषी क्षेत्र के दर्जनों नेताओं और साहित्यकारों ने भी राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रचनाओं के माध्यम से भारतीयों के हृदय में राष्ट्रवाद का अलख जगाया।

इन सेनानी साहित्यकारों ने राष्ट्रीय एकता कायम रखने हेतु हिन्दी, उर्दू, अरबी, फारसी, मराठी, पंजाबी आदि के शब्दों को मिलाकर एक 'हिन्दुस्तानी भाषा' के विकास की बात कही थी।

हिन्दी की संवैधानिकता और व्यवहारिकता

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में उल्लेख है कि जिन कार्यों के लिए अंग्रेजी का प्रयोग होता रहा है, उनमें हिन्दी को ग्रहण किया जायेगा। अगले 15 वर्षों तक अंग्रेजी का प्रयोग होगा और इस अवधि में हिन्दी को इतना विकसित, समृद्ध व शक्तिशाली बना लिया जायेगा कि अंग्रेजी बिल्कुल हट जायेगी।

हिन्दी का विकास : दशा और दिशा

संविधान में हिन्दी के प्रावधान शामिल किये जाने से अब तक कई संस्थाओं एवं आयोगों की स्थापना की गई है। इनमें कुछ प्रयास विशेष उल्लेखनीय हैं :-

- सरकारी कामकाज के लिए हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रपति ने तीन आदेश क्रमशः 1952, 1955 तथा 1960 में जारी किये।
- 1960 में महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के लिए ज्ञान, विज्ञान के शब्द, सूचियाँ तैयार करने का काम **'केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय'** को सौंपा गया। बाद में 1961 में **'वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग'** की स्थापना की गई।
- 1963 में संसद ने राजभाषा अधिनियम और 1975 में राजभाषा विभाग बनाया।

हिन्दी के उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएँ

1. हिन्दी के प्रयोग में क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों को अधिकाधिक संख्या में शामिल किया जाना चाहिये जिससे अहिन्दी भाषाओं को भी अपने पर गर्व हो।
2. विभिन्न भाषाओं के लेखकों को हिन्दी में भी लिखने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे हिन्दी के विकासार्थ पुनः सकारात्मक वातावरण निर्मित होगा।
3. हिन्दी के प्रयोग का निरीक्षण लगातार होता रहे, इसकी भी पुख्ता व्यवस्था की जानी चाहिए।
4. वास्तव में, भारतीय संघ की राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी ही हो सकती है, कोई विदेशी या अन्य भारतीय भाषा नहीं। वास्तव में हिन्दी के अत्यधिक प्रयोग से ही हमारा वास्तविक विकास संभव है।
5. हमारी प्रतिभा और मस्तिष्क की सुशुप्त शक्तियों के विकासार्थ राष्ट्रभाषा में ही स्कूली शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर अंग्रेजी के बढ़ते अनावश्यक प्रयोग को लगातार हतोत्साहित किया जाए।
6. हमें हिन्दी के प्रति पूर्ण शुद्धता लाने के दृष्टिकोण का परित्याग करके हिन्दी के सरलीकरण हेतु मोबाइल फोन्स एप, हिन्दी वर्णमाला की सहज उपलब्ध की-बोर्ड, पाठ्यपुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं आदि का विकास एवं भरपूर प्रचार-प्रसार करना होगा।

निष्कर्ष

आज के विश्व में जिस प्रकार अंग्रेजी की जरूरत एक अंतर्राष्ट्रीय सम्पर्क भाषा के रूप में अनिवार्य है, उसी प्रकार भारत में राष्ट्रीय सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी की आवश्यकता है। अतः इसे सरकारी तंत्र एवं समाज के प्रत्येक वर्ग द्वारा हृदय से राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए बुद्धिजीवियों की तरफ से आधुनिक युग के अनुरूप ज्ञान-विज्ञान, व्यापार-वाणिज्य और समस्त पत्राचार आदि के अनुकूल बनाया जा सकता है। कम्प्यूटर, इंटरनेट, ई-मेल, मोबाइल आदि संचार साधनों पर हिन्दी के प्रयोग को भी बढ़ावा दिया जाना आज की बड़ी आवश्यकता है।

शिक्षा व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन करके भी हिन्दी को सच्चे अर्थों में राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित किया जा सकता है। प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा, माध्यमिक शिक्षा राष्ट्रभाषा एवं उच्च शिक्षा हिन्दी व अंग्रेजी दोनों में देने की व्यवस्था की जानी चाहिए, तभी भारत अपनी संस्कृति, हिन्दी भाषा और इसके विपुल साहित्य को सुरक्षित रख सकेगा जैसा कि यूनेस्को की एक रिपोर्ट में लिखा है, **"विदेशी भाषा के माध्यम से शिक्षित व्यक्ति अपना व्यक्तित्व खोकर दूसरों का नकलची और गुलाम मानसिकता का व्यक्ति बन जाता है।"** अतः अब हम भारतीयों को सही अर्थों में हिन्दी के विकास एवं जनकल्याण के मार्ग का अनुसरण करना होगा।

- डॉ. नियाज अहमद अंसारी
(लेखक, आदर्श महाविद्यालय, उमरिया में राजनीति शास्त्र एवं लोक प्रशासन विषय के सहायक प्राध्यापक हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये सामान्य ज्ञान-खेल

1. भारत ने वर्ष 2012 में किस खिलाड़ी की कप्तानी में आईसीसी अंडर-19 वर्ल्डकप जीता था?
(अ) हनुमा विहारी
(ब) विजय जोल
(स) उन्मुक्त चंद
(द) इशान किशन

2. रियो ओलिंपिक में फुटबॉल में महिला वर्ग का स्वर्ण पदक किस देश ने जीता था?
(अ) जर्मनी (ब) मैक्सिको
(स) अमेरिका (द) अर्जेंटीना

3. वर्ष 2019 में इंडियन वेल्स मास्टर्स टूर्नामेंट के विजेता कौन बने थे?
(अ) जॉन इस्नर
(ब) डोमिनिक थिएम
(स) मिलोस राओनिक
(द) एलेक्जेंडर ज्वेरेव

4. शतरंज ओलिंपियाड-2020 में भारत को किस देश के साथ संयुक्त विजेता घोषित किया गया था?
(अ) नॉर्वे (ब) कनाडा
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) रूस

5. इनमें से किस वर्ष फ्रांस में फीफा वर्ल्डकप आयोजित किया गया था?
(अ) वर्ष 1990 (ब) वर्ष 1998
(स) वर्ष 2006 (द) वर्ष 2016

6. राफेल नडाल ने अपने कैरियर में कितने फ्रेंच ओपन एकल खिताब जीते हैं?
(अ) 10 (ब) 12
(स) 13 (द) 15

7. वर्ष 2034 में किस शहर में एशियाई खेलों का आयोजन होगा?
(अ) रियाद
(ब) हांगझाउ
(स) बैंकॉक
(द) सियोल

8. रियो ओलिंपिक-2016 में भाला फेंक स्पर्धा में किस खिलाड़ी ने स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) नीरज चोपड़ा
(ब) थॉमस रोलर
(स) जुलियस येगो
(द) केशॉर्न वॉल्काट

9. इनमें से किस देश में सबसे ज्यादा बार एशियाई खेल आयोजित किए गये हैं?
(अ) थाईलैंड
(ब) दक्षिण कोरिया
(स) इंडोनेशिया
(द) चीन

10. वर्ष 2018 में किस देश ने महिला हॉकी वर्ल्डकप का खिताब जीता है?
(अ) जर्मनी
(ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) अर्जेंटीना
(द) नीदरलैंड

11. न्यूजीलैंड ने किस वर्ष पहली बार क्रिकेट वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई थी?
(अ) वर्ष 2003
(ब) वर्ष 2015
(स) वर्ष 2007
(द) इनमें से कोई नहीं

12. इनमें से किस हॉकी खिलाड़ी को पद्मश्री सम्मान नहीं मिला है?
(अ) अर्जुन हलप्पा
(ब) धनराज पिल्लै
(स) सरदारा सिंह
(द) दिलीप तिर्की

13. भारत आखिरी बार डेविस कप के फाइनल में कब पहुंचा था?
(अ) वर्ष 1960 (ब) वर्ष 1969
(स) वर्ष 1983 (द) वर्ष 1987

14. रूसी खिलाड़ी व्लादिमीर क्रेमनिक किस खेल से संबंधित हैं?
(अ) तीरंदाजी (ब) एथेलेटिक्स
(स) शतरंज (द) कुश्ती

15. भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में कितने स्वर्ण पदक जीते थे?
(अ) 25 (ब) 26
(स) 28 (द) 32

16. एशियन हॉकी फेडरेशन का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
(अ) दक्षिण कोरिया
(ब) मलेशिया
(स) पाकिस्तान
(द) थाइलैंड

17. वर्ष 2018 में इंडियन सुपर लीग का खिताब किस क्लब ने जीता था?
(अ) एफसी गोवा
(ब) बेंगलुरु एफसी
(स) केरेला ब्लास्टर्स
(द) चैन्नइयन एफसी

18. वर्ष 2020 में सोफिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के चैंपियन बने थे?
(अ) जेनिक सिनर
(ब) डेनिस शापावलोव
(स) केविन एंडरसन
(द) एलेक्स डि मिनोर

19. इनमें से किस खेल को हाल ही में खेलो इंडिया गेम्स में शामिल किया गया है?
(अ) वॉलीवॉल (ब) जुडो
(स) खो-खो (द) मलखंब

20. बिटर यूथ ओलिंपिक गेम्स-2020 में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक किस देश ने जीते हैं?
(अ) जर्मनी
(ब) जापान
(स) रूस
(द) स्वीडन

21. वन-डे क्रिकेट वर्ल्डकप में किस देश के नाम सर्वोच्च स्कोर बनाने का रिकॉर्ड है?
(अ) इंग्लैंड
(ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) भारत
(द) वेस्टइंडीज

22. ह्यूगो लॉरिस किस देश के फुटबॉल गोलकीपर हैं?
(अ) फ्रांस
(ब) बेल्जियम
(स) चेक रिपब्लिक
(द) पुर्तगाल

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

आर्थिक समीक्षा 2020-21

वित्त मंत्री द्वारा 29 जनवरी, 2021 को आर्थिक समीक्षा संसद में प्रस्तुत की गई। आर्थिक समीक्षा अगले वित्तीय वर्ष के बजट के पूर्व पिछले वर्ष में की गई प्रगति का बही-खाता होता है।

आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की दर नकारात्मक (-) 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

प्रथम छःमाही में, सौ साल में एक बार भारी कहर ढाने वाले कोविड-19 के कारण, जीडीपी में 15.7 प्रतिशत की तेज गिरावट तथा दूसरी छःमाही में 0.1 प्रतिशत की अत्यन्त कम गिरावट को देखते हुये जीडीपी की -7.7 प्रतिशत की दर का अनुमान लगाया गया है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत की वास्तविक जीडीपी में वृद्धि दर 11 प्रतिशत तथा सांकेतिक जीडीपी में वृद्धि दर 15.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो देश की स्वतंत्रता के बाद सर्वाधिक है। व्यापक टीकाकरण अभियान, सेवा क्षेत्र में तेजी से हो रही बेहतरी और उपभोग एवं निवेश में त्वरित वृद्धि के कारण 'V' आकार में आर्थिक प्रगति देखी गई है।

इस वर्ष की आर्थिक समीक्षा 'कोविड योद्धाओं' को समर्पित की गई है।

आर्थिक समीक्षा में यह रेखांकित किया गया कि कोविड महामारी ने मांग और आपूर्ति दोनों को प्रभावित किया तथा भारत एकमात्र देश रहा जिसने आपूर्ति बढ़ाने के लिये संरचनात्मक सुधार घोषित किये ताकि उत्पादन क्षमताओं का कम से कम नुकसान हो।

आर्थिक समीक्षा में आईएमएफ के जनवरी 2021 के वैश्विक आर्थिक उत्पादन के अनुमानों की भी चर्चा की गई है, जिसमें जनवरी 2020 में 3.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। आईएमएफ के अनुसार अगले दो वर्षों में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन जायेगा, क्योंकि वर्ष 2021-22 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 11.5 प्रतिशत तथा 2022-23 में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

स्वास्थ्य सेवाओं पर बल

इस आर्थिक समीक्षा में स्वास्थ्य सेवाओं पर बल दिया गया है। समीक्षा के अनुसार महामारी से निपटने के लिये बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधायें होना आवश्यक हैं, इसीलिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को जारी रखने पर जोर दिया गया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च को सकल घरेलू उत्पाद में 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.5-3 प्रतिशत करने से कुल व्यक्तिगत स्वास्थ्य खर्च 65 प्रतिशत से घटकर 35 प्रतिशत पर आ सकता है। आर्थिक समीक्षा में स्वास्थ्य सेक्टर में नियामक बनाने पर विचार करने तथा टेलीमेडिसिन का पूर्ण उपयोग करने का सुझाव भी दिया गया है।

आर्थिक समीक्षा में बताया गया कि पीएमजेएवाई का स्वास्थ्य परिणाम पर मजबूत रूप से सकारात्मक प्रभाव पड़ा तथा जिन राज्यों ने इस योजना को अपनाया उन राज्यों में इसका मजबूत सकारात्मक परिणाम आया है।

आर्थिक समीक्षा राष्ट्रीय डायलिसिस मिशन को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में मिलाने का प्रस्ताव भी रखती है।

औद्योगिक एवं बुनियादी क्षेत्र

समीक्षा में बताया गया है कि भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान - एक सुधार पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें 29.87 लाख करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 15 प्रतिशत है। इस प्रेरक पैकेज का आर्थिक रिकवरी में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कोविड महामारी के कारण वित्तीय वर्ष 2020-21 में औद्योगिक वृद्धि दर (-) 9.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। लेकिन आत्मनिर्भर भारत पैकेज के कारण इस क्षेत्र में तेजी से रिकवरी आई है और आईआईपी (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक) तथा आठ कोर इंडेक्स कोविड से पहले के स्तर पर पहुंच गये हैं।

भारत सरकार द्वारा की गई इन पहलों से भारत ने 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' सूचकांक में अपनी रैंक में सुधार किया है। ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस रिपोर्ट 2020 के अनुसार व्यापार करने में सुगमता के अनुसार 2019 में 190 देशों में भारत 63वें स्थान पर आ चुका है। वर्ष 2018 में भारत 77वें स्थान पर था। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों को अपनाते हुए भारत ने 10 में से 7 सूचकों में अपनी स्थिति पहले से बेहतर बनाई है। भारत लगातार तीसरी बार सुधार करने वाले 10 देशों में रहा है।

आर्थिक समीक्षा के अनुसार भारत ने स्टार्ट अप्स के क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त की है। भारत सरकार ने स्टार्ट अप्स को बढ़ावा देने के लिये 'स्टार्ट अप इंडिया' और 'स्टैंड अप इंडिया' कार्यक्रम लॉन्च किये हैं। दिसम्बर 2020 तक 41061 स्टार्ट अप्स तथा इनसे 4,70,000 नौकरियां प्राप्त होने का आंकड़ा सरकार ने बताया है।

नवोन्मेष

भारत ने 'वैश्विक नवोन्मेष इंडेक्स' की 2007 में शुरुआत के बाद से 2020 में पहली बार शीर्ष 50 नवोन्मेषी देशों के क्लब में प्रवेश किया। मध्य व दक्षिण एशिया में इस संदर्भ में वह पहले नंबर पर है तथा निम्न मध्य आय वर्ग की अर्थव्यवस्थाओं में वह तीसरे नंबर पर है। आर्थिक समीक्षा में इस बात पर बल दिया गया है कि नवोन्मेष के मामले में भारत शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं से प्रतिस्पर्धा करे। वर्तमान में अनुसंधान एवं विकास पर भारत का सकल घरेलू व्यय दस शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सबसे कम है। यह सकल घरेलू उत्पाद का 0.65 प्रतिशत है। कुल पेटेंट में भारतीयों का योगदान 36 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है। नवोन्मेष के क्षेत्र में वर्तमान में भारत की विश्व में रैंक 48 है, जो 2015 में 81 थी।

श्रम सुधार एवं रोज़गार की स्थिति

इस सर्वेक्षण के अनुसार देश में 2018-19 में श्रमिक कार्यबल की संख्या 51.8 करोड़ थी, जिसमें से 48.8 करोड़ लोगों के पास रोज़गार था। वर्ष 2017-18 से 2018-19 के बीच श्रमिक कार्यबल के आकार में 1.64 करोड़ की बढ़ोतरी हुई, जिसमें से 1.22 करोड़ ग्रामीण क्षेत्र तथा 0.42 करोड़ शहरी क्षेत्र के हैं। इनमें 0.92 करोड़ महिलायें तथा 0.72 करोड़ पुरुष सम्मिलित हैं।

वर्ष 2017-18 और 2018-19 में बेरोज़गार लोगों की संख्या में 0.79 करोड़ की कमी आई। महिला कार्यबल सहभागिता दर वर्ष 2017-18 के 17.5 प्रतिशत के मुकाबले 2018-19 में बढ़कर 18.6 प्रतिशत हो गई।

सर्वेक्षण के अनुसार सबसे अधिक 21.5 करोड़ लोगों को कृषि क्षेत्र में रोज़गार मिला है, जो 42.5 प्रतिशत है।

आर्थिक समीक्षा के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर सभी आयु वर्गों में बेरोज़गारी की दर वर्ष 2017-18 के 6.1 प्रतिशत से मामूली रूप से घटकर 2018-19 में 5.8 प्रतिशत रह गई है। बेरोज़गारी की दृष्टि से अरुणाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर और बिहार उच्च स्थिति पर हैं तथा गुजरात, कर्नाटक, प. बंगाल और सिक्किम निम्न स्तर पर हैं। अधिकतर राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले शहरी क्षेत्र में बेरोज़गारी की दर अधिक है।

इस आर्थिक समीक्षा में भारत को ऐसे सबसे बड़े देश के रूप में बताया गया है, जहां परिवर्तनशील स्टाफ (फ्लैक्सी स्टाफ) है और कर्मचारियों की अदला-बदली आसानी से की जा सकती है।

श्रम सुधारों के इतिहास में वर्ष 2019 और 2020 मील के पत्थर हैं, जिनमें 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाकर 4 श्रम कोड के रूप में सरलीकृत किया गया है।

कृषि

आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारतीय कृषि क्षेत्र ने कोविड-19 के कारण लगाये गये लॉकडाउन के समय भी अपनी उपयोगिता और लचीलेपन को साबित किया है। वर्ष 2020-21 में कृषि और संबंधित क्षेत्र में स्थित मूल्यों पर 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वर्ष 2019-20 में देश में 296.65 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ, जो कि पिछले वर्ष से 11.44 मिलियन टन अधिक है।

(अ) कृषि निर्यात

वर्ष 2019-20 की आर्थिक समीक्षा के अनुसार भारत का कृषि और संबंधित वस्तु निर्यात लगभग 252 हजार करोड़ रुपये का हुआ। भारत से सर्वाधिक निर्यात अमेरिका, सऊदी अरब, ईरान, नेपाल और बांग्लादेश को किया गया। निर्यात में प्रमुख वस्तुएं थीं - मछलियां और समुद्री संपदा, बासमती चावल, मसाले, तेल, चाय की पत्ती आदि। कृषि आधारित निर्यात में भारत की स्थिति विश्व स्तर पर अग्रणी है। इस क्षेत्र में विश्व का लगभग 2.5 प्रतिशत निर्यात भारत से ही किया जाता है।

(ब) कृषि ऋण

वर्ष 2019-20 में कृषकों को 13,92,469 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान किया गया, जो कि लक्ष्य (13 लाख 50 हजार करोड़ रुपये) से अधिक था। 2020-21 में 15 लाख करोड़ रुपये का ऋण प्रदान करने का लक्ष्य है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत कृषि ढांचा निर्माण के लिये एक लाख करोड़ रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत डेढ़ करोड़ दुग्ध डेयरी उत्पादकों और दुग्ध निर्माता कंपनियों को किसान क्रेडिट कार्ड देने का लक्ष्य रखा गया है।

(स) पशुधन

सकल मूल्य संवर्धन (स्थिर मूल्य पर) पशुधन का योगदान लगतार बढ़ रहा है। वर्ष 2014-15 में यह 24.32 प्रतिशत था, जबकि 2018-19 में 28.6 प्रतिशत रहा। 2018-19 के सकल मूल्य संवर्धन में पशुधन की हिस्सेदारी 4.19 प्रतिशत रही।

मत्स्य पालन

आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारत का मत्स्य उत्पादन इतिहास में अब तक का सर्वाधिक रहा है। वर्ष 2019-20 में 14.16 मिलियन मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन हुआ। मत्स्य क्षेत्र का कुल राष्ट्रीय सकल मूल्य संवर्धन में 1.24 प्रतिशत तथा कृषि क्षेत्र के सकल मूल्य संवर्धन में 7.28 प्रतिशत योगदान रहा।

आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2020-21 में खाद्यान्न का वितरण दो चैनलों के माध्यम से किया गया - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना। वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम सभी 36 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेश में लागू है।

विदेशी व्यापार

आर्थिक समीक्षा के अनुसार इस वित्त वर्ष में भारत का वाणिज्य वस्तु व्यापार घाटा कम हुआ है। चीन और अमेरिका के साथ भारत के व्यापार संतुलन में सुधार हुआ है। भारत के मौजूदा व्यापार खाते में 17 वर्षों के अंतराल के बाद अधिशेष का अनुमान है। 8 जनवरी, 2021 को विदेशी विनिमय भंडार बढ़कर अब तक का सर्वाधिक 586.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। भारत के विदेशी कर्ज में 2.0 अरब अमेरिकी डॉलर की कमी हुई है। विदेशी विनिमय बाजार में भारतीय रिज़र्व बैंक के उपायों से रुपये की परिवर्तनीयता और एकतरफा वृद्धि को नियंत्रित करने में सफलता मिली है।

- अप्रैल से दिसम्बर 2020-21 में वाणिज्य वस्तु निर्यात 15.7 प्रतिशत कम रहकर 200.8 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इस कमी का कारण पेट्रोलियम, तेल व लुब्रीकेंटस का निर्यात रहा है।
- अप्रैल से दिसम्बर 2020-21 में कुल वाणिज्य वस्तु आयात 29.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 258.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में आयातों में तीव्र कमी हुई है।
- समीक्षा के अनुसार वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद अप्रैल से सितम्बर 2020 के मध्य भारत के सेवा क्षेत्र में एफडीआई के प्रवाह में बढ़ोतरी हुई। इस बढ़ोतरी को कम्प्यूटर और हार्डवेयर उपक्षेत्र का समर्थन मिला। खुदरा व्यापार, कृषि सेवा और शिक्षा में भी एफडीआई की भागीदारी बढ़ी है। विश्व निवेश रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सबसे अधिक एफडीआई हासिल करने वाले देशों की सूची में भारत 9वें स्थान पर है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- भारत सेबी की नियामक परिधि के भीतर एक सोशल स्टॉक एक्सचेंज गठित करने की ओर अग्रसर है, जिसके माध्यम से समाज कल्याण उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में कार्यरत सामाजिक उद्यम अपनी पूंजी बढ़ा सकेंगे।
- भारत विश्व के ग्रीन बॉण्ड बाजार में चीन के बाद दूसरे सबसे बड़े देश के रूप में उभरा है। 2017 में भारत में ग्रीन बॉण्ड की खरीदा को बढ़ाने के लिये सेबी ने ग्रीन बॉण्ड को भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया था। 24 दिसम्बर, 2020 तक भारत में आठ ईएसजी म्यूचुअल फंड प्रारम्भ हो चुके हैं।
- समीक्षा के अनुसार सकल मूल्य संवर्धन में सेवा क्षेत्र का योगदान 54 प्रतिशत है। एफडीआई प्रवाह में 80 प्रतिशत सेवा क्षेत्र का योगदान है।
- वर्ष 2019-20 के लिये वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.6 प्रतिशत है, जो अनुमानित घाटे से 0.8 प्रतिशत तथा वर्ष 2018-19 के राजकोषीय घाटे से 1.2 प्रतिशत अधिक है।

याद रखने योग्य तथ्य

- वर्तमान कीमतों पर भारत की सकल राष्ट्रीय आय 2020-21 में 1,92,39,492 करोड़ रुपये रही, पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष वृद्धि दर -4.4 प्रतिशत रही।
- स्थिर कीमतों पर भारत की सकल राष्ट्रीय आय 2020-21 में 1,32,69,436 करोड़ रुपये रही। इसमें वृद्धि दर -7.9 प्रतिशत रही।
- वर्तमान कीमतों पर 2020-21 में निवल राष्ट्रीय आय (NNI) वर्तमान कीमतों पर 1,72,09,409 करोड़ रु. तथा स्थिर कीमतों पर 1,17,18,380 करोड़ रुपये रही। इनमें वृद्धि दर क्रमशः -4.4 प्रतिशत तथा -8.0 प्रतिशत रही।
- वर्तमान कीमतों पर 20-21 में प्रति व्यक्ति आय 1,26,968 रुपये तथा स्थिर दर पर प्रति व्यक्ति आय 86,456 रुपये रही। इनमें वृद्धि दर क्रमशः -5.4 प्रतिशत तथा -8.9 प्रतिशत रही।
- वर्ष 2019-20 में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर वर्तमान कीमतों पर 6.1 प्रतिशत तथा स्थिर कीमतों पर 3.1 प्रतिशत थी।
- वर्ष 2018-19 में मध्यप्रदेश की निवल घरेलू आय वर्तमान कीमतों पर 7,37,156 करोड़ रुपये तथा 2019-20 में 8,27,019 करोड़ रुपये रही। इसमें वृद्धि दर 12 प्रतिशत रही।

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

23. रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं?
(अ) अमोल मजुमदार
(ब) सचिन तेंदुलकर
(स) वसीम जाफर
(द) गौतम गंभीर

24. वर्ष 2012 में किस देश ने यूरो कप फुटबॉल टूर्नामेंट जीता था?
(अ) डेनमार्क
(ब) स्पेन
(स) ग्रीस
(द) जर्मनी

25. वर्ष 2019 में क्रेमलिन कप टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग की चैंपियन बनी थीं?
(अ) स्वेतलाना कुजनेत्सोवा
(ब) डारिया कसात्किना
(स) बेलिंडा बेनकिक
(द) सिमोना हालेप

उत्तर

1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (द), 5. (ब), 6. (स), 7. (अ), 8. (ब), 9. (अ), 10. (द), 11. (ब), 12. (अ), 13. (द), 14. (स), 15. (ब), 16. (ब), 17. (द), 18. (अ), 19. (द), 20. (स), 21. (ब), 22. (अ), 23. (स), 24. (ब), 25. (स)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

जब तक कोरोना की दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

प्राचीन इतिहास

1. हड़प्पाकालीन स्थल 'मांडा' किस नदी के किनारे स्थित है?
(अ) रावी (ब) गंगा
(स) सरस्वती (द) चेनाब
उत्तर- (द) चेनाब

2. प्रसिद्ध बौद्ध ग्रंथ 'मिलिंदपण्हो' में किन के मध्य संवाद का वर्णन है?
(अ) अजातशत्रु एवं बुद्ध
(ब) मिलिंद एवं महाकस्सप
(स) मिलिंद एवं बुद्ध
(द) मिलिंद एवं नागसेन
उत्तर- (द) मिलिंद एवं नागसेन

3. 'महाविभाषाशास्त्र' के रचयिता कौन हैं?
(अ) नागसेन (ब) वसुमित्र
(स) बाणभट्ट (द) अश्वघोष
उत्तर- (ब) वसुमित्र

4. 'सप्तपैगोड़ा' मंदिरों का निर्माण किसने करवाया था?
(अ) चोल (ब) चालुक्य
(स) पल्लव (द) सातवाहन
उत्तर- (स) पल्लव

5. 'शुल्व सूत्र' नामक रचना का संबंध किस विषय से है?
(अ) संगीत (ब) ज्योतिष
(स) खगोल (द) ज्यामितीय
उत्तर- (द) ज्यामितीय

6. ऋग्वेद में सबसे पवित्र नदी किसे माना गया है?
(अ) सरस्वती (ब) सिंधु
(स) गंगा (द) नर्मदा
उत्तर- (अ) सरस्वती

7. सिकंदर के आक्रमण के समय मगध में किस वंश का शासन था?
(अ) शिशुनाग (ब) हर्यक
(स) नंद (द) मौर्य
उत्तर- (स) नंद

8. निम्न में से किसने पल्लव वंश की स्थापना की थी?
(अ) महेंद्र वर्मन (ब) सिंह विष्णु
(स) दंतिदुग (द) नरसिंह वर्मन
उत्तर- (ब) सिंह विष्णु

9. 'मिहिरकुल' का संबंध किस राजवंश से था?
(अ) शक (ब) पल्लव
(स) कुषाण (द) हूण
उत्तर- (द) हूण

10. ब्राह्मणों को भूमि अनुदान प्रथा का शुभारंभ किसने किया था?
(अ) पल्लव (ब) सातवाहन
(स) राष्ट्रकूट (द) गुप्त
उत्तर- (ब) सातवाहन

11. निम्नलिखित का सही कालक्रम क्या होगा?
(1) पल्लव
(2) शक
(3) हिंद - यूनानी
(4) कुषाण
(अ) 1-2-3-4 (ब) 3-2-4-1
(स) 2-3-1-4 (द) 3-2-1-4
उत्तर- (द) 3-2-1-4

12. 'शतपथ' और 'तैतरीय' किसके ब्राह्मण ग्रंथ हैं?
(अ) यजुर्वेद (ब) ऋग्वेद
(स) अथर्ववेद (द) सामवेद
उत्तर- (अ) यजुर्वेद

13. प्राकृत व्याकरण की रचना 'प्राकृत प्रकाश' के रचयिता कौन हैं?
(अ) पिंगल (ब) याल्क
(स) वररुचि (द) पणिनी
उत्तर- (स) वररुचि

14. 'कल्पद्रुम' की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(अ) लक्ष्मीधर (ब) अमोघवर्ष
(स) वासुदेव (द) पार्श्व
उत्तर- (अ) लक्ष्मीधर

15. 'देवनागरी लिपि' की उत्पत्ति किस लिपि से मानी जाती है?
(अ) ब्राह्मी (ब) खरोष्ठी
(स) प्राकृत (द) प्राकृत
उत्तर- (अ) ब्राह्मी

16. 'जीवक चिंतामणि' किस धर्म से संबंधित ग्रंथ है?
(अ) जैन (ब) बौद्ध
(स) शैव (द) वैष्णव
उत्तर- (अ) जैन

17. 'निगंठनाथ पुत्त' किसे कहा जाता है?
(अ) गौतम बुद्ध
(ब) महावीर स्वामी
(स) अशोक
(द) महामोगलायन
उत्तर- (ब) महावीर स्वामी

18. मौर्य प्रशासन में राजस्व संग्रहण करने वाले अधिकारी को क्या कहा जाता था?
(अ) सन्निधाता (ब) प्रशास्ता
(स) समाहर्ता (द) नायक
उत्तर- (स) समाहर्ता

19. निम्न में से कौन-सा स्थल अष्ट महास्थानों में शामिल नहीं है?
(अ) लुंबिनी (ब) सांची
(स) संकास्य (द) श्रावस्ती
उत्तर- (ब) सांची

20. द्वितीय बौद्ध संगीति किसके काल में हुई थी?
(अ) कनिष्क (ब) अजातशत्रु
(स) अशोक (द) कालाशोक
उत्तर- (द) कालाशोक

21. 'शूरसेन' महाजनपद की राजधानी क्या थी?
(अ) मथुरा (ब) विराटनगर
(स) महिष्मती (द) चंपा
उत्तर- (अ) मथुरा

22. महावीर के बचपन का नाम क्या था?
(अ) राहुल (ब) श्रवण
(स) सिद्धार्थ (द) वर्द्धमान
उत्तर- (द) वर्द्धमान

23. 'शून्य-संपादने' किसका प्रमुख ग्रंथ है?
(अ) लिंगायत (ब) वैष्णव
(स) वरकरी (द) बौद्ध
उत्तर- (अ) लिंगायत

24. 'दशमलव' तथा 'शून्य' का अन्वेषण किस काल में हुआ था?
(अ) कुषाणकाल (ब) गुप्तकाल
(स) मौर्यकाल (द) मुगलकाल
उत्तर- (ब) गुप्तकाल

25. सेतुबंध नामक ग्रंथ की रचना किसने की थी?
(अ) विंध्यशक्ति
(ब) रूद्रसेन
(स) प्रवरसेन द्वितीय
(द) हर्षवर्द्धन
उत्तर- (स) प्रवरसेन द्वितीय

26. निम्न में से कौन सुमेलित नहीं है-
(अ) वाक्पति - गौड़वाहो
(ब) सुबंधु - वासवदत्ता
(स) पालकाप्य - हल्तायुर्वेद
(द) दण्डी - मृच्छकटिकम्
उत्तर- (द) दण्डी - मृच्छकटिकम्

27. प्रतिहार वंश का अंतिम शासक कौन था?
(अ) यशपाल
(ब) महिपाल
(स) महेंद्रपाल द्वितीय
(द) मिहिरभोज
उत्तर- (अ) यशपाल

28. खजुराहो के विष्णु मंदिर का निर्माण किसने करवाया था?
(अ) धंग (ब) विद्याधर
(स) यशोवर्मन (द) गंड
उत्तर- (स) यशोवर्मन

29. सिंधु सभ्यता में वृहत स्नानागार कहां से प्राप्त हुआ है?
(अ) लोथल (ब) कालीबंगा
(स) सुरकोरडा (द) मोहनजोदड़ो
उत्तर- (द) मोहनजोदड़ो

30. हड़प्पा सभ्यता को किस वर्ष खोजा गया था?
(अ) 1901 ई. (ब) 1915 ई.
(स) 1921 ई. (द) 1930 ई.
उत्तर- (स) 1921 ई.

31. 'वेदत्रयी' में कौन-सा वेद शामिल नहीं है?
(अ) ऋग्वेद (ब) सामवेद
(स) यजुर्वेद (द) अथर्ववेद
उत्तर- (द) अथर्ववेद

32. भारतीय संगीत की उत्तपत्ति किस वेद से मानी जाती है?
(अ) अथर्ववेद (ब) सामवेद
(स) ऋग्वेद (द) यजुर्वेद
उत्तर- (ब) सामवेद

33. निम्न में से किस स्थान पर भगवान बुद्ध की मृत्यु हुई थी?
(अ) कुशीनारा (ब) पावापुरी
(स) संकास्य (द) सांची
उत्तर- (अ) कुशीनारा

34. निम्न में से कौन-सा विदेशी यात्री सर्वप्रथम भारत आया था?
(अ) ह्वेनसांग (ब) फाह्यान
(स) मेगस्थनीज (द) कासमॉस
उत्तर- (स) मेगस्थनीज

35. 'मुंज' किस वंश का शासक था?
(अ) चंदेल (ब) चौहान
(स) परमार (द) कल्चुरि
उत्तर- (स) परमार

36. चौहान वंश का संस्थापक किसे माना जाता है?
(अ) गोविंद चंद्र (ब) सीयक
(स) जयानक (द) वासुदेव
उत्तर- (द) वासुदेव

37. लोहार वंश ने किस भारतीय क्षेत्र पर शासन किया था?
(अ) कश्मीर (ब) बंगाल
(स) आंध्रप्रदेश (द) मालवा
उत्तर- (अ) कश्मीर

38. निम्न में से कौन सही सुमेलित है-
(अ) गाथा सप्तशती - हाल
(ब) महाभास्य - चरक
(स) सौदरानंद - वात्सयायन
(द) नाट्यशास्त्र - पतंजलि
उत्तर- (अ) गाथा सप्तशती - हाल

39. सातवाहनों की राजधानी क्या थी?
(अ) मदुरे
(ब) कांची
(स) पैठन/प्रतिष्ठान
(द) महाबलीपुरम्
उत्तर- (स) पैठन/प्रतिष्ठान

40. निम्न में से किस काल को साहित्य और कला का स्वर्ण काल कहा जाता है -
(अ) मौर्य काल
(ब) गुप्त काल
(स) कुषाण काल
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) गुप्त काल

41. 'मछली' किस राजवंश की प्रतीक चिन्ह थी?
(अ) चेर (ब) पाण्डय
(स) चोल (द) कलिंग
उत्तर- (ब) पाण्डय

42. मौर्यकालीन प्रशासन में माप एवं तौल का अध्यक्ष था?
(अ) मानाध्यक्ष (ब) सुवर्णाध्यक्ष
(स) नवाध्यक्ष (द) पोताध्यक्ष
उत्तर- (द) पोताध्यक्ष

43. मेगस्थनीज द्वारा भारतीय समाज को कितने वर्गों में विभाजित किया था?
(अ) सात (ब) छः
(स) पांच (द) चार
उत्तर- (अ) सात

44. 'गार्गी संहिता' का संबंध किस विषय से है?
(अ) खगोल (ब) भौतिकी
(स) ज्योतिष (द) गणित
उत्तर- (स) ज्योतिष

45. 'मणिमेखलै' की रचनाकार कौन हैं?
(अ) करिकाल
(ब) तिरूतक्कुकदेवर
(स) सत्तनार
(द) तिस्क्कुरल
उत्तर- (स) सत्तनार

46. 'नीतिसार' की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(अ) चंद्रगोमिन
(ब) विष्णु शर्मा
(स) कामंदक
(द) हरिषेण
उत्तर- (स) कामंदक

47. 'कार्कोट वंश' की स्थापना किसने की थी?
(अ) दुर्लभवर्द्धन
(ब) अवंतिवर्मन
(स) संग्रामराज
(द) हर्ष
उत्तर- (अ) दुर्लभवर्द्धन

48. 'पट्टीनम' क्या थे?
(अ) मंदिर-शहर
(ब) औद्योगिक-शहर
(स) व्यापारिक शहर
(द) बंदरगाह-शहर
उत्तर- (द) बंदरगाह-शहर

49. निम्न में से कौन वेदांग में शामिल नहीं है?
(अ) निरूक्त (ब) सूत्र
(स) व्याकरण (द) ज्योतिष
उत्तर- (ब) सूत्र

- आशीष कुमार श्रीवास
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधी विषयों पर लेखन करते हैं)

पांच वर्षीय रोडमैप के जरिए करेंगे ग्वालियर का सुनियोजित विकास

ग्वालियर, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक महत्व के गौरवशाली ग्वालियर शहर की अपनी परंपराएं और जीवन मूल्य हैं। इसे बरकरार रखते हुए प्राचीन शहर की नींव पर आधुनिक तकनीक के जरिए अद्भुत एवं सुंदर ग्वालियर शहर का निर्माण करेंगे। पांच वर्षीय विकास रोडमैप के जरिए ग्वालियर का सुनियोजित विकास किया जायेगा। ग्वालियर शहर के विकास पर अगले पांच साल में पांच हजार करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर ग्वालियर विकास के रोडमैप की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्वालियर विकास के रोडमैप को इस प्रकार से मूर्तरूप दें, जिससे अधोसंरचनागत विकास के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा मिले। उद्योग धंधे पनपें और बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा हो। साथ ही ग्वालियर स्वच्छ, सुंदर एवं सुनियोजित शहर का रूप ले। बैठक में श्री चौहान ने ग्वालियर के पंचवर्षीय रोडमैप में शामिल किये गये विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। ग्वालियर संभागायुक्त द्वारा शुरू की गई 'अपना अस्पताल' योजना की मुख्यमंत्री द्वारा सराहना की गई।

वेस्टर्न बाइपास ग्वालियर का कार्य प्राथमिकता से हो

श्री चौहान ने कहा वेस्टर्न बाइपास ग्वालियर शहर के विकास के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस काम को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर समय-सीमा में पूर्ण कराया जाये। बाइपास के पूरा होने पर रिंग रोड की कल्पना साकार होगी। उन्होंने कहा कि इंदौर के सुपर कॉरिडोर की तरह बाइपास का निर्माण कराएं।

पर्यटन को बढ़ावा देने ग्वालियर में होगी मंत्रिपरिषद उप समिति की बैठक

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर के पर्यटन को बढ़ावा देने एवं शहर को सभी पर्यटन सर्किट से जोड़ने के लिये ग्वालियर में जल्द ही मंत्रिपरिषद की पर्यटन उप समिति की बैठक आयोजित की जायेगी।

स्वच्छता में ग्वालियर को अग्रणी बनाने गंभीरता से प्रयास हों

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्वालियर शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिये गंभीरता से प्रयास किए जाएं। स्वच्छता लोगों की आदत बने, इस दिशा में विशेष प्रयास हों। उन्होंने कहा स्वच्छता अभियान में रहवासी संघ, जनप्रतिनिधि सहित समाज भागीदार बने।

पेयजल की दीर्घकालिक योजना के साथ अल्पकालिक योजना भी बनायें

श्री चौहान ने कहा कि ग्वालियर शहर की पेयजल समस्या का चंबल परियोजना से स्थायी निदान होगा। उन्होंने कहा कि इस दीर्घकालिक परियोजना के साथ-साथ अल्पकालिक योजनाओं को भी मूर्तरूप दें, जिससे चंबल परियोजना के पूर्ण होने तक शहरवासियों को पानी की कोई दिक्कत न रहे।

समय-सीमा वाले पन्ने निकालकर अपने पास रखे

श्री चौहान ने ग्वालियर के पांच वर्षीय रोडमैप की कार्ययोजना के उन पन्नों को निकालकर अपने पास रख लिया, जिन पन्नों में कार्यों को पूरा होने की समय-सीमा दर्शायी गई है। ज्ञात हो रोडमैप में एक वर्ष, एक से तीन वर्ष तथा तीन से पांच वर्ष की अवधि में कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

विकास कार्यों के लिये प्रस्ताव

केंद्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि वेस्टर्न बाइपास के आस-पास सुनियोजित एवं सुंदर तरीके से बसाहट कराएं। उन्होंने मुरार के 6 नंबर चौराहे से लाल टिपारा गौशाला होते हुए बड़ागांव क्षेत्र के गाँव के लिये अलग से वैकल्पिक मार्ग बनाने का प्रस्ताव तैयार करने को कहा। इस सड़क के निर्माण से लोगों को आर्मी एरिया के भीतर से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा।

राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रेलवे स्टेशन के उन्नयन तथा विमानतल का विस्तार, पेयजल योजना एवं स्मार्ट सिटी के कार्यों के संबंध में उपयोगी सुझाव दिए।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये

सामान्य गणित

(1) **थेरेसा ने वाहन खरीदने के लिए 80000 रुपये का ऋण लिया। उसने डेढ़ साल तक हर महीने 4600 रुपये भुगतान किए। उसने बैंक को कितना भुगतान किया -**
(a) 83,600 रुपये
(b) 81,000 रुपये
(c) 82,800 रुपये
(d) 55,200 रुपये
उत्तर - (c) 82,800 रुपये
व्याख्या - थेरेसा द्वारा लिए गए ऋण की कुल राशि = 80000 रुपये
ऋण की मासिक किश्त = 4600 रुपये
थेरेसा द्वारा भुगतान की गई राशि = 4600 x 18=82,800 रुपये

(2) **पाइप A टंकी को 6 घंटों में भर सकता है, जबकि पाइप B टंकी को 8 घंटों में रिक्त कर सकता है। जब दोनों पाइपों को एक साथ चालू किया जाता है और पाइप B को कुछ समय के पश्चात् बंद कर दिया जाता है, तो टंकी 12 घंटों में भर जाती है। पाइप B को कितने समय के लिए चालू किया गया था -**
(a) 2 घंटे (b) 3.5 घंटे
(c) 8 घंटे (d) 2.5 घंटे
उत्तर - (c) 8 घंटे
व्याख्या - A द्वारा 1 घंटे में भरा गया भाग $=\frac{1}{6}$
A द्वारा 12 घंटे में भरा गया भाग $=12\times\frac{1}{6}=2$
B द्वारा रिक्त किया गया भाग = 2 - 1 = 1
B द्वारा 1 घंटे में रिक्त किया गया भाग $=\frac{1}{8}$
∴ पाइप B को $=1/(1/8)=8$ घंटों के लिए चालू किया गया था।

(3) **यदि $x = 4\cos A + 5\sin A$ और $y = 4\sin A - 5\cos A$, तो x^2+y^2 का मान है -**
(a) 25 (b) 0
(c) 16 (d) 41
उत्तर - (d) 41
व्याख्या - $x = 4\cos A + 5\sin A$
$y = 4\sin A - 5\cos A$
$x^2+y^2 = (4\cos A + 5\sin A)^2 + (4\sin A - 5\cos A)^2$
$= 16\cos^2 A + 25\sin^2 A + 40\cos A\sin A + 16\sin^2 A + 25\cos^2 A - 40\cos A\sin A$
$= 16(\sin^2 A + \cos^2 A) + 25(\sin^2 A + \cos^2 A)$
$= 16 + 25 = 41$

(4) **जब एक पूर्णांक n को 7 से विभाजित किया जाता है, जब शेषफल 3 आता है। शेषफल क्या होगा यदि 6n को 7 से विभाजित किया जायेगा -**
(a) 2 (b) 4
(c) 1 (d) 0
उत्तर - (b) 4
व्याख्या - माना पूर्णांक n = 10 है
$\Rightarrow 6n = 6 \times 10 = 60$
$\Rightarrow 6n/7 = 60/7$
शेषफल 4 है।

(5) **यदि '+' का अर्थ '-', '-' का अर्थ '+', '×' का अर्थ '÷' और '÷' का अर्थ '×', तो $\frac{42-12\times3+8\div2+15}{8\times2-4+9\div3}$ का मान है -**
(a) 15/19 (b) 5/3
(c) -15/19 (d) -5/3
उत्तर - (c) -15/19
व्याख्या - $\frac{42+12\div3-8\times2-15}{8\div2+4-9\times3}$
$\Rightarrow \frac{42+4-16-15}{4+4-27}$
$\Rightarrow -15/19$

(6) **यदि $x - y = 4$ और $xy = 45$, तो $x^3 - y^3$ का मान है -**
(a) 82 (b) 604
(c) 822 (d) 151
उत्तर - (b) 604
व्याख्या - $x - y = 4$ और $xy = 45$
$x = 9$ और $y = 5$
$x^3 - y^3 = 9^3 - 5^3$
$= 729 - 125 = 604$

(7) **1,25,000 रु. मूल्य वाली एक उड़ान पर हवाई कंपनी उसके मूल्य के पहले 37.5% पर 62.5% की छूट देती है। शेष राशि पर, हवाई कंपनी 37.5% की छूट देती है, तो उड़ान पर दी गई कुल प्रतिशत छूट क्या है -**
(a) $56\frac{7}{8}\%$ (b) 52.5%
(c) $46\frac{7}{8}\%$ (d) 62.5%
उत्तर - (c) $46\frac{7}{8}\%$
व्याख्या - हवाई कंपनी उड़ान के मूल्य के पहले 37.5% पर 62.5% की छूट देती है।
शेष राशि पर (100% - 37.5% = 62.5%)
37.5% की छूट देती है।
37.5% और 62.5% का अनुपात लेने पर = 3:5
∴ अभीष्ट छूट = (3 x 62.5% + 5 x 37.5%)/(5 + 3)
$=\left(375/8\right)\% = 46\frac{7}{8}\%$

(8) **तीन संख्याओं का योग 160 है और ये तीन संख्याएं 1:3:4 के अनुपात में हैं। तो संख्याओं का गुणनफल ज्ञात कीजिए।**
(a) 96000 (b) 90000
(c) 80000 (d) 88000
उत्तर - (a) 96000
व्याख्या - माना कि संख्याएं क्रमशः x, $3x$ और $4x$ हैं इसीलिए,
$x + 3x + 4x = 160$
$8x = 160$
$x = 20$
गुणनफल = $x \times 3x \times 4x$
$= 20 \times 60 \times 80 = 96000$

(9) **यदि वस्तु की कीमत में 25% की वृद्धि होती है तो गृहिणी को उस सामान की खपत कितने प्रतिशत तक कम करनी होगी ताकि उसके खर्च में परिवर्तन न हो -**
(a) 33.33% (b) 20%
(c) 25% (d) 10%
उत्तर - (b) 20%
व्याख्या - $25\% = 1/4$
माना वस्तु का मूल्य 4 इकाई है।
25% की वृद्धि हुई
तब नया मूल्य
$=4+(25/100)\times4 = 5$ इकाई
वास्तविक खपत = 5 इकाई
नई खपत 4 इकाई होगी
खपत में प्रतिशत कमी
$=\left[(5-4)/5\right]\times100 = 20\%$

(10) **एरिक ने एक लैपटॉप रु. 48950 में खरीदा और उसने 12% लाभ पर प्रमोद को बेच दिया। प्रमोद ने फिर उसे 12% की हानि पर प्रज्वल को बेच दिया। प्रज्वल के लिए क्रय मूल्य क्या है -**
(a) 48245.12 रु.
(b) 48255.12 रु.
(c) 48345.12 रु.
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (a) 48245.12 रु.
व्याख्या - प्रभावी प्रतिशत
$= 12 - 12 - \left[(12\times12)/100\right]$
$= -1.44\%$
प्रज्वल का क्रय मूल्य
$=\left[(100-1.44)/100\right]\times48950$
$= 48245.12$

(11) **यदि दो बेलनों की आधार त्रिज्या 3:4 के अनुपात में हैं और उनकी ऊँचाई 4:9 के अनुपात में है, तो उनके आयतन का अनुपात है -**
(a) 1:2 (b) 1:4
(c) 4:1 (d) 2:1
उत्तर - (b) 1:4
व्याख्या - बेलन का आयतन $= \pi r^2 h$
दो बेलनों की त्रिज्या का अनुपात,
$r_1 : r_2 = 3 : 4$
दो बेलनों की ऊंचाई का अनुपात,
$h_1 : h_2 = 4 : 9$
दो बेलनों के आयतन का अनुपात, $v_1 : v_2 = \pi r_2^2 h_2 :$
$\pi r_2^2 h_2$
$= 3^2 \times 4 : 4^2 \times 9 = 1 : 4$

(12) **यदि $x + y = 39 - z$ और $y(x+z) = 494 - zx$ हैं, तब $(x^3+y^3+z^3 - 3xyz)^{1/2}$ का मान ज्ञात कीजिये -**
(a) 43 (b) 41
(c) 40 (d) 39
उत्तर - (d) 39
व्याख्या - $x+y = 39-z$ और
$y(x+z) = 494 - zx$
$x+y+z = 39$ और
$xy+yz+zx = 494$
$x^3+y^3+z^3 - 3xyz = (x+y+z)[(x+y+z)^2 - 3(xy+yz+zx)]$
$= 39[39^2 - 3 \times 494]$
$x^3+y^3+z^3 - 3xyz = 39 \times 39$
$\sqrt{x^3+y^3+z^3-3xyz}$
$=\sqrt{39\times39} = 39$

(13) **दो संख्याएं, तीसरी संख्या से क्रमशः 10% और 20% कम है। तो पहली संख्या दूसरी संख्या का कितना प्रतिशत है -**
(a) 112.5 (b) 115
(c) 108.5 (d) 105
उत्तर - (a) 112.5
व्याख्या - माना कि तीसरी संख्या x है।
पहली संख्या $= x - 0.1x = 0.9x$
माना कि y आवश्यक % है।
आवश्यक % $= 0.8x \times \left(y/100\right) = 0.9x$
$y = \left(0.9/0.8\right)\times100 = 112.5\%$

(14) **यदि $\tan A = \frac{1-\cos B}{\sin B}$, तो $\frac{2\tan A}{1+\tan^2 A}$ किसके बराबर है -**
(a) $\frac{\sin B}{2}$ (b) 2 tan B
(c) sin B (d) 4 sin B
उत्तर - (c) sin B
व्याख्या - $\tan A = \frac{1-\cos B}{\sin B}$
$= \frac{2\sin^2 B/2}{2\sin B/2\cos B/2}$
$\tan A = \tan B/2$
$A = B/2$
$\frac{2\tan A}{1+\tan^2 A} = \sin 2A$ तब
$\Rightarrow \sin\frac{2B}{2} = \sin B$

(15) **4, 7, 10, 13, ... श्रृंखला का 9वां पद ज्ञात कीजिये -**
(a) 31 (b) 24
(c) 25 (d) 28
उत्तर - (d) 28
व्याख्या - $T_n = a + (n-1)d$
$a = 4$
$d = 7 - 4 = 3$
$T_9 = 4 + (9-1) \times 3$
$= 4 + 8 \times 3$
$T_9 = 28$

(16) **एक कार्य पर एक साथ काम करते समय, अमित और सुमित को क्रमशः 600 रु. और 400 रु. मिलते हैं। यदि अमित कार्य को अकेले 12 दिन में कर सकता है, तो सुमित कार्य को अकेले कितने दिनों में कर सकता है?**
(a) 8 दिनों में (b) 9 दिनों में
(c) 15 दिनों में (d) 18 दिनों में
उत्तर - (d) 18 दिनों में
व्याख्या - माना कि सुमित कार्य को अकेल 'x' दिनों में कर सकता है।
सुमित का 1 दिन का कार्य $= \frac{1}{x}$
अमित का 1 दिन का कार्य $= \frac{1}{12}$
अब, उनके वेतन का अनुपात = उसकी निपुणता का अनुपात
$600:400 = \left(\frac{1}{12}\right) : \left(\frac{1}{x}\right)$
$\frac{3}{2} = \frac{x}{12}$
$x = (12\times3)/2 = 18$

(17) **दो क्रमिक वृद्धि का एकल समान्तर प्रतिशत 20% की दो क्रमिक कमी के एकल समान्तर प्रतिशत से कितने प्रतिशत अधिक है?**
(a) $32\frac{2}{9}\%$ (b) $42\frac{2}{9}\%$
(c) $19\frac{2}{9}\%$ (d) $22\frac{2}{9}\%$
उत्तर - (d) $22\frac{2}{9}\%$
व्याख्या - 20% की दो क्रमिक वृद्धि का एकल समान्तर प्रतिशत
$= 20 + 20 + (20\times20)/100 = 44\%$
20% की दो क्रमिक कमी के एकल समान्तर प्रतिशत
$= -20 - 20 + \frac{20\times20}{100} = -36\%$
∴ आवश्यक प्रतिशत
$= \left(\frac{44-36}{36}\right)\times100 = 22\frac{2}{9}\%$

(18) **यदि $x + \frac{1}{x} = \frac{5}{3}$, तो $x^2 + \frac{1}{x^2}$ का मान ज्ञात कीजिए -**
(a) $\frac{7}{9}$ (b) 2
(c) 1 (d) $\frac{8}{9}$
उत्तर - (a) $\frac{7}{9}$
व्याख्या - $x + \frac{1}{x} = \frac{5}{3}$
$\left(x+\frac{1}{x}\right)^2 = \frac{25}{9}$
$x^2 + \frac{1}{x^2} + 2 = \frac{25}{9}$
$x^2 + \frac{1}{x^2} = \frac{25}{9} - 2 = \frac{7}{9}$

(19) **Δ ABC में AB = AC है और $\angle$ BAC, C के बाह्यकोण का $\frac{1}{3}$ गुना है। तो $\angle$ BAC का मान क्या है?**
(a) 18° (b) 24°
(c) 36° (d) 60°
उत्तर - (c) 36°
व्याख्या - माना कि बाह्यकोण θ है
आंतरिक कोण = 180 - θ
$\angle ACB = \angle ABC = 180 - \theta$
$\angle BAC = \frac{\theta}{3}$
त्रिभुज में कोणों का योग = 180°
$\Rightarrow (180-\theta)+(180-\theta)+\frac{\theta}{3} = 180^\circ$
$\Rightarrow 5\frac{\theta}{3} = 180^\circ$
$\therefore \angle BAC = \frac{\theta}{3} = 180/5 = 36^\circ$

(20) **x का 10% y के 20% के बराबर है, तो x : y किसके बराबर हैं -**
(a) 1 : 2 (b) 2 : 1
(c) 3 : 2 (d) 9 : 8
उत्तर - (b) 2 : 1
व्याख्या - x का 10% = y का 20%
$x \times 10/100 = y \times \frac{20}{100}$
$x/y = \frac{20}{10}$
$x/y = \frac{2}{1}$

(21) **एक वृत्ताकार उद्यान की त्रिज्या 42 मी. है इसके चारों ओर दौड़ते हुए 8 चक्कर लगाकर तय की गई दूरी (मीटर) है : ($\pi = \frac{22}{7}$ लीजिए) -**
(a) 2112 (b) 4262
(c) 3248 (d) 1124
उत्तर - (a) 2112
व्याख्या - वृत्ताकार उद्यान की त्रिज्या r = 42 मी.
वृत्ताकार उद्यान की परिधि
$= 2\pi r = 2\times\frac{22}{7}\times42 = 264$ मी.
1 चक्कर दूरी तय करता है = वृत्ताकार उद्यान की परिधि = 264 मी.
8 चक्कर दूरी तय करते हैं = 8 x 264 = 2112 मी.

(22) **यदि $\frac{(1+\sec A)}{\tan A} = x$ है तो x का मान क्या है?**
(a) $\cot\left(\frac{A}{2}\right)$
(b) $\tan\left(\frac{A}{2}\right)$
(c) $\text{cosec}\left(\frac{A}{2}\right)$
(d) $\sec\left(\frac{A}{2}\right)$
उत्तर - (a) $\cot\left(\frac{A}{2}\right)$
व्याख्या - $\frac{(1+\sec A)}{\tan A}$
$= \frac{\left(1+\frac{1}{\cos A}\right)}{\tan A} = \frac{1+\cos A}{\sin A}$
$= \frac{1+\cos A}{\sqrt{1-\cos^2 A}} = \frac{1+\cos A}{\sqrt{(1+\cos A)(1-\cos A)}}$
$= \frac{\sqrt{1+\cos A}}{\sqrt{1-\cos A}} = \cot\left(\frac{A}{2}\right)$

- साहिल शर्मा
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य बुद्धि तथा तार्किक क्षमता

प्र. 1 **किसी कोड भाषा में AWANTIPUR को BXBOUJ QVS के रूप में लिखा जाता है तो उसी कोड भाषा में BARODIA को कैसे लिखा जाएगा?**
(A) CBSPEJB
(B) BCSPEJB
(C) BBCSPEJ
(D) CBSPEJT

उत्तर- (A) CBSPEJB

हल जिस प्रकार

A W A N T I P U R
+1 +1 +1 +1 +1 +1 +1 +1 +1
B X B O U J Q V S

उसी प्रकार

B A R O D I A
+1 +1 +1 +1 +1 +1 +1
C B S P E J B

लिखेंगे।

प्र. 2 **जब COUNTRY शब्द के अक्षरों को वर्णमाला के क्रम में लगाया जाए तब कितने अक्षरों के स्थान अपरिवर्तित रहेंगे?**
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार

उत्तर- (C) तीन

हल

C	O	U	N	T	R	Y	
C	N	O	R	T	U	Y	

प्र. 3 **नीचे ? के स्थान पर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प कौन सा है?**
DI : 13 : : VY : ?
(A) 44 (B) 45
(C) 47 (D) 50

उत्तर- (C) 47

हल जिस प्रकार वर्णमालानुसार

D I
↓ ↓
4 + 9 = 13

उसीप्रकार

V Y
↓ ↓
22 + 25 = 47

प्र. 4 **खेती का मानसून से वही संबंध है जो बाजार का ..... से है?**
(A) कर (B) घूट
(C) माँग (D) उधारी

उत्तर- (C) माँग

व्याख्या जिस प्रकार से अच्छी खेती के लिए मानसून की आवश्यकता होती है ठीक उसी प्रकार बाजार को सुचारु रूप से चलाने के लिए वस्तु की मांग का होना आवश्यक होता है।

प्र. 5 **किसी कोड भाषा में 22796 को 31887 लिखा जाता है इसी कोड में 56283 कैसे लिखा जाएगा?**
(A) 65374 (B) 40879
(C) 40978 (D) 04978

उत्तर- (A) 65374

हल जिस प्रकार

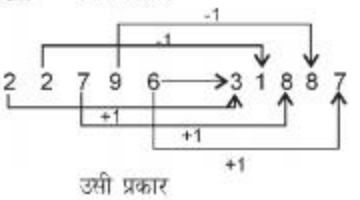

उसी प्रकार

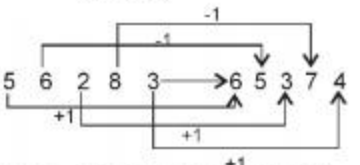

प्र. 6 **यदि 25 + 32 = 24, 91 + 22 = 28, 81 + 32 = 28 हो तो 76 + 12 = ?**
(A) 30 (B) 31
(C) 32 (D) 34

उत्तर- (C) 32

हल $25 + 32 = (2 + 5 + 3 + 2) \times 2 = 24$
$91 + 22 = (9 + 1 + 2 + 2) \times 2 = 28$
$81 + 32 = (8 + 1 + 3 + 2) \times 2 = 28$
इसी प्रकार
$76 + 12 = (7 + 6 + 1 + 2) \times 2 = 32$

प्र. 7 **परसो मेरा जन्मदिन है। अगले सप्ताह में उसी दिन संक्रांति है। आज मंगलवार है। संक्रांति के बाद कौन सा दिन होगा?**
(A) गुरुवार (B) शुक्रवार
(C) शनिवार (D) सोमवार

उत्तर- (B) शुक्रवार

हल आज = मंगलवार
जन्मदिन = परसों = गुरुवार
∴ अगले सप्ताह में संक्रांति का दिन = गुरुवार
अतः संक्रांति के बाद वाला दिन = शुक्रवार

निर्देश (प्र. 8 से 10) निम्नलिखित वक्तव्य को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर दीजिए -

(i) **हेमलता तथा नीलिमा संगीत तथा नृत्यकला में निपुण हैं।**

(ii) **प्रतिभा तथा नीलिमा संगीत तथा चित्रकारी में निपुण हैं।**

(iii) **हेमलता तथा प्रियंका नृत्यकला तथा व्याख्यान में निपुण हैं।**

(iv) **प्रियंका तथा प्रतिभा व्याख्यान तथा चित्रकारी में निपुण हैं।**

प्र. 8 **उनके नाम बताएं जो व्याख्यान, संगीत तथा चित्रकारी में निपुण हैं?**
(A) हेमलता
(B) प्रतिभा
(C) प्रियंका
(D) इनमें से कोई नहीं

प्र. 9 **उनके नाम बताएं जो व्याख्यान, नृत्यकला तथा चित्रकारी में निपुण हैं?**
(A) प्रतिभा (B) प्रियंका
(C) हेमलता (D) ये सभी

प्र. 10 **उनके नाम बताएं जो संगीत, चित्रकारी तथा नृत्यकला में निपुण हैं?**
(A) नीलिमा (B) प्रियंका
(C) हेमलता (D) प्रतिभा

उत्तर- प्र. 8 (B) प्रतिभा
प्र. 9 (B) प्रियंका
प्र. 10 (A) नीलिमा

हल प्र.8 से 10 तक के लिए

नाम	संगीत	चित्रकारी	नृत्यकला	व्याख्यान
हेमलता	✓		✓	✓
नीलिमा	✓	✓	✓	
प्रतिभा	✓	✓		✓
प्रियंका		✓	✓	✓

निर्देश (प्र. 11 से 17) नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प के अतिरिक्त अन्य सभी विशिष्ट तरह से समान हैं। उस विकल्प को चुनिए जो अन्य से भिन्न है -

प्र. 11 (A) मार्च (B) जुलाई
(C) अगस्त (D) नवम्बर

उत्तर- (D) नवम्बर

व्याख्या नवम्बर के अतिरिक्त अन्य सभी महीनों में 31 दिन होते हैं।

प्र. 12 (A) 81 (B) 61
(C) 51 (D) 41

उत्तर- (A) 81

व्याख्या 81 के अतिरिक्त अन्य कोई भी संख्या पूर्ण वर्ग नहीं है।

प्र. 13 (A) दमदमा (B) गोदावरी
(C) कावेरी (D) नर्मदा

उत्तर- (A) दमदमा

व्याख्या दमदमा के अतिरिक्त सभी नदियों के नाम है जबकि दमदमा झील का नाम है।

प्र. 14 (A) कथकली
(B) भरतनाट्यम
(C) मोहिनी अट्टम
(D) पृथ्वीराज रासो

उत्तर- (D) पृथ्वीराज रासो

व्याख्या पृथ्वीराज रासो के अतिरिक्त अन्य सभी शास्त्रीय नृत्य हैं। पृथ्वीराज रासो हिन्दी का पहला महाकाव्य माना जाता है।

प्र. 15 (A) भुवनेश्वर (B) पटना
(C) इम्फाल (D) आगरा

उत्तर- (D) आगरा

व्याख्या आगरा को छोड़कर शेष राज्यों की राजधानियाँ हैं।

प्र. 16 (A) आलू (B) प्याज
(C) गाजर (D) टमाटर

उत्तर- (D) टमाटर

व्याख्या टमाटर के अतिरिक्त अन्य जमीन के अंदर लगाए जाते हैं।

प्र. 17 (A) 8, 23 (B) 9 , 28
(C) 12, 37 (D) 15, 46

उत्तर- (A) 8, 23

व्याख्या A को छोड़कर अन्य युग्मों में दूसरी संख्या पहली संख्या में 3 से गुणा करने तथा 1 जोड़ने से प्राप्त होती है।

प्र. 18 **दिव्य, दक्ष से लम्बा है। प्रियंक, दक्ष से छोटा है। शुभम दक्ष से अधिक लंबा है किंतु इतना नहीं जितना कि दिव्य। चारों में सबसे अधिक लम्बा कौन है?**
(A) दक्ष (B) प्रियंक
(C) दिव्य (D) शुभम

उत्तर- (C) दिव्य

व्याख्या चारों निम्न प्रकार से है
दिव्य > शुभम > दक्ष > प्रियंक

निर्देश (प्र. 19 से 23) दिए गए विकल्प में से उस शब्द का चयन कीजिए जो दिए गए अक्षरों से नहीं बन सकता -

प्र. 19 **EXTRAORDINARY**
(A) ROAD (B) DIVY
(C) RINA (D) ENTRY

उत्तर- (B) DIVY

व्याख्या चूँकि दिए गए शब्द में V नहीं है इसीलिए DIVY शब्द दिए गए शब्द के अक्षरों से नहीं बन सकता।

प्र. 20 **AGRICULTURAL**
(A) ALT (B) ALTAR
(C) CITY (D) GAUL

उत्तर- (C) CITY

व्याख्या चूँकि दिए गए शब्द में Y नहीं है इसीलिए CITY शब्द दिए गए शब्द के अक्षरों से नहीं बन सकता।

प्र. 21 **PROBATIONARY**
(A) TIDY (B) TINY
(C) TIP (D) TRAIN

उत्तर- (A) TIDY

व्याख्या चूँकि दिए गए शब्द में D नहीं है इसीलिए TIDY शब्द नहीं बन सकता।

प्र. 22 **TRANSCONTINENTAL**
(A) TRET (B) TRIAL
(C) TEAM (D) TEAR

उत्तर- (C) TEAM

व्याख्या चूँकि दिए गए शब्द में M नहीं है इसीलिए TEAM शब्द दिए गए शब्द के अक्षरों से नहीं बन सकता।

प्र. 23 **STANDARDIZATION**
(A) STAIR
(B) STATION
(C) STATIONARY
(D) STANZA

उत्तर- (C) STATIONARY

व्याख्या चूँकि दिए गए शब्द में Y नहीं है अतः STATIONARY शब्द दिए गए शब्द के अक्षरों से नहीं बन सकता।

प्र. 24 **किसी सांकेतिक भाषा में निम्नलिखित अंक यथाक्रम दिए हुए हैं।**

+	-	×	÷	△	∧	∨	□	⊠
1	2	3	4	5	6	7	8	9

उसी सांकेतिक भाषा में 2681 किस प्रकार लिखा जाएगा?
(A) +-∧∨ (B) -×□△
(C) -∧□⊠ (D) -∧□+

उत्तर- (D) -∧□+

प्र. 25 **यदि 'ICE' '17 - 5 - 9' के रूप में कोडेड है तो 'TOY' कैसे कोडेड होगा?**
(A) 15 - 25 - 5
(B) 16 - 26 - 5
(C) 29 - 40 - 49
(D) 39 - 29 - 49

उत्तर- (D) 39 - 29 - 49

व्याख्या I → 17
C → 5
E → 9
लिखा गया है।
I अंग्रेजी वर्णमाला का नौवा वर्ण है तथा इसे $9 \times 2 - 1 = 17$ लिखा गया है।
C अंग्रेजी वर्णमाला का तीसरा वर्ण है तथा इसे $3 \times 2 - 1 = 5$ लिखा गया है।
E अंग्रेजी वर्णमाला का पाँचवा वर्ण है तथा इसे $5 \times 2 - 1 = 9$ लिखा गया है।
इसी प्रकार
$T = 20 \times 2 - 1 = 39$
$O = 15 \times 2 - 1 = 29$
$Y = 25 \times 2 - 1 = 49$
लिखा जाएगा।

- डॉ. डी.सी. राठी
(लेखक, शासकीय महाविद्यालय राऊ, इंदौर में अध्यापन करते हैं)

कटनी का सुनियोजित विकास कर सुन्दर और स्वच्छ शहर बनायेंगे - मुख्यमंत्री

कटनी, औद्योगिक और प्रचुर खनिज सम्पदा की पहचान रखने वाले कटनी जिले के सभी नगरों का सुनियोजित विकास कर सुंदर और सबसे स्वच्छ नगर बनाया जायेगा। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नगर निगम कटनी की पंचवर्षीय विकास कार्ययोजना 2021-26, नगर परिषद बरही, विजयराघवगढ़ और कैमोर की वर्षवार विकास और निर्माण कार्ययोजना की रणनीति एवं कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुये कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कटनी जिला विकास और जन-कल्याण की दिशा में तेजी से आगे बढ़े और विकास की नई ऊंचाईयों को छुए, इसके लिये सभी जनप्रतिनिधि मिलकर शहर को आगे बढ़ाने का कार्य करें। श्री चौहान ने कहा कि पर्यटन और औद्योगिक विकास के लिए कटनी में एयर स्ट्रिप के लिये जिला प्रशासन उचित भूमि का चयन करे। श्री चौहान ने कहा कि कटनी जिले में सभी प्रकार के खनिजों की प्रचुरता है। स्थानीय औद्योगिक इकाइयों में स्थानीय युवाओं को रोज़गार मिले, इसके लिए संबंधित ट्रेड में प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि खनिजों का उचित दोहन और कच्चे माल की वैल्यू एडीसन और प्र-संस्करण के संबंध में भी प्रयास किये जायेंगे।

श्री चौहान ने कटनी शहर के सीवरेज प्लान और पेयजल योजना में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर संबंधित निविदाकार को कार्य पूरा करने के लिये डेडलाइन तय करने के निर्देश दिये।

स्वच्छता को प्राथमिकता दें

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता व्यक्ति के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है, अतः जन-कल्याण, विकास कार्यों के साथ स्वच्छता को भी प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने इंदौर का उदाहरण देते हुए बताया कि स्वच्छता में अव्वल रहने पर वहाँ संक्रामक बीमारियों का ग्राफ तेजी से गिर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता में कटनी को सबसे स्वच्छ बनाने और उसे नंबर वन रखने का कार्य हम-सब मिलकर करेंगे। स्वच्छता गौरव का विषय बने और गीला तथा सूखा कचरा अलग-अलग संग्रहीत कराने के प्रति नागरिकों में जागरुकता पैदा की जाये। नेकी की दीवार की जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सर्वश्रेष्ठ मानवीय पहल है, इस काम को आगे बढ़ायें।

मुख्यमंत्री ने शहरी विकास अधोसंरचना, यातायात सुधार और परिवहन सेवाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कटनी शहर की व्यवहारिक आवश्यकताओं एवं परिस्थितियों के अनुरूप नागरिकों की सुविधाएं विकसित करने का प्रयास किया जाये।

शहरी क्षेत्र की महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ें

श्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की तरह शहरी क्षेत्र की महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर सशक्त और सक्षम बनाने की जरूरत है। उन्होंने कटनी जिले की नगर निगम को प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वनिधि स्ट्रीट वेंडर योजना में बेहतर काम कर प्रदेश में चौथे स्थान पर आने की बधाई दी। कटनी में निर्धारित लक्ष्य 5400 के विरुद्ध 4300 पथ विक्रेताओं को स्वनिधि योजना का लाभ दिया गया है।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बताया कि कटनी नगर निगम की पंचवर्षीय रोडमैप की वर्ष 2026 तक 704 करोड़ 73 लाख रुपये लागत की कार्य-योजना बनाई गई है। इसी प्रकार वार्षिक कार्य-योजना में वर्ष 2021-22 में 132 करोड़ के विकास कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कार्य-योजना के प्रमुख बिंदुओं शहरी अधोसंरचना विकास, आजीविका संवर्धन, राजस्व एवं प्रशासकीय सुधार, पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन एवं पर्यटन सर्किट का विकास आदि की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कटनी शहर में एक सार्वजनिक पार्क इस प्रकार विकसित किया जाये कि वह लोगों को अपनी ओर सहज ही आकर्षित करे और दूसरे शहरों से आने वाले लोग उस पार्क को देखे बिना नहीं जायें।

निर्णय दिल से नहीं दिमाग से लेना चाहिये – चाणक्य

6 फरवरी

सिविल सेवा परीक्षा के उम्मीदवारों को मिलेगा एक और अवसर

●केंद्र सरकार कोरोना महामारी के कारण आखिरी मौका गंवाने वाले सिविल सेवा के उम्मीदवारों को कुछ शर्तों के साथ अतिरिक्त अवसर देने पर सहमत हो गई है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। सरकार ने हलफनामे में कहा कि जिन उम्मीदवारों का आखिरी अटेम्प्ट 2020 की सिविल परीक्षा में था और उन्होंने परीक्षा के लिये अप्लाई किया, लेकिन परीक्षा में शामिल नहीं हो सके, उन्हें एक अतिरिक्त अटेम्प्ट दिया जायेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ एक बार का रिलेक्शेसन है। संघ लोक सेवा आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इस फैसले के संबंध में आधिकारिक सूचना जल्द जारी की जायेगी।

●भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बजट 2021-22

के बाद नई क्रेडिट पॉलिसी का ऐलान किया है। आरबीआई ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। प्रमुख ब्याज दर (रेपो रेट) चार प्रतिशत ही रहेगी। आरबीआई ने कहा कि देश की आर्थिक विकास की संभावनाओं में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने वर्ष 2021-22 में देश की आर्थिक विकास दर (जीडीपी वृद्धि दर) 10.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने डिजिटल पेमेंट सेवाओं के लिये 24 घंटे सातों दिन काम करने वाली हेल्पलाइन शुरू करने की बात कही है।

●अफगानिस्तान में आतंकी हमलों का सिलसिला जारी है। आतंकी संगठन तालिबान ने सेना की एक चेक पोस्ट पर घात लगाकर हमला किया है। इस हमले में 16 सैनिकों की मौत हो गई। यह हमला कुंदुज प्रांत के खान आबाद जिले में हुआ। अफगान सेना के एक अधिकारी के अनुसार इस हमले में 16 सैनिक मारे गये हैं, जबकि दो सैनिकों को तालिबानी आतंकी अपने साथ ले गये हैं। आतंकियों की तलाश के लिये अभियान चलाया गया है।

7 फरवरी

म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के खिलाफ लगातार बढ़ रहा है प्रदर्शन

●म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के विरोध में प्रदर्शन तेज होते जा रहे हैं। म्यांमार की राजधानी यंगून में देश की प्रमुख नेता आंग सान सू की को जल्द रिहा करने के लिये हजारों लोग प्रदर्शन में उतर आये। यंगून यूनिवर्सिटी के पास लगभग 30 हजार लोगों ने सैन्य तख्तापलट का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि हम सैन्य तानाशाही नहीं चाहते हैं, हम लोकतंत्र चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह वर्ष 2007 के बाद म्यांमार का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है। तख्तापलट के विरोध में हो रही रैलियों में हजारों लोगों के शामिल होने के मद्देनजर इंटरनेट सेवायें बंद कर दी गईं, जिसे बाद में दोबारा शुरू किया गया है।

●ब्रिटेन भारत सहित तेज विकास गति वाले देशों के साथ विद्यार्थियों की अदला-बदली करेगा। दरअसर ब्रिटेन ब्रेक्जिट के बाद अपनी अंतर्राष्ट्रीय छवि को विकसित करने के लिये कई कदम उठा रहा है। ब्रिटेन अन्य देशों से संबंधों के विकास के लिये शिक्षा के रणनीतिक इस्तेमाल पर कार्य कर रहा है। यूरोपीय यूनियन से अलगाव के बाद ब्रिटेन अब गैर यूरोपीय देशों में अपने छात्रों को पढ़ने के लिये भेजेगा। ब्रिटेन के शिक्षा विभाग ने उच्च शिक्षा संस्थानों के जरिये 110 मिलियन पाउंड (लगभग एक हजार करोड़ रुपये) के बजट की टूरिंग योजना बनाई है। इस योजना के तहत ब्रिटिश छात्रों को विदेशों में पढ़ाई के लिये भेजा जायेगा। छात्रों की अदला-बदली वाली इस योजना में ब्रिटेन ने भारत को प्रमुखता दी है।

8 फरवरी

यूजीसी ने जेआरएफ के लिये आयु सीमा की 31 वर्ष

●नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मई 2021 में आयोजित होने वाली यूजीसी

NATIONAL TESTING AGENCY
Excellence in Assessment

नेट-2021 परीक्षा के लिये आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एनटीए ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिये अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 31 वर्ष कर दी है। एनटीए ने कहा कि यह छूट सिर्फ वर्तमान परीक्षा में ही लागू होगी। इसके बाद यूजीसी नेट परीक्षाओं में आयु सीमा 30 वर्ष ही रहेगी। उल्लेखनीय है कि यूजीसी नेट परीक्षा 2 से 17 मई तक आयोजित की जायेगी। इस परीक्षा के लिये आवेदन की अंतिम तिथि दो मार्च 2021 है।

●चीन के तटरक्षक बल के दो जहाजों ने जापान प्रशासित सेनकाकू द्वीप में घुसपैठ की। यह जानकारी जापान के विदेश मंत्रालय ने दी। जापानी विदेश मंत्रालय के अनुसार इन जहाजों ने जापानी समुद्री सीमा का उल्लंघन करते हुये जापान की मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को रोकने की कोशिश की। जापान के अनुसार चीन की इस घुसपैठ का उद्देश्य सेनकाकू द्वीप पर कब्जा करना है। पूर्वी चीन सागर स्थित इस द्वीप को लेकर चीन और जापान दोनों के बीच विवाद चल रहा है। चीन ने अपनी विस्तारवादी नीति के तहत कई बार इस द्वीप पर दावा किया है, वहीं जापान भी इस द्वीप को अपना हिस्सा बताता है।

●अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने सभी तकनीकी संस्थानों से कहा है कि वे भारतीय लेखकों की किताबों को प्राथमिकता दें। एआईसीटीई ने तकनीकी संस्थानों को लिखे पत्र में कहा कि भारतीय लेखकों की किताबों को अधिक उपयोग में लाने से भारतीय लेखकों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को भी मजबूती मिलेगी।

9 फरवरी

मार्च में देश को मिलेंगे 17 राफेल लड़ाकू विमान

●इस वर्ष मार्च महीने तक भारत को 17 और राफेल विमान मिल जायेंगे। अप्रैल

2022 तक भारत को राफेल विमानों की पूरी खेप मिल जायेगी। यह जानकारी केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुये दी। रक्षा मंत्री ने बताया कि अब तक 11 राफेल विमान भारत आ चुके हैं और मार्च में 17 और ऐसे विमान भारत को मिल जायेंगे। रक्षा मंत्री ने एक अन्य प्रश्न के जवाब में कहा कि हम स्वदेशीकरण पर जोर दे रहे हैं। हमने 101 ऐसी सामग्रियों को चिन्हित किया है, जो अब विदेशों से आयात नहीं की जायेंगी, बल्कि इनका निर्माण भारत में ही किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि भारत ने चार साल पहले फ्रांस के साथ 59 हजार करोड़ रुपये में 36 राफेल विमान खरीदने का सौदा किया था। राफेल विश्व के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक है।

●सुप्रीम कोर्ट ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिये बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) पाठ्यक्रम में दाखिले के लिये न्यूनतम अंक कम नहीं करने के केंद्र सरकार के आदेश को खारिज करते हुये न्यूनतम अंक को 10 पर्सेंटाइल कम करने के आदेश दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिये बीडीएस प्रथम वर्ष की रिक्त सीटों को मौजूदा वर्ष के नीट (अंडर ग्रेजुएट) पाठ्यक्रमों में भागीदारी करने वाले उम्मीदवारों से भरा जाये। कोर्ट ने फैसले में कहा कि पर्सेंटाइल घटाने से शिक्षा के स्तर पर कोई असर नहीं होगा। मौजूदा शैक्षणिक सत्र के दौरान बीडीएस प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिये लगभग 7 हजार सीटें उपलब्ध हैं। उल्लेखनीय है कि डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट से प्रवेश के लिये जरूरी पर्सेंटाइल घटाने की सिफारिश की थी।

●देश के तीनों रक्षा बलों में कुल 9 हजार 118 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवाएं दे रही हैं, जबकि सैन्य पुलिस में 1700 महिलाओं को जवानों के रूप में शामिल करने की मंजूरी दी गई है। यह जानकारी केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने राज्यसभा में दी। श्री नाइक ने बताया कि सेना में 6 हजार 807 महिला अधिकारी हैं, जबकि वायुसेना में 1607 महिला अधिकारी तैनात हैं। वहीं नौसेना में 704 महिला अधिकारी कार्यरत हैं।

10 फरवरी

एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग में भारत के पांच संस्थान शामिल

●फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा जारी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग-2021 में भारत के पांच संस्थानों को टॉप-100 में जगह मिली है। इस रैंकिंग में ऐसे संस्थान और कॉलेजों को शामिल किया गया है, जो विश्व में सर्वश्रेष्ठ एमबीए कोर्स प्रदान करते हैं। रैंकिंग में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) को 23वां, भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) बेंगलुरु को 35वां, आईआईएम कोलकाता को 44वां, आईआईएम अहमदाबाद को 48वां तथा आईआईएम इन्दौर को 94वां स्थान मिला है। रैंकिंग में फ्रांस और सिंगापुर के संस्थान 'इंसीड' ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि इस रैंकिंग की गणना स्नातक, अनुसंधान की गुणवत्ता और पूर्व छात्रों द्वारा तैयार किये गये वेतन के आधार पर की जाती है।

●भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट की सीमा तय कर दी है। एफएसएसएआई द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट की सीमा 5 से घटाकर 2 प्रतिशत कर दी है। एफएसएसएआई ने इंडस्ट्रीयल ट्रांस फैट एसिड (टीएफए) को सभी फैट्स और तेलों में अधिकतम 3 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। एफएसएसएआई के अनुसार विश्व के 40 देशों में ट्रांस फैट्स को लेकर नियम बनाये गये हैं। भारत से पहले एशिया में सिर्फ थाइलैंड में ट्रांस फैट्स खत्म करने के लिये पॉलिसी बनाई गई है।

11 फरवरी

फास्टैग वॉलेट में न्यूनतम राशि रखना अनिवार्य नहीं होगा

●राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)

FASTag

की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है। इसका लाभ केवल पैसेंजर सेगमेंट की गाड़ियों पर मिलेगा। कमर्शियल वाहनों को इसमें छूट नहीं मिलेगी। एनएचएआई ने कहा कि फास्टैग जारी करने वाले बैंक सिक्युरिटी डिपॉजिट के अलावा मिनिमम बैलेंस को अनिवार्य नहीं कर सकते हैं और न ही ग्राहकों पर दबाव बना सकते हैं। एनएचएआई ने कहा कि अब यदि फास्टैग में नेगेटिव बैलेंस नहीं है तो कार को टोल प्लाजा पार करने की अनुमति होगी। फास्टैग का बैलेंस नेगेटिव होने पर बैंक सिक्युरिटी डिपॉजिट से इसे वसूल सकते हैं। अगले रिचार्ज के बाद सिक्युरिटी डिपॉजिट की राशि को पूरा कर दिया जायेगा। उल्लेखनीय है कि देश में इस समय फास्टैग के 2.54 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं।

●चीन ने दावा किया है कि उसका अंतरिक्ष यान 'तियानवेन-1' मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश कर गया है, जो ग्रह की सतह पर एक रोवर उतारेगा और वहां भूजल तथा प्राचीन जीवन के संभावित संकेतों से संबंधित विवरण जुटायेगा। चीन ने कहा कि यह अंतरिक्ष यान जुलाई में प्रक्षेपित किया गया था। यदि सब कुछ योजना के अनुसार चला तो कुछ महीनों में रोवर यान से अलग हो जायेगा और मंगल ग्रह की सतह पर उतरने का प्रयास करेगा।

●दक्षिणी प्रशांत महासागर में आये भूकंप के तेज झटकों ने न्यूजीलैंड सहित कई देशों को दहला दिया है। रिक्टर स्केल पर भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 7.7 मापी गई है। हालांकि भूकंप के कारण किसी भी जनहानि या नुकसान की कोई खबर नहीं है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने दक्षिणी प्रशांत महासागर के देशों के लिये सुनामी की चेतावनी जारी की है, इन देशों में आपातकालीन सहायता एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

12 फरवरी

सीबीएसई स्कूलों में एक अप्रैल से शुरू होगा नया सत्र

●केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपने सम्बद्ध सभी स्कूलों को नोटिस

जारी कर निर्देश दिये हैं कि वर्ष 2021-22 के शैक्षणिक सत्र की शुरुआत एक अप्रैल से की जाये। सीबीएसई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर नोटिस की कॉपी अपलोड की है। नोटिस में सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने कहा कि स्कूलों को राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस के तहत शैक्षणिक सत्र की शुरुआत करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल 31 मार्च से पहले नौवीं एवं ग्यारहवीं कक्षा की परीक्षाएं आयोजित करें तथा रिजल्ट का प्रकाशन करें। सभी परीक्षाओं के दौरान कोरोना गाइडलाइन का पालन किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई की कक्षा दसवीं तथा 12वीं की परीक्षाएं ऑफलाइन तरीके से 4 मई से शुरू होंगी।

●केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) ने फिल्म निर्माताओं से कहा कि फिल्मों के शीर्षक, कलाकारों के नाम और क्रेडिट उसी भाषा में दिखाएं, जिस भाषा में फिल्म प्रमाणन के लिये बोर्ड के पास भेजी गई है। सेंसर बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने चलचित्र प्रमाणन नियमावली 1983 के नियम 22 में संशोधन के लिये अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के तहत फिल्म का शीर्षक, कलाकारों के नाम और आभार उस भाषा में लिखे जायें, जिस भाषा में फिल्म के संवाद हैं। अगर आवेदक की इच्छा हो तो वह संवाद वाली भाषा के अलावा इन्हें अन्य भाषा में प्रदर्शित कर सकता है। सेंसर बोर्ड के इस निर्णय को हिन्दी तथा क्षेत्रीय भाषाओं के फिल्मों के लिये महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रदेश में 21 करोड़ रुपये की लागत से बन रहीं 7 जल संरचनायें

भोपाल, मध्यप्रदेश की समूची ग्रामीण आवादी को नल से जल उपलब्ध करवाये जाने के लिए जल जीवन मिशन के अन्तर्गत विभिन्न जिलों में जल प्रदाय योजनाओं का काम हो रहा है। शिवपुरी जिले में भी 7 जलप्रदाय योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जायेगा, जिनकी लागत 21 करोड़ 30 लाख 73 हजार रुपये है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा शिवपुरी जिले के क्रमशः पिछोर, खनियाधाना, बदरवास, करैरा तथा नरवर विकासखण्डों के ग्रामों में नल के जरिये जलप्रदाय किए जाने की इन योजनाओं पर कार्य प्रारंभ किया जा रहा है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 38, अंक 07 15.02.2021 से 21.02.2021

रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (रु. पाँच सौ) का डी.डी., मनी ऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर सम्पादक, रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें:-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011,
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : mpmdtp@yahoo.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

खेल चर्चा

बीसीसीआई को ड्रोन के इस्तेमाल की मिली अनुमति

नई दिल्ली, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को वर्ष 2021 में क्रिकेट मैचों को कवर करने के लिये ड्रोन के इस्तेमाल की मंजूरी प्रदान की है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव अंबर दुबे ने बताया कि मंत्रालय को बीसीसीआई की तरफ से क्रिकेट मैचों के सीधे प्रसारण के लिये रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) के उपयोग की अनुमति की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि हमारे देश में ड्रोन इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार हो रहा है। कृषि, खनन, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के साथ खेल और मनोरंजन के क्षेत्र में इसका इस्तेमाल बढ़ रहा है।

रानी रामपाल बीबीसी प्लेयर ऑफ द ईयर के लिये नॉमिनेट

नई दिल्ली, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल को बीबीसी प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिये नॉमिनेट किया गया है। इस पुरस्कार के लिये शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हंपी, निशानेबाज मनु भाकर, पहलवान विनेश फोगाट और फर्राटा धाविका दुती चंद को भी नॉमिनेट किया गया है। इन खिलाड़ियों का नामांकन 40 सदस्यीय निर्णायक मंडल ने किया है। विजेता का फैसला सार्वजनिक मतदान के जरिये होगा। विजेता की घोषणा आठ मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर की जायेगी। आयोजकों ने इस वर्ष नई श्रेणी 'वर्ष की उभरती खिलाड़ी' शुरू की है। इसके विजेता का फैसला मतदान की जगह निर्णायक मंडल द्वारा किया जायेगा।

स्टीव स्मिथ को मिला एलेन बॉर्डर मेडल

मेलबर्न, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को एलेन बॉर्डर मेडल से सम्मानित किया है। एलेन बॉर्डर मेडल के लिये स्मिथ को सबसे ज्यादा 126 वोट मिले। स्मिथ को तीसरी बार यह पुरस्कार मिला है, इससे पहले स्मिथ को वर्ष 2015 और 2018 में भी एलेन बॉर्डर मेडल मिल चुका है। वहीं बेथ मूनी को बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड से नवाजा गया है। इसके अलावा स्टीव स्मिथ को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ वन-डे खिलाड़ी तथा पैट कमिंस को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर चुना गया है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया में वर्ष में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले पुरुष क्रिकेटर को एलेन बॉर्डर मेडल तथा महिला क्रिकेटर को बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड दिया जाता है।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ब्रूस टेलर का निधन

ऑकलैंड, न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर ब्रूस टेलर का निधन हो गया है। वे 77 वर्ष के थे। टेलर ने अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट कॅरियर में 30 टेस्ट और 2 वन-डे मैच खेले हैं। टेलर ने टेस्ट क्रिकेट में 898 रन तथा 111 विकेट लिये हैं। टेलर ने मार्च 1965 को टेस्ट पदार्पण भारत के खिलाफ किया था। इस मैच में टेलर ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 105 रनों की शतकीय पारी खेली और फिर गेंदबाजी करते हुये 86 रन देकर 5 विकेट लिये। वे टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण मैच में शतक बनाने तथा पारी में पांच विकेट लेने वाले विश्व के एकमात्र क्रिकेटर हैं। वर्ष 1992 के वन-डे विश्वकप के दौरान टेलर न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के मुख्य चयनकर्ता थे।

ऋषभ पंत बने आईसीसी के पहले प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हाल ही में लॉन्च आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के पहले विजेता का नाम घोषित किया है। इस सम्मान के लिये भारत के युवा विकेटकीपर और बल्लेबाज ऋषभ पंत को चुना गया है। अब हर महीने आईसीसी तीनों फॉर्मेट में से एक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनेगी। ऋषभ पंत को यह अवॉर्ड जनवरी 2021 में शानदार प्रदर्शन के लिये दिया गया है।

जो रूट को पीछे छोड़ा

ऋषभ पंत ने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिये इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट तथा आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग को पीछे छोड़ा है। आईसीसी की स्वतंत्र कमेटी ने इस पुरस्कार के लिये ऋषभ, रूट और स्टर्लिंग को नामांकित किया था। कमेटी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ऋषभ पंत के प्रदर्शन को प्रभावी मानते हुये उन्हें विजेता घोषित किया है।

ऑस्ट्रेलिया में जीत के नायक बने

ऋषभ पंत के क्रिकेट कॅरियर के लिये ऑस्ट्रेलिया का दौरा टर्निंग प्वॉइंट रहा। ऋषभ ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दो यादगार और महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। सिडनी में भारतीय टीम की हार तय लग रही थी, तब ऋषभ ने दूसरी पारी में पुजारा के साथ मिलकर 97 रनों की बेजोड़ पारी खेली और मैच को ड्रॉ कराने में सफल रहे। वहीं ब्रिस्बेन में खेले गये गाबा टेस्ट मैच में दूसरी पारी में नाबाद 89 रन बनाकर मुश्किल लक्ष्य को हासिल कर भारत को यादगार विजय दिलाई थी।

- **ऋषभ पंत वर्ष 2018 में आईसीसी इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड हासिल कर चुके हैं।**
- **ऋषभ टेस्ट क्रिकेट कॅरियर में छक्का लगाकर अपने रनों का खाता खोलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं।**
- **इंग्लैंड में टेस्ट शतक लगाने वाले विश्व के दूसरे तथा भारत के पहले विकेटकीपर हैं ऋषभ पंत।**
- **ऋषभ के नाम एक टेस्ट मैच में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा कैच (11) लपकने का संयुक्त रिकॉर्ड है।**
- **ऋषभ के अलावा इंग्लैंड के जैक रसेल तथा दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स भी एक टेस्ट मैच में 11-11 कैच पकड़ चुके हैं।**

टीम में स्थान पक्का किया

पिछले कुछ महीनों में ऋषभ का प्रदर्शन साधारण रहा था। आईपीएल में साधारण प्रदर्शन के बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की वन-डे और ट्वेंटी-20 टीम में जगह नहीं मिली थी। दौरे पर टेस्ट टीम में भी ऋषभ को ऋद्धिमान साहा के साथ अतिरिक्त विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया था। यहां तक कि पहले टेस्ट मैच में वे भारतीय टीम में जगह भी नहीं बना पाये थे। पहला टेस्ट हारने के बाद टीम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिये ऋषभ को दूसरे टेस्ट मैच में टीम में शामिल किया गया था। उल्लेखनीय है कि महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड दक्षिण अफ्रीका की शबनिम इस्माइल को मिला है।

अर्जुन और बुशरा ने मध्यप्रदेश को दिलाए स्वर्ण पदक

गुवाहाटी, राष्ट्रीय जूनियर एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश को बालक एवं बालिका अंडर-18 वर्ग की 1500 मीटर दौड़ में दो स्वर्ण पदक हासिल हुए। एथेलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी अर्जुन बास्कले ने 1500 मीटर दौड़ 3 मिनट 50.38 सेकेण्ड में पूरी कर जहां मध्यप्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाया, वहीं नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। इससे पहले कोयंबटूर में वर्ष 2016 में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में एथलीट शंकर ने 1500 मीटर दौड़ 3 मिनट 53.63 सेकेण्ड में पूरी कर यह रिकॉर्ड बनाया था।

प्रतियोगिता के बालिका अंडर-18 वर्ग की 1500 मीटर दौड़ में अकादमी की खिलाड़ी बुशरा खान गौरी ने 4 मिनट 53.47 सेकेण्ड में रेस पूरी कर मध्यप्रदेश को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इसे मिलाकर मध्यप्रदेश को प्रतियोगिता में 13 पदक हासिल हुए हैं। इनमें 7 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य पदक शामिल है। इस प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 7 पदक मध्यप्रदेश को दिलाए हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी बीस फरवरी से होगी शुरू

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विजय हजारे ट्रॉफी का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 20 फरवरी से 14 मार्च तक खेला जायेगा। टूर्नामेंट के मुकाबले सूरत, इन्दौर, बेंगलुरु, कोलकाता, जयपुर तथा तमिलनाडु में खेले जायेंगे। टूर्नामेंट के लिये खिलाड़ियों को 13 फरवरी से बायो बबल में रहना होगा। उल्लेखनीय है कि विजय हजारे ट्रॉफी एक दिवसीय फॉर्मेट में खेली जाती है।

सिलेक्शन ट्रायल

मध्यप्रदेश अकादमी के खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की प्रतिभावान खिलाड़ी चिंकी यादव ने नई दिल्ली में आयोजित तृतीय एवं चतुर्थ चयन ट्रायल के फायनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। तृतीय चयन ट्रायल में चिंकी यादव 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल इवेन्ट के क्वालीफिकेशन राउण्ड में जहां 579 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं, वहीं फायनल राउण्ड में 37 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। चिंकी यादव ने अपने शीर्ष स्थान को कायम रखते हुए चतुर्थ चयन ट्रायल में भी शानदार प्रदर्शन किया और क्वालीफिकेशन राउण्ड में 384 अंक तथा फायनल राउण्ड में 37 अंकों के स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर रहीं।

मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के प्रतिभावान खिलाड़ी एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पुरुष वर्ग की सीनियर 10 मीटर एयर रायफल स्पर्धा में चौथे चयन ट्रायल के क्वालीफिकेशन राउण्ड में जहां 628.7 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे वहीं उन्होंने फायनल राउण्ड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 252.6 का स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

इसी तरह अकादमी की खिलाड़ी सुनिधि चौहान तीसरे ट्रायल के क्वालीफिकेशन राउण्ड में 1170 अंक प्राप्त कर पहले स्थान पर रही। फायनल राउण्ड में उन्होंने 456 का स्कोर कर दूसरा स्थान अर्जित किया। चतुर्थ चयन ट्रायल के फायनल में 420.4 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

खेल और युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने दिल्ली में आयोजित सिलेक्शन ट्रायल में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुये कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों पर गर्व है।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में भारत को 227 रन से हराया

चेन्नई, इंग्लैंड ने आईसीसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिये अपनी दावेदारी की उम्मीदों को जिंदा रखा है। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच 227 रनों से अपने नाम किया है। इस जीत के साथ इंग्लैंड सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुये पहली पारी में 218 रनों की पारी खेली। रूट के अलावा डोम सिबले (87) और बेन स्टोक्स (82) ने भी बेहतरीन पारियां खेलीं। इंग्लैंड ने पहली पारी में 578 रन बनाये। इसके जवाब में भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। 73 रन के स्कोर पर चार भारतीय बल्लेबाज पवेलियन लौट गये। इसके बाद चेतेश्वर पुजारा (73) और ऋषभ पंत (91) ने पारी को संभाला। इन दोनों के बाद वाशिंगटन सुंदर (85) ने भी बढ़िया पारी खेली। इसके बावजूद भारतीय टीम पहली पारी में 337 रन पर सिमट गई।

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में भारत को फॉलोऑन नहीं दिया और बल्लेबाजी की, लेकिन रविचंद्रन अश्विन की घातक गेंदबाजी के सामने इंग्लिश बल्लेबाज बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सके। 178 रन पर इंग्लैंड की टीम ऑलआउट हो गई। अश्विन ने दूसरी पारी में 61 रन देकर 6 विकेट लिये।

- **एशियाई धरती पर रूट का यह लगातार तीसरा टेस्ट शतक है।**
- **100वें टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले नौवें बल्लेबाज है रूट।**

भारत को दूसरी पारी में जीत के लिये 420 रनों का विशाल लक्ष्य मिला। टर्न लेती पिच पर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया वाला प्रदर्शन दोहरा नहीं पाई और 192 रनों पर ऑलआउट हो गई।

वेस्टइंडीज ने एशिया में किया सबसे बड़ा रन चेज

चटगांव, बड़े खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में बांग्लादेश में टेस्ट सीरीज खेल रही वेस्टइंडीज की टीम ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को पहले टेस्ट में रोमांचक तरीके से 3 विकेट से हराया है। यह एशियाई धरती पर सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले श्रीलंका ने एशिया में सबसे बड़ा रन चेज हासिल किया था, वहीं वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े रन चेज का रिकॉर्ड भी वेस्टइंडीज के ही नाम था। वेस्टइंडीज ने वर्ष 2003 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 418 रन का लक्ष्य हासिल किया था। मैच में युवा बल्लेबाज काइल मायर्स ने अपने पदार्पण टेस्ट मैच की चौथी पारी में नाबाद 210 रन बनाये।

बिग बैश लीग

सिडनी सिक्सर्स तीसरी बार बनी विजेता

सिडनी, पर्थ स्कॉचर्स को हराकर सिडनी सिक्सर्स ने ऑस्ट्रेलिया की लोकप्रिय ट्वेंटी-20 लीग बिग बैश का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में सिडनी सिक्सर्स ने पर्थ स्कॉचर्स को 27 रन से हराया। सिडनी सिक्सर्स ने तीसरी बार यह खिताब जीता है।

मैच में सिडनी सिक्सर्स ने पहले बल्लेबाजी की। जोश फिलिप (9) और जेम्स विंस (95) ने सिक्सर्स को तेज शुरुआत दिलाई। सिडनी सिक्सर्स के लिये जेम्स विंस के अलावा अन्य कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया, लेकिन सभी ने उपयोगी पारियां खेलते हुये सिडनी सिक्सर्स को निर्धारित 20 ओवरों में 188 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

फाइनल मैच में बड़े लक्ष्य के जवाब में पर्थ स्कॉचर्स के लिये कैमरून बेनक्रॉफ्ट (30) और लियम लिविंगस्टोन (45) ने पहले विकेट के लिये पांच ओवरों में 45 रन जोड़े। इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। एक समय लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ने वाली पर्थ स्कॉचर्स की टीम के 5 विकेट 117 रन पर गिर गये।

पर्थ स्कॉचर्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 161 रन ही बना सकी। पर्थ स्कॉचर्स के लिये जोश इंग्लिस (22) और एरॉन हार्डी (26) ने बढ़िया पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।

- **सिडनी सिक्सर्स ने वर्ष 2012 और 2020 में भी बिग बैश लीग जीती है।**
- **सिडनी सिक्सर्स के अलावा पर्थ स्कॉचर्स भी तीन बार इस प्रतिष्ठित लीग को जीत चुका है।**
- **ब्रिस्बेन हीट, सिडनी थंडर्स, एडिलेड स्ट्राइकर्स और मेलबर्न रेनगेड्स भी 1-1 बार बिग बैश लीग के विजेता बन चुके हैं।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

कोवरा बटालियन

पहली बार 34 महिला कमांडो शामिल

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस फोर्स में पहली बार नक्सलियों से निपटने के लिये कोवरा बटालियन में ट्रेनिंग के लिए 34 महिला

कमांडो को चुना गया है। इनको 3 महीने के मुश्किल प्रशिक्षण से गुजरना होगा। उन्हें विशेष हथियारों को चलाने, सामरिक योजना बनाने और जंगल में जीवित रहने के बारे में प्रशिक्षित किया जायेगा। ज्ञात रहे कि सीआरपीएफ में पहली महिला बटालियन का साल 1986 में गठन हुआ था। इस बटालियन के 35वें राइजिंग डे के मौके पर महिला जवानों को कोवरा प्रशिक्षण के लिये चुना गया।

विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन

हम जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 33 से 35 प्रतिशत तक घटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं-प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2021 का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे वैश्विक मंच हमारे वर्तमान और भविष्य के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि हम सब यहां पृथ्वी के स्वास्थ्य के बारे में बात करने के लिए एकत्रित हुए हैं। हम जिस चुनौती के स्तर का सामना करते हैं, वे व्यापक रूप से चर्चित हैं। लेकिन, हम पारंपरिक दृष्टिकोण से अपने सामने आने वाली समस्याएं नहीं सुलझा सकते हैं। आधुनिक समय की जरूरत है कि हम तय खांचे से हटकर सोचें, अपने युवाओं में निवेश करें और सतत विकास की दिशा में काम करें। प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष के लिए जलवायु न्याय पर जोर दिया। जलवायु न्याय, ट्रस्टीशिप के दृष्टिकोण से प्रेरित है, जिसमें विकास सबसे गरीब व्यक्ति के साथ सहानुभूति के साथ आता है। जलवायु न्याय का अर्थ विकासशील देशों को विकसित होने के लिए पर्याप्त जगह देना भी है। उन्होंने कहा कि भारत के इरादे के पीछे ठोस पहल का समर्थन है। उत्साही सार्वजनिक प्रयासों से प्रेरित, हम पेरिस संधी अपनी

प्रतिबद्धताओं और लक्ष्यों को पार करने के रास्ते पर हैं। हम 2005 के स्तर से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता 33 से 35 प्रतिशत तक घटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत में नवीकरणीय ऊर्जा भी रफ्तार पकड़ रही है। हम 2030 तक 450 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित करने के रास्ते पर अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि न्यायसंगत पहुंच के बगैर सतत विकास अधूरा है। इस दिशा में भी भारत ने अच्छी प्रगति की है। मार्च 2019 में, भारत ने लगभग सौ प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल कर लिया था। उन्होंने रेखांकित किया कि उजाला कार्यक्रम के माध्यम से 36.7 करोड़ एलईडी बल्ब लोगों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। इसने सालाना 80 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटाया है। जल जीवन मिशन ने लगभग 18 महीनों में ही 3.40 करोड़ से ज्यादा परिवारों को नल कनेक्शन से जोड़ा है। पीएम उज्ज्वला योजना के जरिए गरीबी रेखा से नीचे के 8 करोड़ से ज्यादा परिवारों की खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन तक पहुंच बनी है। उन्होंने कहा, हम भारत के एनर्जी बास्केट में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ध्यान दिलाया कि अक्सर निरंतरता (सस्टेनेबिलिटी) पर होने वाली बातचीत हरित ऊर्जा पर केंद्रित हो जाती है, लेकिन हरित ऊर्जा तो सिर्फ साधन है। हमें जिस लक्ष्य की तलाश है, वह हरी-भरी धरती है। वनों और हरियाली के प्रति हमारी संस्कृति का गहरा सम्मान उत्कृष्ट नतीजों में बदल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सतत विकास पाने के हमारे अभियान में पशु संरक्षण पर विशेष ध्यान देना शामिल है। प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों का ध्यान दो पहलुओं पर खींचा : एकजुटता और नवाचार। उन्होंने कहा कि सतत विकास केवल सामूहिक प्रयासों से ही हासिल हो पाएगा। जब सभी व्यक्ति राष्ट्र का भला सोचें, जब सभी देश वैश्विक कल्याण के बारे में सोचें, तभी सतत विकास एक वास्तविकता बन पाएगा। भारत ने इस दिशा में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से एक प्रयास किया है। नवाचार के बारे में, उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण अनुकूल तकनीक और अन्य मुद्दों पर कई स्टार्ट-अप्स काम कर रहे हैं। एक नीति निर्माताओं के रूप में, हमें इन विभिन्न प्रयासों का समर्थन करना चाहिए। हमारे युवाओं की ऊर्जा निश्चित रूप से उत्कृष्ट परिणामों की तरफ ले जाएगी।

तुर्की में

एस्ट्रोनॉट को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने अपने देश के लिये मिशन मून के अलावा महत्वकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिये घोषणा कर दी है। 10 साल के महत्वकांक्षी कार्यक्रम परियोजना के तहत मून मिशन, अंतरिक्ष में यात्री भेजना और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उपग्रह प्रणालियों को विकसित करना शामिल है। टेलीविजन पर प्रसारित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि तुर्की ने 2023 में चंद्रमा के साथ पहला संपर्क स्थापित करने की योजना बनाई है। एर्दोगन ने कहा कि पहला चरण अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से होगा, जबकि दूसरे चरण में तुर्की के

रॉकेट का उपयोग होगा। उन्होंने तुर्की के नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से अंतरिक्ष में भेजने, दूसरे देशों के साथ स्पेस पोर्ट बनाने पर काम करने और सैटेलाइट टेक्नोलॉजी 'ग्लोबल ब्रांड' विकसित करने का भी ऐलान किया। तुर्की ने अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिये 2018 में तुर्की अंतरिक्ष एजेंसी (TUA) की स्थापना की थी।

यूएई का अंतरिक्ष यान

पहली बार में मंगल की कक्षा में पहुंचा

संयुक्त अरब अमीरात ने एक नया इतिहास रच दिया है। उसने पहली बार में मंगल की कक्षा में अंतरिक्ष यान को स्थापित करने में सफलता पायी है।

- **यूएई के होप मिशन की सफलता की बधाई देने प्रिंस नाहयान वैज्ञानिकों से मिले।**
- **यह अंतरिक्षयान मंगल के मौसम की जानकारी जुटायेगा।**
- **यूएई का होप यान 120,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चक्कर काट रहा है।**

यूएई का होप यान अगले कुछ महीने तक मंगल ग्रह के वातावरण का अध्ययन करेगा। यूएई के इस मिशन का लक्ष्य मंगल ग्रह के पहले ग्लोबल मैप को तैयार करना भी है। यह मिशन इसलिये खास है क्योंकि इससे पहले के रोवर मंगल के चक्कर ऐसे काटते थे कि वह दिन के सीमित वक्त में ही उसके हर हिस्से को मॉनीटर कर पाते थे। होप का ऑर्बिट अंडाकार होने से इस रोवर को पूरा चक्कर लगाने में 55 घंटे लगेंगे। इस वजह से यह मंगल के हिस्सों पर दिन और रात में ज्यादा समय के लिये नजर रख सकेगा। ज्ञात रहे कि अभी तक अमेरिका ही एक मात्र ऐसा देश है, जिसने मंगल पर सफलतापूर्वक अंतरिक्ष यान उतारा है।

चीन का टोही विमान ताइवान पहुंचा

ताइवान और चीन के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। हाल ही में चीन के टोही विमान Y-8 ने ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र के दक्षिणी-पश्चिम खंड में प्रवेश किया। फोकस ताइवान एजेंसी के अनुसार विमान ताइवान और डोंगसाहा द्वीप समूह के बीच हवाई क्षेत्र में जा घुसा, जो ताइवान द्वारा नियंत्रित है और ये दक्षिण चीन सागर में स्थित है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार ताइवान की सेना ने लड़ाकू विमानों को चेतावनी देने के लिये वायु रक्षा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की मदद ली।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

परमाणु हथियारों को आधुनिक बना रहा उत्तर कोरिया

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा है कि उत्तर कोरिया प्रतिबंधों को दरकिनार कर परमाणु हथियारों को नवीनतम तकनीक के जरिये लैस कर रहा है और यह दुनिया के लिये खतरा बन सकता है। उत्तर कोरिया पर लगाए गए संयुक्त राष्ट्र के

- **विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर कोरिया नवीनतम तकनीक से नाभिकीय हथियारों को लैस कर रहा है।**
- **उत्तर कोरिया साइबर हैकिंग के जरिये 22 करोड़ पाउंड हासिल करके हथियार बना रहा है।**

UNITED NATIONS

प्रतिबंधों पर निगरानी रखने वाले विशेषज्ञों के एक दल ने सुरक्षा परिषद को सौंपी एक रिपोर्ट के जरिये यह अंदेशा व्यक्त किया है। वैज्ञानिकों के एक समूह ने यह रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार किम जोंग सरकार ने ऐसी विस्फोटक सामग्री का निर्माण भी कर लिया है, जिससे नाभिकीय हथियार बनाया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार उसने (उत्तर कोरिया) कम दूरी की नई मिसाइलों, मध्यम दूरी की पनडुब्बी से मार करने लायक और अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों का सैन्य परेड में प्रदर्शन किया। ज्ञात रहे कि उत्तर कोरिया ने 2006 में पहली वार नाभिकीय परीक्षण किया था, जिसके वाद संयुक्त राष्ट्र ने उस पर कड़े प्रतिबंध लगा दिये थे।

ईरान से नहीं हटेंगे प्रतिबंध - बाइडेन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि उनका देश तव तक ईरान से प्रतिवंध नहीं हटायेगा, जव

- **अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामनेई की उस मांग को ठुकरा दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रतिबंध हटने पर ही उनका देश परमाणु समझौते से दोबारा जुड़ेगा।**

तक वह परमाणु समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता। उन्होंने कहा कि अगर ईरान अपनी जिद से वाज नहीं आता तो संभवतः प्रतिवंधों को और कड़ा कर दिया जायेगा।

अमेरिका में 9 मार्च से

एच-1बी वीजा के रजिस्ट्रेशन होंगे शुरू

अमेरिका में एच-1वी वीजा के लिये आगामी 9 मार्च से 25 मार्च 2021 तक रजिस्ट्रेशन शुरू किये जायेंगे। इस वीजा के

- **लॉटरी के जरिये लाभार्थियों का चयन किया जायेगा।**
- **रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 2022 के लिये होगी।**

जरिये विदेशी नागरिक अमेरिका जाकर वहां की कंपनियों में कार्य कर सकते हैं।

यह वीजा दक्ष पेशेवरों को दिया जाता है, जो अमेरिका में उच्च दक्षता वाले कार्य करते हैं। वीजा प्राप्त करने वाले एक अक्टूबर से अमेरिका में कार्य कर सकेंगे।

ज्ञात रहे कि अमेरिका में नया वित्त वर्ष एक अक्टूबर से शुरू होता है। उल्लेखनीय है एच-1वी वीजा के जरिये बड़ी संख्या में भारत के दक्ष पेशेवर अमेरिका जाते हैं और वहां पर नौकरी करते हैं। इनमें बड़ी संख्या में आईटी पेशेवर होते हैं।

यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) ने इस वावत् अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना वाइडेन प्रशासन की उस घोषणा के वाद जारी हुई है, जिसमें कहा गया है कि आगामी वर्ष के लिये एच-1वी वीजा देने के लिये परंपरागत लॉटरी सिस्टम का इस्तेमाल होगा।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप का सीनेट में दूसरा महाभियोग परीक्षण शुरू

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे महाभियोग के मुकदमे की शुरुआत औपचारिक रूप से सीनेट में शुरू हो गई है।

- **पूर्व राष्ट्रपति के वकीलों का तर्क है कि ट्रंप संवैधानिक रूप में एक महाभियोग परीक्षण का सामना करने के लिये अयोग्य हैं, क्योंकि वह अब कार्यालय में नहीं हैं।**

प्रतिनिधि सभा ने 6 जनवरी को यूएस कैपिटल में हुये दंगे में अपनी भूमिका को लेकर सरकार के खिलाफ हिंसा के लिये पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराया था, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के जीवन का भी दावा किया गया था। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति के वकील का तर्क है कि ट्रंप संवैधानिक रूप से एक महाभियोग से जल्दी वरी नहीं हो सकते हैं। पहले सीनेट वहस करेगी और परीक्षण के एक दिन मतदान करेगी कि क्या परीक्षण संवैधानिक है या नहीं। सुनवाई के दौरान ट्रंप ने वचाव पक्ष के वकील ब्रूस कैंटर की दलीलों पर निराशा जताई।

ब्रिटेन में नई ट्यूरिंग योजना की घोषणा

ब्रिटेन सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा रणनीति को लेकर ट्यूरिंग योजना की घोषणा की है। इसके तहत भारत जैसे देशों के साथ आदान-प्रदान परियोजनाएं शामिल होंगी। यूरोपीय संघ से अलग होने की प्रक्रिया पिछले साल के अंत में ब्रिटेन सरकार ने नई ट्यूरिंग योजना की घोषणा की है जो विदेश में पढ़ने के लिये यात्रा करने वाले विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों के नेटवर्क का विस्तार करने के साधन के रूप में ईयू-व्यापी छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम का हिस्सा लेगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।